RNI NO.: 54818-92 REG. NO-MH/MR/North East/317/2014-16

मुंबई, पुणे और नाशिक से एक साथ प्रकाशित

हमारा महानगर

https://www.hamaramahanagar.net

वर्ष 33 ■ अंक 264 ■ मुंबई, बुधवार 16 अप्रैल 2025 ■ पेज 10 ■ मूल्य : ₹ 5.00

संरक्षक : आरएन सिंह

राष्ट्र के सामने चुनौतियां और समाधान

पेज-4

अटाला मस्जिद विवाद में एडीजे कोर्ट में सुनवाई

पेज-6

बड़ी उम्र में मां बनने पर बच्चे और मां पर पड़ सकता है ये असर

पेज-8

अगस्त में बांग्लादेश दौरे पर जाएगी भारतीय टीम

पेज-9

किसानों की बल्ले-बल्ले... इस साल झूमकर बरसेंगे बदरा

मौसम विभाग का अनुमान, सामान्य से बेहतर मानसून, 105% बारिश की उम्मीद

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने भविष्यवाणी की है कि इस साल मॉनसून के सीजन में देशभर में सामान्य से ज्यादा यानी जोरदार बारिश होगी। मौसम विभाग की यह भविष्यवाणी कृषि और अर्थव्यवस्था के लिए अच्छी खबर है, क्योंकि कृषि क्षेत्र का भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 18% का योगदान देता है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के सचिव एम रविचंद्रन ने मंगलवार को कहा कि इस साल दीर्घकालिक मौसम पूर्वानुमान के मुताबिक, मॉनसूनी बारिश औसत से 105% तक ज्यादा हो सकती है।

इसके साथ ही IMD ने पूरे मौसम के दौरान अल नीनो की स्थिति की संभावनाओं को खारिज कर दिया। भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) के प्रमुख मृत्युंजय महापात्रा ने नई दिल्ली में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'भारत में चार महीने के मॉनसून मौसम (जून से सितंबर) में सामान्य से अधिक वर्षा होने की संभावना है और कुल संचयी दीर्घावधि वर्षा औसत से 105 फीसदी ज्यादा यानी 87 सेमी तक रहने का अनुमान है।'

अलनीनो की संभावना नहीं

उन्होंने कहा कि भारतीय उपमहाद्वीप में सामान्य से कम मॉनसूनी वर्षा से जुड़ी अल नीनो जैसी स्थिति के इस बार विकसित होने की संभावना नहीं है। बता दें कि देश में मॉनसून आमतौर पर 1 जून के आसपास केरल में दस्तक देता है। उसके बाद वह आगे बढ़ते हुए पूरे देश में छा जाता है। फिर सितंबर के मध्य में मॉनसून की वापसी शुरु हो जाती है।

डराने वाली क्या बात?

उन्होंने इसके साथ ही कुछ डराने वाली बातों का भी जिक्र किया और कहा कि देश के कुछ हिस्से पहले से ही अत्यधिक गर्मी से जूझ रहे हैं। उन्होंने कहा कि अप्रैल से जून के बीच अनेक राज्यों में काफी अधिक संख्या में लू चलने की संभावना है। इससे बिजली ग्रिड पर दबाव बढ़ सकता है

और कुछ हिस्सों में सूखे की समस्या खड़ी हो सकती है। उन्होंने कहा कि पेयजल का भी संकट खड़ा हो सकता है। भारत एक कृषि प्रधान देश है। इसके लिए मॉनसून बहुत महत्वपूर्ण है,क्योंकि अधिकांश सिंचाई मॉनसूनी बारिश पर ही निर्भर करती है। खेतीबारी देश के लगभग 42.3 प्रतिशत आबादी की मुख्य आजीविका का आधार है और यह देश के सकल घरेलू उत्पाद में 18.2 प्रतिशत का योगदान देता है।

Short News एक नजर

पीएम मोदी ने डेनमार्क की प्रधानमंत्री से की बातचीत

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डेनमार्क की पीएम मेटे फ्रेडरिकसन से मंगलवार को बातचीत की। दोनों नेताओं ने भारत-डेनमार्क ग्रीन रणनीतिक पार्टनरशिप के लिए मजबूत समर्थन की पुष्टि की। साथ ही, दूसरे कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने को लेकर चर्चा हुई। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट करके कहा, 'आज पीएम मेटे फ्रेडरिकसन से बात करके खुशी हुई। हमने भारत-डेनमार्क ग्रीन स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप के लिए अपने मजबूत समर्थन और हमारे लोगों के लाभ के लिए विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की पुष्टि की।

रॉबर्ट वाड्रा से ईडी ने की पूछताछ

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने मंगलवार को हरियाणा भूमि सौदे से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कारोबारी और वायनाड से कांग्रेस प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा से पूछताछ की। हालांकि, वाड्रा ने एजेंसी के समन राजनीतिक प्रतिशोध करार दिया। उन्होंने कहा कि पूछताछ के दौरान पहले भी ईडी के साथ घंटों बिताए हैं, हजारों पेज साझा किए हैं, लेकिन फिर भी एजेंसी उनके खिलाफ मामले उठा रही है। मैं न ही किसी दबाव में आने वाला हूं और न ही किसी से डरने वाला हूं।

गोवा पुलिस ने जब्त की 43 करोड़ की कोकीन

पणजी। गोवा में ड्रग्स तस्करों के खिलाफ अभियान चला रही पुलिस को मंगलवार को बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने यहां चॉकलेट और कॉफी के पैकेट में छिपाकर रखी गई 43 करोड़ रुपये से ज्यादा की कोकीन जब्त की है। कथित तौर पर गोवा के इतिहास में इससे पहले कभी भी इतनी बड़ी मात्रा में ड्रग्स की जब्ती नहीं की गई थी। पुलिस के मुताबिक इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। कथित तौर पर इन तस्करों का संबंध अंतरराष्ट्रीय गिरोहों से भी हो सकता है और इसकी जांच शुरू कर दी गई है। मामला सामने आने के बाद मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने सोशल मीडिया पर इस ऑपरेशन की जमकर तारीफ की है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, राज्य में अब तक के सबसे बड़े ड्रग के भंडाफोड़ के लिए गोवा पुलिस और क्राइम ब्रांच को बधाई।

पूर्व मंत्री खाचरियावास के घर पर छापेमारी

जयपुर। राजस्थान की पूर्ववर्ती अशोक गहलोत सरकार में कैबिनेट मंत्री रहे प्रताप सिंह खाचरियावास के जयपुर में सिविल लाइन्स स्थित आवास पर मंगलवार सुबह से प्रवर्तन निदेशालय की छापेमारी जारी है। ईडी की टीम इस वक्त कांग्रेस नेता के घर में मौजूद हैं और जांच पड़ताल कर रही हैं। इस रेड के पीछे की वजह अभी सामने नहीं आई है, लेकिन राजस्थान की राजधानी में इस कार्रवाई से हड़कंप मच गया है। कांग्रेस के नेताओं की अगल-अलग प्रतिक्रिया भी सामने आने लगी है।

राहुल और सोनिया गांधी की बढ़ीं मुश्किलें

ED ने नेशनल हेराल्ड मामले में दाखिल की चार्जशीट

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कांग्रेस नेताओं सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य की मुश्किलें बढ़ गई है। ED ने इस मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की। इस चार्जशीट में ओवरसीज प्रमुख सैम पित्रोदा, सुमन दुबे और अन्य लोगों के नाम भी शामिल है।

विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने कहा, 'वर्तमान अभियोजन पक्ष की शिकायत पर संज्ञान के पहलू पर विचार किया जाएगा। जब ईडी के विशेष वकील और जांच अधिकारी अदालत

के अवलोकन के लिए केस डायरी का उत्पादन भी सुनिश्चित करेंगे।' यह पहली बार है जब सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई है। इसी बीच, कांग्रेस ने बयान जारी कर कहा कि सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य लोगों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल करना प्रधानमंत्री, गृहमंत्री द्वारा की गई बदले की राजनीति और डराने-धमकाने की कोशिश के अलावा कुछ नहीं है।

25 अप्रैल को होगी कोर्ट में सुनवाई

प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने कथित नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, सोनिया गांधी और कांग्रेस ओवरसीज प्रमुख सैम पित्रोदा के खिलाफ दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में अभियोजन शिकायत (प्रोसिक्यूशन कंप्लेंट) दाखिल की है। इस चार्जशीट में सुमन दुबे और अन्य लोगों के नाम भी शामिल हैं। कोर्ट ने इस मामले में आरोपों पर संज्ञान लेने की सुनवाई की तारीख 25 अप्रैल तय की है।

बंगाल हिंसा पर आगबबूला हुए योगी

लातों के भूत बातों से नहीं मानते

महानगर नेटवर्क

हरदोई

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मंगलवार को हरदोई पहुंचे। यहां उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार पर निशाना साधा। योगी ने बंगाल में हुए हिंसा को लेकर कहा कि लातों के भूत बातों से कहां मानने वाले हैं। बंगाल जल रहा है और वहां की सीएम चुप हैं। उन्होंने दंगाइयों को दंगे करने की पूरी छूट दे रखी है। दरअसल सीएम योगी बंगाल पहुंचे। यहां उन्होंने कहा, "हर दूसरे तीसरे दिन दंगा होता था। इन दंगाइयों का उपचार ही डंडा है। बिना डंडे के मानेंगे नहीं। आप देख रहे होंगे कि बंगाल जल रहा है। वहां की मुख्यमंत्री चुप हैं। दंगाइयों को शांतिदूत कहती

जिसे बांग्लादेश पसंद, वो वहां चला जाए

हैं। लातों के भूत बातों से कहां मानने वाले हैं। लेकिन सेक्युलरिज्म के नाम पर इन लोगों ने दंगाइयों को दंगे करने की छूट दे रखी है। पिछले एक सप्ताह से मुर्शिदाबाद जल रहा है। सरकार चुप है। इस तरह की आरजकता पर लगाम लगनी चाहिए।" आदित्यनाथ ने दंगाइयों पर निशाना साधते हुए कहा, "वे एक के बाद एक धमकियां दे रहे हैं और बांग्लादेश में जो हुआ उसका समर्थन कर रहे हैं। अगर उन्हें बांग्लादेश पसंद है, तो उन्हें बांग्लादेश ही चले जाना चाहिए। आप अभी भी भारत की धरती पर बोझ क्यों हैं?" इस बीच, अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के दंगा प्रभावित हिस्सों में जीवन सामान्य हो रहा है।

हिंसा में बांग्लादेशी उपद्रवियों का हाथ!

गृह मंत्रालय के सूत्रों की ओर से मंगलवार को बताया गया है कि पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद हिंसा की शुरुआती जांच में बांग्लादेशी बदमाशों के शामिल होने के संकेत मिले हैं। प्रारंभिक जांच से यह भी पता चला है कि बदमाशों को शुरू में स्थानीय नेताओं से मदद मिली होगी, लेकिन बाद में वे बेकाबू हो गए। इस बीच, गृह मंत्रालय पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद और अन्य संवेदनशील जिलों में गतिविधियों पर बारीकी से नजर रख रहा है। केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने शनिवार को राज्य के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक से बात की और हर संभव मदद का आश्वासन दिया। उन्होंने राज्य प्रशासन को अन्य संवेदनशील जिलों पर कड़ी नजर रखने और जल्द से जल्द सामान्य स्थिति सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त कदम उठाने की सलाह दी।

आठ लाख लाडली बहनों को मिलेंगे 500 रुपए

महानगर संवाददाता

मुंबई

- ये महिलाएं ले रहीं अन्य सरकारी योजनाओं का लाभ
- मंत्री अदिति तटकरे का दावा, योजना में बदलाव नहीं

राज्य की महिला व बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने कहा कि नमो शेतकरी महा सम्मान निधि योजना और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की महिला लाभार्थियों को शासन निर्णय के अनुसार हर माह 500 रुपए मिलेगे। ऐसी महिलाओं की संख्या तकरीबन 8 लाख है।

महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए मुख्यमंत्री मेरी लाडली बहन योजना पर चल रही चर्चाओं पर टिप्पणी की है। उन्होंने सरकार का बचाव करते हुए कहा कि 28 जून 2024 और 3 जुलाई 2024 को जारी शासन निर्णय के अनुसार अन्य किसी भी योजना का लाभ नहीं लेने वाली महिलाओं को लाडली बहन योजना के तहत हर माह 1500 रुपए दिए जा रहे हैं, साथ ही किसी अन्य सरकारी योजना में 1500 रुपए

से कम लाभ लेने वाली महिलाओं को शेष अंतर राशि का भुगतान किया जा रहा है। इस अनुसार 774148 महिलाएं, जो नमो शेतकरी सम्मान योजना के तहत 1000 रुपए का लाभ ले रही हैं, उन्हें 500 रुपए की रकम प्रदान की जा रही है। उन्होंने कहा कि लाडली बहन योजना से किसी भी पात्र बहन को बाहर नहीं रखा गया है।

लाडली बहनों को मिलेंगे मात्र 500 रुपए

इसके पहले कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार ने दावा किया था कि अब लाडली बहनों को 1500 रुपए के बजाय मात्र 500 रुपए ही दिए जाएंगे। वहीं शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत ने कहा कि जिन लाडली बहनों को 1500 रुपए देकर वोट खरीदे गए, उनके मतों की कीमत 500 रुपए हो गई है। कल यह शून्य होगी। राज्य की आर्थिक स्थिति बेहद गंभीर है। कर्मचारियों को वेतन देने के लिए पैसे नहीं है।

राम मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी

अयोध्या। अयोध्या के राम मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी का ईमेल मिलने के बाद मामले में मंगलवार को एफआईआर दर्ज कर ली गई है। रविवार को भेजे गए ईमेल में मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी देने के साथ ही सुरक्षा बढ़ाने की हिदायत दी गई थी। अयोध्या स्थित राम मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी भरा ईमेल रविवार को भेजा गया था, जिसमें मंदिर को बम से उड़ाने की बात के साथ-साथ सुरक्षा बढ़ाने की चेतावनी दी गई थी। ईमेल प्राप्त होते ही अयोध्या प्रशासन और सुरक्षा बल हरकत में आ गए।

चीन नहीं लेगा अमेरिकी बोइंग जेट की डिलीवरी

- अमेरिकी टैरिफ के जवाब में फैसला
- कीमती मेटल्स की सप्लाई भी रोकी

महानगर नेटवर्क

बीजिंग

अमेरिका के साथ बढ़ते व्यापारिक तनाव के बीच चीन ने अमेरिकी विमान निर्माता कंपनी बोइंग से विमानों की डिलीवरी लेने पर रोक लगा दी है। चीन ने अपनी एयरलाइनों को निर्देश दिया है कि वे अब बोइंग कंपनी से नए विमान न लें और न ही अमेरिका से विमान संबंधी उपकरण या कलपुर्जे खरीदें। यह कदम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा चीन से आयात होने वाले सामानों पर 145 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने के फैसले के बाद उठाया गया है। नए शुल्कों के चलते अमेरिका से आयात होने वाले विमान और उनके कलपुर्जों की लागत दोगुनी से भी अधिक हो गई है, जिससे चीनी एयरलाइनों के लिए बोइंग विमान लेना मुश्किल हो गया है।

खाने-पीने की चीजों के दाम में कमी

- मार्च में महंगाई 6 साल के निचले स्तर पर
- 3.34% रही रिटेल इन्फ्लेशन

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

महंगाई के मोर्चे पर थोड़ी राहत भरी खबर है। सब्जियों तथा प्रोटीन वाले उत्पादों की कीमतों में कमी के कारण रिटेल महंगाई दर में मार्च के महीने में मामूली गिरावट देखी गई। मार्च में रिटेल महंगाई घटकर 3.34 प्रतिशत पर रही, जो कि पिछले

महीने फरवरी में 3.61 प्रतिशत पर थी। वहीं, जनवरी महीने में महंगाई 4.31% थी। मंगलवार को जारी सरकारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। बता दें कि यह आंकड़ा बाजार अनुमान से काफी बेहतर रहा है। आंकड़ों के मुताबिक, फूड इन्फ्लेशन नवंबर 2021 के बाद सबसे कम पर है। इसका मतलब है कि खाने-पीने से संबंधित सामानों की कीमतों में गिरावट आई है।

कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स (सीपीआई) आधारित मुद्रास्फीति फरवरी में 3.61 प्रतिशत पर और पिछले साल मार्च में 4.85 प्रतिशत पर रही थी। खाद्य मुद्रास्फीति मार्च में 2.69 प्रतिशत रही, जबकि फरवरी में यह 3.75 प्रतिशत और मार्च, 2024 में 8.52 प्रतिशत थी। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) मोनेटरी पॉलिसी तैयार करते समय मुख्य रूप से रिटेल महंगाई पर गौर करता है।

तमिलनाडु में 150 परिवारों को वक्फ का नोटिस

वेल्लोर। तमिलनाडु के वेल्लोर जिले से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां कट्टुकोल्लई गांव में लगभग 150 परिवारों पर आरोप लगाया गया है कि वे वक्फ संपत्ति पर अवैध कब्जा करके रह रहे हैं। इसके लिए एक दरगाह ने उन्हें बेदखली का नोटिस भी जारी किया है जिसके बाद गांव में तनाव की स्थिति बन गई है। इन नोटिसों के जवाब में कांग्रेस विधायक हसन मौलाना ने ग्रामीणों को भरोसा दिलाया है कि किसी को भी गांव से बेदखल नहीं किया जाएगा। हालांकि, मौलाना ने यह भी स्पष्ट किया कि अगर वक्फ बोर्ड के पास जमीन से जुड़े कानूनी दस्तावेज हैं और उनकी वैधता सिद्ध होती है, तो ग्रामीणों को थोड़ा किराया देना पड़ सकता है। उन्होंने कहा, 'एक बार वक्फ, हमेशा वक्फ होता है।'

दहेज उत्पीड़न कानून पर बोला SC

हम दूसरे देशों से क्यों सीखें, वे हमारी नकल करें

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

महिलाओं के साथ घरेलू उत्पीड़न एवं दहेज की मांग को लेकर हिंसा किए जाने के आरोपों में सेक्शन 498ए के तहत कार्रवाई की जाती है। ऐसे मामलों में अक्सर आरोप लगते हैं कि इस महिला पक्ष की ओर से बेजा इस्तेमाल किया जा रहा है और यह पुरुषों को परेशान करने के

लिए एक हथियार बन गया है। ऐसी ही दलीलों के साथ सुप्रीम कोर्ट में भी एक अर्जी दाखिल की गई, जिसे शीर्ष अदालत ने खारिज कर दिया। अर्जी में कहा गया कि सेक्शन 498A, जो महिलाओं के खिलाफ क्रूरता को अपराध करार देता है, वह समानता के अधिकार का भी उल्लंघन करता है। इस पर अदालत ने कहा कि सेक्शन 498A से संविधान के आर्टिकल 14 का उल्लंघन नहीं होता। यह समानता के अधिकार के खिलाफ नहीं है। बेंच ने कहा कि हम तो संप्रभु देश हैं। आखिर हम दूसरे लोगों का अनुसरण क्यों करेंगे। वे हमें फॉलो करें।

कल्याण सिंह की मूर्ति टूटने पर बवाल

लोधी और जाटवों के बीच चले ईंट-पत्थर, कई घायल

महानगर नेटवर्क

लखनऊ

यूपी के एटा में पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त करने के बाद पथराव हो गया। इस मामले में लोधी और जाटव पक्षों के बीच हुए पथराव में एक दर्जन से अधिक लोग चोटिल हो गए। आधे घंटे तक हुए पथराव के बाद गांव में तनाव है। गांव में फोर्स तैनात कर दिया गया है। डीएम प्रेम रंजन सिंह और एसएसपी श्याम नारायण ने पैदल मार्च कर गांव में शांति बनाए रखने की अपील की। वहीं प्रतिमा तोड़ने के मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। कोतवाली जलेसर के गांव मोहनपुर में दो वर्ष पहले पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की प्रतिमा लगाई गई थी। सोमवार की देररात असामाजिक तत्वों ने प्रतिमा पर पथराव कर क्षतिग्रस्त कर दिया। मंगलवार सुबह क्षतिग्रस्त प्रतिमा देख आक्रोश फैल गया। लोधी समाज से काफी संख्या में लोग एकत्रित हो गए। लोगों को एकत्रित होता देख पुलिस भी पहुंच गई।

बच्चों की तस्करी पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को उत्तर प्रदेश सरकार और इलाहाबाद हाई कोर्ट को बच्चा तस्करी के मामलों को लेकर जमकर फटकार लगाई और कहा कि इन मामलों में किसी भी तरह की लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। कोर्ट ने सभी राज्यों के हाई कोर्ट के लिए सख्त दिशा-निर्देश जारी किए कि बच्चा तस्करी से जुड़े मामलों की सुनवाई छह महीने के अंदर पूरी होनी चाहिए। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने साफ किया कि

इलाहाबाद हाई कोर्ट पर कड़ा रुख

अगर किसी अस्पताल से नवजात चोरी या तस्करी होती है तो सबसे पहले उस अस्पताल का लाइसेंस सस्पेंड किया जाए। अदालत ने कहा, "अगर कोई औरत अस्पताल में बच्चा जनती है और बच्चा चोरी हो जाता है, तो सबसे पहला कदम होगा अस्पताल का लाइसेंस रद्द करना।" यह सख्त टिप्पणी उस केस के दौरान आई जिसमें उत्तर प्रदेश में एक दंपत्ति को चोरी का नवजात बच्चा 4 लाख रुपये में दिलवाया गया। इस मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने आरोपी को अग्रिम जमानत दे दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने न सिर्फ इस जमानत को रद्द किया बल्कि हाई कोर्ट के रवैये को लापरवाह बताया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, 'आरोपी को बेटे की चाह थी और उसने 4 लाख रुपये में एक बच्चा खरीद लिया। यह साफ था कि बच्चा चोरी हुआ था, फिर भी हाई कोर्ट ने जमानत दे दी।'

अमरनाथ यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू

इस साल श्रद्धालुओं के लिए खास सुविधाएं

महानगर नेटवर्क

जम्मू

38 दिनों तक चलने वाली श्री अमरनाथ यात्रा के लिए पंजीकरण सोमवार को पूरे देश में उत्साह के साथ शुरू हो गया है। जम्मू में स्थित पंजाब नेशनल बैंक की रिहाड़ी चुंगी शाखा समेत कई नामित बैंक शाखाओं में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें देखी गईं। यह तीर्थ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होकर 9 अगस्त तक चलेगी। हर बार की तरह इस साल भी श्रद्धालुओं के लिए विशेष सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। सुरक्षा के भी व्यापक इंतजाम किए

गए हैं। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने 5 मार्च को राजभवन में हुई श्री अमरनाथ जी श्राइन बोर्ड की 48वीं बैठक के दौरान इस बार की तिथियों का ऐलान किया था। इस बार भी यात्रा अनंतनाग जिले के पहलगाम मार्ग और गांदरबल जिले के बालटाल मार्ग से एक साथ शुरू होगी।

जेल में बंद कैदी की मौत पर मिलेगा मुआवजा

- अप्राकृतिक मृत्यु पर परिजनों को मिलेंगे 5 लाख
- कैबिनेट बैठक में तय की गई मुआवजा नीति

महानगर संवाददाता
मुंबई

राज्य की जेलों में बंद किसी कैदी की अप्राकृतिक मौत होती है, तो उसके रिश्तेदारों को महाराष्ट्र सरकार 5 लाख रुपए का मुआवजा देगी। मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में राष्ट्रीय मानव अधिकार आयोग की सिफारिशों के अनुसार मुआवजा प्रदान करने की नीति को मंजूरी दी गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने की।

मुआवजा नीति के अनुसार जेल में काम करते समय दुर्घटना, चिकित्सा अधिकारियों की लापरवाही,जेल कर्मचारियों की मारपीट या कैदियों के आपसी विवाद में मौत होने पर संबंधित मामले की जांच में प्रशासन की लापरवाही साबित होने पर कैदियों के उत्तराधिकारियों को 5 लाख रुपए का मुआवजा दिया जाएगा। जेल में आत्महत्या करने वाले कैदी के परिजनों

को एक लाख रुपए का मुआवजा दिया जाएगा।

राज्य की सभी जेलों में यह नीति लागू होगी। यदि किसी कैदी की वृद्धावस्था, लंबी बीमारी, जेल से भागने के दौरान हुई दुर्घटना, जमानत पर रहने अथवा इलाज कराने से इंकार करने पर कोई मुआवजा नहीं दिया जाएगा। हालांकि, प्राकृतिक आपदाओं के कारण मृत्यु के मामले में मौजूदा सरकारी नीति के अनुसार मुआवजा प्रदान किया जाएगा। मुआवजे के लिए संबंधित जेल अधीक्षकों को प्रारंभिक जांच, पोस्टमार्टम,पंचनामा, मेडिकल रिपोर्ट, न्यायिक और जिला कलेक्टर की जांच आदि दस्तावेजों के साथ क्षेत्रीय विभाग प्रमुखों को रिपोर्ट प्रस्तुत करनी होगी। इसके बाद मामले की गहन जांच के बाद अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक और महानिरीक्षक, जेल और सुधार सेवाएं, महाराष्ट्र राज्य, पुणे को अंतिम प्रस्ताव प्रस्तुत किया जाएगा। उनकी सिफारिशों के बाद सरकारी स्तर पर निर्णय लिया जाएगा और मुआवजा दिया जाएगा। मृत्यु के मामलों में दोषी पाए गए अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने का भी निर्णय लिया गया है। बता दें कि 35 वर्षीय सोमनाथ सूर्यवंशी की 15 दिसंबर 2024 को परभणी में न्यायिक हिरासत में मृत्यु हो गई।

वनपाल ने मांगी 50 हजार की घूस

एसीबी ने दर्ज किया मामला

महानगर संवाददाता
ठाणे

पालघर जिले में वन विभाग के एक अधिकारी के खिलाफ रिश्वत मांगने का मामला सामने आया है। भ्रष्टाचार निवारण विभाग (ACB) ने वनपाल महेंद्र भबुतराव सोलंकी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 के तहत मामला दर्ज किया है।

बता दें कि कोशिमशेत गांव के एक 48 वर्षीय ठेकेदार को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान निर्माण के लिए अनुदान प्राप्त हुआ है। ठेकेदार अपने पुराने घर के सामने एक नया आश्रय स्थल बना रहे हैं,जिसके लिए उन्होंने गणेशपुरी वन विभाग से अनुमति मांगी थी। आरोप है कि वनपाल सोलंकी ने निर्माण कार्य को न रोकने के एवज में 50,000 की रिश्वत की मांग की। शिकायत मिलने के बाद एसीबी ने 27 फरवरी को सत्यापन किया, जिसमें पाया गया कि आरोपी

ने कागज पर 30,000, 25,000 और 20,000 जैसी रकमें लिखकर बातचीत की और आखिरकार 20,000 पर सौदा तय किया।

एक अप्रैल को एसीबी ने जाल बिछाया, लेकिन आरोपी दो अप्रैल को शिकायतकर्ता से संपर्क नहीं कर पाया। इसके बावजूद साक्ष्यों के आधार पर मांडवी पुलिस स्टेशन में आरोपी के खिलाफ एफआईआर नंबर 113/2025 दर्ज की गई है। फिलहाल आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है, लेकिन मामले की जांच जारी है। एसीबी ने नागरिकों से अपील की है कि यदि कोई सरकारी अधिकारी रिश्वत की मांग करता है, तो इसकी सूचना तुरंत भ्रष्टाचार निवारण विभाग को दें।

भिवंडी से गायब हो रहे नाबालिग बच्चे

तीन दिन में चार अपहरण | नागरिकों में चिंता का माहौल

महानगर संवाददाता
भिवंडी

भिवंडी शहर और इसके आसपास के इलाकों में नाबालिग बच्चों के अपहरण की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। बीते तीन दिनों में तीन लड़कियों और एक लड़के के अपहरण के मामले सामने आए है,जिससे शहरवासियों में दहशत और चिंता का माहौल गहराता जा रहा है। शांतिनगर वंजारपट्टी नाका क्षेत्र की 17 वर्षीय रिफा मुसा खान रविवार शाम साढ़े सात बजे आईस्क्रीम लेने घर से नीचे गई थी,लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटी। परिजनों द्वारा खोजबीन के बाद उसकी मां समाबानो मुसा खान ने शांतिनगर पुलिस स्टेशन में अपहरण की शिकायत दर्ज कराई है। कोनगांव पुलिस स्टेशन क्षेत्र की 15 वर्षीय किशोरी निशा मुकेश पांडे को एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला-फुसलाकर अगवा कर लिया गया। पीड़िता की मां

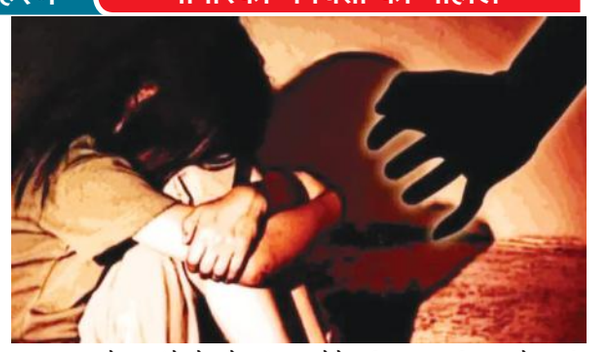

शकुंतला मुकेश पांडे ने कोनगांव पुलिस में इसकी रिपोर्ट दर्ज कराई है। बरफ गल्ली काप कनेरी निवासी 15 वर्षीय सामया मोहम्मद शफिक खान मंगलवार सुबह बिना किसी को बताए घर से निकल गई और वापस नहीं लौटी। परिजनों ने रिश्तेदारों में तलाश की लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। शहर पुलिस ने अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कर लिया है। इसी दिन शांतिनगर के रहमतपुर इलाके से 16 वर्षीय युवक रेहान वकील अहमद अंसारी के लापता होने की खबर भी सामने आई। रेहान की मां अनिसा बानो वकील अहमद अंसारी ने शांतिनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। लगातार हो रही इन घटनाओं ने न केवल पुलिस प्रशासन को सतर्क कर दिया है, बल्कि आम जनता भी अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता में है। नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि गुमशुदा बच्चों को जल्द से जल्द खोजकर सुरक्षित वापस लाया जाए और इस तरह की घटनाओं पर कड़ा नियंत्रण लगाया जाए।

ट्रक की टक्कर से 22 वर्षीय युवक की मौत

महानगर संवाददाता
ठाणे

ठाणे के पूर्व द्रुतगती मार्ग पर स्थित नितीन कंपनी उड्डाणपुल के पास मंगलवार की मध्यरात्रि एक दर्दनाक सड़क हादसे में 22 वर्षीय युवक सुजल कांबले की मौत हो गई। वह अपने मित्र के साथ रात के खाने के लिए भिवंडी जा रहा था, तभी पीछे से आ रहे एक तेज़ रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया, और नौपाडा पुलिस ने उसके खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

बता दें कि सुजल कांबले मुलुंड के श्रीराम नगर इलाके में अपनी मां के साथ रहता था। मंगलवार की रात वह अपने दोस्त के साथ बाइक पर सवार होकर भिवंडी खाने के लिए निकला था। रात लगभग 12 बजे के आसपास जब

वे नितीन कंपनी फ्लाईओवर के पास पहुँचा, तभी तेज़ रफ्तार ट्रक ने पीछे से उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी ज़बरदस्त थी कि बाइक का संतुलन बिगड़ गया और दोनों युवक सड़क पर गिर पड़े। इस बीच,सुजल ट्रक के पहियों के नीचे आ गया, जिससे उसके सिर पर गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उसका दोस्त इस हादसे में बाल-बाल बच गया। घटना की जानकारी मिलते ही नौपाड़ा पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू की।

जुहू इलाके में खाली कराए गए भूखंड पर स्टेडियम बनाने की मांग

महानगर संवाददाता
मुंबई

जुहू इलाके में अवैध निर्माण को हटा कर म्हाडा ने जमीन अपने कब्जे में लिया। आठ एकड़ के इस भूखंड पर जिला स्तरीय स्टेडियम बनाने की मांग स्थानीय भाजपा विधायक अमित साटम ने की है। म्हाडा को लिखे पत्र में विधायक साटम का कहना है कि इससे क्षेत्र के नागरिकों और मुंबई के युवाओं को खेल क्षेत्र में रुचि बढ़ाने में मदद मिलेगी, जिसके चलते भूखंड पर ओपन टू स्काय खेल मैदान बनाया जाए। म्हाडा ने फरवरी महीने में लगभग 20 वर्षों के बाद बिल्डर से यह आठ एकड़ जमीन वापस ली और अवैध रूप से बनाए गए झोपड़ों को जमींदोज कर भूखंड को खाली कराया था। बिल्डर ने फर्जी झोपड़ियों और जाली दस्तावेजों के

माध्यम से इस जमीन को अवैध रूप से एसआरए योजना में शामिल किया था। यह भूखंड जुहू के एक प्रमुख क्षेत्र में ऋतंभरा कॉलेज के सामने पर है। इस परिसर में लाखों बच्चे पढ़ाई करते हैं । बच्चों को खेल की ओर प्रेषित करने के लिए इस परिसर में एक ओपन टू स्काय स्टेडियम बनाने की मांग रखी। विधायक साटम ने पत्र में उल्लेख किया है कि न्यायालय द्वारा सभी कानूनी अड़चनों को दूर करने के बाद, विकास योजना में इस भूखंड के आरक्षण और नियमों को ध्यान में रखते हुए नागरिकों के हित में यहां ओपन-टू-स्काय खेल सुविधाएं विकसित की जानी चाहिए और इसके लिए म्हाडा को एनओसी देनी चाहिए।

ठाणे जिले के 4 स्टेशनों का होगा कायापलट

▶▶ दिवा स्टेशन को मिलेंगे 45 करोड़, टिटवाला को 25 करोड़

महानगर संवाददाता
मुंबई

भारतीय रेलवे की 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के तहत ठाणे जिले के चार प्रमुख रेलवे स्टेशनों का कायापलट होने जा रहा है। इनमें दिवा, टिटवाला, शहाड और बेलापुर स्टेशन शामिल हैं। इस योजना के अंतर्गत दिवा स्टेशन के पुनर्विकास के लिए 45 करोड़ रुपये तथा टिटवाला स्टेशन के लिए 25 करोड़ रुपए का बजट मंजूर किया गया है।

बता दें कि दिवा स्टेशन को लेकर पिछले कुछ वर्षों में लगातार मांग की जा रही थी,क्योंकि इस स्टेशन पर यात्री संख्या में भारी बढ़ोतरी हुई है। अब यह स्टेशन न केवल ठाणे जिले, बल्कि पूरी मध्य रेलवे की सबसे व्यस्त लाइनों में शामिल हो चुका है। वहीं,कसारा मार्ग पर स्थित टिटवाला स्टेशन भी लाखों यात्रियों की रोजमर्रा की यात्रा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। ऐसे में इन स्टेशनों के विकास से यात्रियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने हाल ही में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अमृत भारत योजना के जरिए देशभर

के कुल 1300 से अधिक स्टेशनों को आधुनिक रूप दिया जाएगा, जिनमें से 132 स्टेशन महाराष्ट्र से हैं। ठाणे जिले में शहाड स्टेशन के लिए 8.4 करोड़ रुपये और नवी मुंबई के बेलापुर स्टेशन के लिए 32 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इन स्टेशनों पर वेटिंग लाउंज, फूड कोर्ट, स्वच्छतागृह, लिफ्ट, एस्केलेटर, डिजिटल डिस्प्ले और शहर से बेहतर कनेक्टिविटी जैसी आधुनिक सुविधाएं विकसित की जाएंगी। रेलवे के अनुसार, यह योजना न सिर्फ बुनियादी ढांचे को उन्नत बनाएगी, बल्कि यात्री अनुभव को भी बेहतर बनाएगी। इन स्टेशनों का पुनर्विकास पूरा होने के बाद यात्रियों को हवाईअड्डों जैसी सुविधा और सफाई का अनुभव मिलेगा।

शहरी विकास के लिए इंजीनियर-आर्किटेक्ट का सहयोग होना जरूरी : गगरानी

मुंबई। इंस्टीट्यूशन ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया), महाराष्ट्र स्टेट सेंटर द्वारा हाल ही में"शहरीकरण अवसर और चुनौतियां" विषय पर एक विचारोत्तेजक सेमिनार का आयोजन मुंबई के महालक्ष्मी में किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य इंजीनियरों, आर्किटेक्ट्स और शहरी योजनाकारों के बीच सहयोग को प्रोत्साहित करना था ताकि शहरी विकास से जुड़ी जटिल समस्याओं का समग्र समाधान निकाला जा सके।

मुंबई महानगरपालिका के आयुक्त भूषण गगरानी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। गगरानी ने अपने संबोधन में इस मंच की सराहना की,जो विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को एक साथ लाता

है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शहरीकरण केवल बुनियादी ढांचे के विकास तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि ऐसा वातावरण तैयार करना चाहिए जो लोगों की खुशहाली और भलाई को बढ़ावा दे। विशिष्ट अतिथि के रूप में मुंबई पुलिस आयुक्त विवेक फंसलकर ने शहरी सुरक्षा को सफल नगर नियोजन का एक अनिवार्य तत्व बताया और इस विषय पर महत्वपूर्ण विचार साझा किए। प्रसिद्ध रियल एस्टेट डेवलपर नीरंजन हीरानंदानी ने उद्घाटन भाषण में दोनों आयुक्तों की सराहनीय सार्वजनिक सेवा का उल्लेख किया।

नशे में धुत युवक इमारत पर चढ़ा

नालासोपारा। नालासोपारा में एक चौंकाने वाली घटना हुई है,जहां एक शराबी व्यक्ति चार मंजिला इमारत पर चढ़ गया और स्टंट करने लगा। फायर ब्रिगेड ने उसे लगभग 2 घंटे कड़ी मेहनत के बाद सुरक्षित बचा लिया है। घटना सोमवार सुबह करीब 10:30 बजे हुई। नालासोपारा के पश्चिमी इलाके में बबली अपार्टमेंट नाम की चार मंजिला इमारत है। सोमवार की सुबह एक व्यक्ति शराब पीकर इस इमारत की चौथी मंजिल पर चढ़ गया था। वह काफी देर तक खतरनाक स्थिति में वहां बैठा रहा। इसके अलावा बीच-बीच में स्टंट भी कर रहा था। इससे आसपास के इलाके में हड़कंप मच गया।

बोरीवली-विरार को जोड़ने वाली पांचवीं-छठीं लाइन के विरोध में रहिवासी उतरे सड़क पर

रेलवे प्रशासन से सही मुआवजे नहीं मिला तों बेघर होंगे 400 परिवार

महानगर संवाददाता
वसई

बोरीवली और विरार के बीच नई रेल लाइन बिछाने के काम के चलते वसई (पश्चिम) के आनंद नगर इलाके की 6 इमारतें तोड़ी जाएंगी। रेलवे द्वारा दिए जा रहे कम मुआवजे के कारण इन इमारतों में रहने वाले फ्लैटधारक नाराज हैं और उन्होंने रेल प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। निवासियों ने विरोध प्रदर्शन कर अपना असंतोष व्यक्त किया और रेलवे पर धोखाधड़ी का आरोप लगाया है। रेलवे ने नोटिस जारी कर निवासियों को घर खाली करने का निर्देश दिया है, जिसके खिलाफ लोगों ने कोर्ट जाने का फैसला किया है। गौरतलब है कि

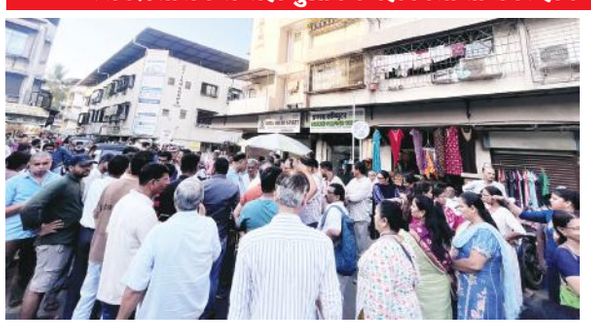

वसई-विरार लोकल ट्रेनों में यात्रियों की बढ़ती संख्या और उससे होने वाली दुर्घटनाओं को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने बोरीवली और विरार के बीच एक नई रेलवे लाइन बिछाने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही,वसई और नायगांव के बीच एक नया रेलवे यार्ड भी बनाया जाएगा। पश्चिम रेलवे पर विरार-बोरीवली के बीच 5 वीं और 6वीं लाइन शुरू होने वाली है, जिसके लिए रेलवे ने भूमि अधिग्रहण हेतु सर्वेक्षण कराया था। सर्वेक्षण के बाद रेलवे द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, वसई रोड रेलवे स्टेशन के आनंदनगर क्षेत्र की 6 इमारतें इस परियोजना के रास्ते में आ रही हैं। इनमें श्रीराम कॉम्प्लेक्स, शिवशक्ति अपार्टमेंट, सहयोग अपार्टमेंट, आदर्श अपार्टमेंट और जगदीश कृपा शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, चंपा सदन भवन का भी कुछ हिस्सा तोड़ा जाएगा। श्रीराम कॉम्प्लेक्स में कई दुकानें भी स्थित हैं। इन इमारतों में रहने वाले परिवारों की संख्या इस प्रकार है: शिवशक्ति में 90, सहयोग में 40, आदर्श में 21 और जगदीश कृपा में 50। ये सभी इमारतें लगभग 35 से 40 साल पुरानी हैं। रेलवे ने मुआवजे के संबंध में निवासियों को नोटिस भेजे हैं।

हेमंत सिंह शिवसेना (शिंदे गुट) में शामिल

महानगर संवाददाता
खारघर

पनवेल शिवसेना कार्यालय में सांसद रंग वारने के उपस्थिति में डी. एन. मिश्रा और हेमंत सिंह शिवसेना शिंदे गुट में शामिल हुए। डी. एन मिश्रा को महानगर संगठक की जवाबदारी की जिम्मेदारी मिली है और हेमंत सिंह को उपशहर प्रमुख की जवाबदारी मिली है। एक समर्पित सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में अपनी पहचान बना चुके हेमंत सिंह अब अपनी सामाजिक सेवा की भावना को राजनीति के माध्यम से आगे ले जाना चाहते हैं। हेमंत सिंह लंबे समय से समाजसेवा से जुड़े हुए हैं। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और युवाओं के उत्थान के लिए कई सराहनीय कार्य किए हैं। गांवों में स्कूलों का निर्माण, निर्धनों के लिए स्वास्थ्य शिविर, और स्वच्छता अभियानों में उनकी सक्रिय भागीदारी ने उन्हें जनता के बीच एक लोकप्रिय और भरोसेमंद चेहरा बना दिया है। शिवसेना में शामिल होने के बाद हेमंत सिंह ने कहा कि वह पार्टी की विचारधारा और जनसेवा की प्रतिबद्धता से प्रभावित हैं।

कैमरों से लैस होंगे यातायात विभाग के जवान

मीरारोड। मीरा-भायंदर,वसई-विरार आयुक्तालय के पुलिस आयुक्त मधुकर पांडेय के हाथों किया गया था , जल्दी ही और 100 कैमरों का वितरण किया जाएंगा। इस अवसर पर अपर पुलिस आयुक्त दत्रातय शिंदे,पुलिस उप आयुक्त सुहास बावचे के अलावा पुलिस अधिकारी एवं यातायात विभाग के पुलिस जवान मौजूद थे । आज के डिजिटल युग को देखते हुए यातायात विभाग को आधुनिक बनाने के लिए पुलिस जवानों को बॉडीवॉर्न कैमरों से लेस किया जा रहा हैं ।

चलती ट्रेन में यात्री पर फेंका गया पत्थर

● आंख के नीचे गंभीर चोट

ठाणे। मुंबई उपनगरीय रेल मार्ग पर एक बार फिर असामाजिक तत्वों की हरकत से एक निर्दोष यात्री को अपनी जान जोखिम में डालनी पड़ी। ऐरोली और रबाले रेलवे स्टेशन के बीच मंगलवार की रात एक चलती लोकल ट्रेन में सफर कर रहे 35 वर्षीय युवक पर किसी ने पत्थर फेंका, जिससे उसके दाहिनी आंख के नीचे गंभीर चोट आई है। इस मामले में ठाणे लोहमार्ग पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

बता दें कि घायल यात्री कल्याण के लोकग्राम इलाके का निवासी है और नवी मुंबई के

घनसोली इलाके के एक कॉल सेंटर में काम करता है। वह रोजाना लोकल ट्रेन से सफर करता है। 12 अप्रैल की रात वह ड्यूटी से निकलकर घनसोली स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर पहुंचा और ठाणे की ओर जाने वाली लोकल में सवार हुआ। रात 8:30 बजे के करीब जब ट्रेन रबाले स्टेशन पार कर आगे बढ़ रही थी, तभी बाहर से अचानक एक पत्थर उसकी ओर फेंका गया जो सीधे उसकी आंख के नीचे आकर लगा। इस हमले से यात्री लहूलुहान हो गया। उसे तत्काल प्राथमिक उपचार दिया गया। हालांकि, घर पहुंचने के बाद जब तकलीफ बढ़ी, तब उसने ठाणे रेलवे पुलिस में इसकी शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने घटना की गंभीरता को समझते हुए अज्ञात व्यक्ति के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 125, 125(ए) और रेलवे अधिनियम 1989 की धारा 152 के तहत मामला दर्ज किया है।

कार्यालय अधिष्ठाता,
छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान, छत्तीसगढ़ शासन, बिलासपुर (छत्तीसगढ़) 495001
FAX (O)-07752-224200, PHONE (O)-07752-230030,
Website: www.cimsbilaspur.ac.in email- deancims@gmail.com

क्र. 5416./स्था/प्रशा/सिम्स/2025 — **Walk-In-Interview** — बिलासपुर, दिनांक 11/04/25

छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान, बिलासपुर के रिक्त शैक्षणिक पदों की पूर्ति संविदा माध्यम से किये जाने हेतु अधिष्ठाता कार्यालय, सिम्स, बिलासपुर में अप्रैल माह में दिनांक 17.04.2025 को **Walk-In-Interview** आयोजित किया जाएगा।
रिक्त पदों का विवरण निम्नानुसार है :-

Asst. Professor	Senior Resident	Junior Resident
Anatomy-3 (UR-1, ST-1, OBC-1) Physiology-2 (UR-1, OBC-1) Biochemisty1 (ST-1) Pharmacology-1 (ST-1) Pathology +Blood Bank-3 (ST-1, OBC-1, ST-1) Microbiology-2 (UR-1, ST-1) Community Medicine-5 (UR-1, ST-2, OBC-1, SC-1) General Medicine-3 (ST-2, SC-1) T.B. & Chest-1 (UR-1) Surgery-5 (UR-4 (1F), OBC-1) Orthopedic-4 (ST-2, OBC-1) Obst. & Gynae-5 (UR-2, ST-3) Radiodiagnosis-1 (ST-1) Neurosurgery-1 (UR-1) Physical Medicine & Rehabilitation -1 (UR-1)	Medicine-7 Skin & V.D.-1 Psychiatry - 1 Pediatric - 4 Surgery-7 Orthopedics - 1 Obst. & Gynae-3 Aneasthesia-10 Radiodiagnosis-4 Radiotherepy - 1 Physical Medicine & Rehabilitation - 1	Pediatrics-2 Surgery-1 Orthopedic - 4 Obst. & Gynae-4 ENT-1
Salary Rs. 1,00,000/-	Salary Rs. 75,000/-	Salary Rs. 50,000/- (30,000+20,000)

General Duty Medical Officer
Total Vacant Post-6 (UR-2, ST-2, SC-1, OBC-1)
Salary Rs. 62,120/-

विस्तृत जानकारी संस्थान की वेबसाईट www.cimsbilaspur.ac.in पर उपलब्ध है। पदों के संवर्ग एवं अर्हता के संबंध में जानकारी अधिष्ठाता कार्यालय, सिम्स, बिलासपुर के दूरभाष से प्राप्त की जा सकती है।

हस्ता/-
अधिष्ठाता
छत्तीसगढ़ आयुर्विज्ञान संस्थान
बिलासपुर (छ.ग.)

G-252600281/2

परे पर श्रद्धापूर्वक मनाई गई अंबेडकर जयंती

मुंबई। पश्चिम रेलवे (परे) पर चर्चगेट, मुंबई स्थित प्रधान कार्यालय में भारत रत्न डॉ. बी. आर. अंबेडकर की 134वीं जयंती से मनाई गई। इस स्मृति समारोह का आयोजन पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक अशोक कुमार मिश्र के नेतृत्व में किया गया जिन्होंने समारोह की अध्यक्षता की। इस अवसर पर प्रमुख विभागाध्यक्ष, मान्यताप्राप्त ट्रेड यूनियनों के प्रतिनिधि, एससी/एसटी और ओबीसी एसोसिएशन के सदस्य तथा रेल कर्मचारी उपस्थित थे। पश्चिम रेलवे के सभी मंडलों और इकाइयों ने भी इस दिवस को पूरी श्रद्धा के साथ मनाया। श्रद्धांजलि देने हेतु महाप्रबंधक मिश्र ने डॉ. बी.आर. अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और मेमोरियल कैन्डल जलाई। अपने संबोधन में मिश्र ने भारतीय संविधान के प्रमुख वास्तुकार को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए संविधान निर्माण में उनके अद्वितीय योगदान को याद किया।

कचरे की दुर्गंध से मुलुंड वासियों को अभी नहीं मिलेगी राहत

महानगर संवाददाता
मुंबई

मुलुंड वासियों को कचरे की दुर्गंध से मुक्ति के लिए और इंतजार करना पड़ेगा। मुलुंड डंपिंग ग्राउंड पर पिछले 6 साल में ठेकेदार ने सिर्फ 65 प्रतिशत कचरे का ही प्रोसेस किया है। मनपा ने इस डंपिंग ग्राउंड को वर्ष 2018 में बंद कर दिया था। ठेकेदार ने जून 2025 तक इस डंपिंग ग्राउंड पर जमा 70 लाख मीट्रिक टन कचरे का प्रोसेस करने के लिए ठेका दिया था। ठेकेदार को मनपा ने 558 करोड़ रुपए का ठेका दिया था।

मुलुंड डंपिंग ग्राउंड पर ठेकेदार ने अभी तक मात्र कुल कचरे का 65 प्रतिशत ही कचरा प्रोसेस किया। मनपा को उम्मीद है कि जून 2025 तक 75 प्रतिशत कचरे का प्रोसेस किया जा सकता है। कचरा प्रोसेस की समय सीमा बढ़ाने की मांग ठेकेदार ने मनपा से की है।

मनपा ने ठेकेदार को दंड लगाकर समय सीमा बढ़ने का निर्णय लिया है। मनपा ठेकेदार पर अब तक करीब 10 करोड़ रुपए का दंड लगा चुकी है। मुंबई का मुलुंड डंपिंग ग्राउंड वैज्ञानिक तरीके से बंद होने के बाद 70 लाख मीट्रिक टन कचरे का प्रोसेस किया जा रहा है। इसके लिए तीन ठेकेदारों को संयुक्त रूप से छह साल के भीतर इस डंपिंग ग्राउंड से निकलने वाले कचरे के परोसे का जिम्मा सौंपा गया। मुंबई में कचरा प्रोसेस एक बड़ी समस्या बन गई है। मुंबई में हर दिन लगभग 6500 मीट्रिक टन कचरा पैदा हो रहा है। इन कचरों को गाड़ियों के जरिए इसके लिए देवनार, गोराई, मुलुंड, कांजुर मार्ग में डंपिंग ग्राउंड बनाए गए। गोराई की क्षमता समाप्त होने के कारण इस डंपिंग ग्राउंड को बंद कर दिया गया। भले ही देवनार की क्षमता लगभग समाप्त हो गई है फिर भी यहां कचरे से बिजली उत्पादन जैसे समाधानों की योजना बनाकर क्षमता बढ़ाने के प्रयास किया जा रहा है।

राशन दुकानदारों का कमीशन बढ़ा

150 रुपए से बढ़कर 170 रुपए प्रति क्विंटल

महानगर संवाददाता

मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने राज्य के गांवों से लेकर शहरों तक तकरीबन 7 करोड़ लाभार्थियों को अनाज वितरित करने वाले राशन दुकानदारों का कमीशन प्रति क्विंटल 20 रुपए अर्थात 150 से बढ़ाकर 170 रुपए प्रति क्विंटल करने का निर्णय लिया है। मंगलवार को मंत्रालय में उपमुख्यमंत्री और खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री अजित पवार की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। इसके अलावा राशन की दुकानों पर केंद्र से अनुमोदित और नाफेड के माध्यम से उपलब्ध 10 आवश्यक वस्तुओं की बिक्री करने की अनुमति दी गई।

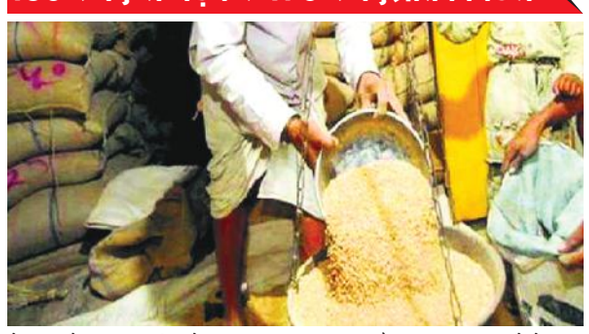

अजित पवार की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में लिए गए निर्णय से राशन दुकानदारों की लंबे समय से लंबित मांग पूरी हो गई है। इस पर दुकानदार संगठनों ने खुशी जाहिर की है। राज्य में 7 करोड़ लाभार्थियों को राशन की दुकानों के माध्यम से सस्ता खाद्यान्न वितरित किया जाता है। केन्द्र सरकार के अधीन भारतीय खाद्य निगम के गोदामों से राज्य के शहरों, गांवों और देहातों में स्थित राशन की दुकानों तक खाद्यान्न पहुंचाने की प्रभावी व्यवस्था लागू है। राज्य का नागरिक आपूर्ति विभाग इस प्रणाली को अधिक तेज, अधिक कुशल, पारदर्शी और विश्वसनीय बनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहा है। इसके लिए बैठक में स्मार्ट राशन कार्ड, इलेक्ट्रॉनिक तौल तराजू, जीपीएस ट्रैकिंग और लाइव मॉनिटरिंग जैसी तकनीकों का उपयोग करके महाराष्ट्र के लिए उपयोगी खरीद, वितरण, नियंत्रण और रखरखाव प्रणाली स्थापित करने का निर्णय लिया गया।

छोटा राजन गैंग के दो शूटर्स को झटका

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने मंगलवार को अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा राजन गैंग के दो सदस्यों की ओर दायर अपील को खारिज कर दिया, जिन्होंने 2010 में जेजे अस्पताल के पास गोलीबारी कर दो लोगों की हत्या कर दी थी। राजन गैंग के सदस्यों ने भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम के एक करीबी सहयोगी को मारने की कोशिश में कांग्रेस नेता भाई जगताप के प्राइवेट सेक्रेटरी सहित दो अन्य लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। फायरिंग की वारदात 13 फरवरी 2010 को हुई थी। उस जगह पर चार लोग आए थे, जहां दाऊद का सहयोगी आसिफ खान जेजे रोड पुलिस स्टेशन की सीमा में पड़ने वाली फूल गली में बैठा था। चारों लोगों ने आसिफ खान पर गोलियां चलाईं, जो वहां से भागने में सफल रहा। हालांकि,जगताप के प्राइवेट सेक्रेटरी शकील मोदक और उनके दोस्त आसिफ कुरैशी, जो खान से मिलने गए थे, फायरिंग में गंभीर रूप से घायल हो गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

अध्यक्ष को हटाने का अधिकार सदस्यों को

कैबिनेट बैठक में अधिनियम में संशोधन को मंजूरी

महानगर संवाददाता

मुंबई

नगर परिषद, नगर पंचायत और औद्योगिक नगरों के अध्यक्षों को हटाने का अधिकार अब सदस्यों को मिलेगा। महाराष्ट्र सरकार इसके लिए अधिनियम में संशोधन करेगी। मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में यह निर्णय लिया गया। निर्णय के अनुसार राज्य की नगर परिषद, नगर पंचायत, औद्योगिक नगरों के अध्यक्षों को उनके पद से हटाने का अधिकार सदस्यों को दिया गया है। इसके लिए कैबिनेट बैठक में महाराष्ट्र नगर परिषद, नगर पंचायत और औद्योगिक नगरी अधिनियम, 1965 में संशोधन को मंजूरी दी गई। इसके पहले नगराध्यक्ष को पद से हटाने की प्रक्रिया में निर्वाचित सदस्यों में से 50 फीसदी सदस्यों के हस्ताक्षर वाला प्रस्ताव जिला कलेक्टर को भेजा जाता था। इसके बाद शासन स्तर पर कार्यवाही कर अध्यक्ष को पद से हटाने की कार्रवाई की जाती थी। इसके बजाय अब निर्वाचित सदस्यों को अध्यक्ष को हटाने का अधिकार दिया जाएगा। इस अनुसार निर्वाचित सदस्यों के दो-तिहाई हस्ताक्षरों के साथ एक प्रस्ताव भेजा जाएगा।

कैबिनेट के अन्य निर्णय

1: राज्य में महानगरपालिका की अचल संपत्ति तथा नगर परिषद, नगर पंचायत और औद्योगिक नगरों में सम्पत्तियों को किराए पर देने के नियमों में एकरूपता लाई आएगी। कैबिनेट बैठक में नई दरों के संबंध में अधिसूचना जारी करने को मंजूरी दी गई।

2: राज्य में नगर परिषद, नगरपंचायत और औद्योगिक नगर क्षेत्र में बकाया प्रापर्टी टैक्स की वसूली के लिए जुर्माना माफ कर वसूली बढ़ाने वाली अभय योजना को लागू करने को मंजूरी प्रदान की गई।

3: चिखलोली-अंबरनाथ में जूनियर लेवल मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सिविल कोर्ट को मंजूरी।

4: लातूर के पुरणमल लाहोटी सरकारी तकनीकी कॉलेज मे इस साल से तीन नए इंजीनियरिंग डिग्री पाठ्यक्रम शुरू करने को मंजूरी।

5: भूमि अधिग्रहण का मुआवजा विलंब से देने पर अब उस राशि पर एक समान दर से ब्याज का भुगतान किया जाएगा। यह ब्याज बैंकों के ब्याज दर से एक प्रतिशत अधिक होगा। इस बारे में विधेयक पेश करने की मंजूरी कैबिनेट बैठक में दी गई।

औद्योगिक क्षेत्र के कारखानों से होने वाले प्रदूषण पर सरकार सख्त

- कारखानों के प्रदूषण की जाए जांच
- श्रम मंत्री आकाश फुंडकर का अधिकारियों को निर्देश

महानगर संवाददाता

मुंबई

राज्य के श्रम मंत्री आकाश फुंडकर ने कहा कि महाराष्ट्र औद्योगिक विकास महामंडल और महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण मंडल को संयुक्त रूप से औद्योगिक क्षेत्र में अभियान चलाना चाहिए और कारखाने द्वारा फैलाए जा रहे प्रदूषण के नमूने लेकर उसकी जांच कर आवश्यक कार्रवाई करनी चाहिए। इस अभियान में संबंधित ग्राम पंचायतों के प्रतिनिधियों को भी शामिल किया जाना चाहिए। बजट सत्र में प्रदूषण के सम्बन्ध में विधायक द्वारा उठाए गए प्रश्न को लेकर मंगलवार को श्रम और पर्यावरण विभाग की संयुक्त बैठक आयोजित की गई थी,जिसमें उपस्थित सम्बंधित अधिकारी को मंत्री फुंडकर ने निर्देश दिया। आकाश फुंडकर ने कहा कि संभावित दुर्घटनाओं को रोकने के लिए विशेष उपाय आवश्यक हैं,क्योंकि अधिकांश रासायनिक उद्योग कुरकुंभ क्षेत्र में संचालित होते हैं। उन्होंने अधिकारियों को एक अलग टीम गठित कर औद्योगिक क्षेत्र का गहन निरीक्षण कर तत्काल कदम उठाने के आदेश दिए। इस समय विधायक राहुल कुल ने एमआईडीसी क्षेत्र में सीईटीपी (कॉमन एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट) के संबंध में मुद्दा उठाया। उन्होंने बताया कि प्रदूषित जल का उत्पादन करने वाले उद्योग वही हैं जो सीईटीपी संचालित करते हैं, जो प्रदूषण को प्रभावी रूप से नियंत्रित नहीं करते हैं। मंत्री फुंडकर ने अधिकारियों संयुक्त रूप से इस संबंध में नीति की समीक्षा करने और आवश्यक उपायों को तत्काल लागू करने का निर्देश दिया। इस दौरान उद्योग विभाग के साथ समन्वय कर महाराष्ट्र अग्नि निवारण एवं जीवन सुरक्षा उपाय अधिनियम, 2006 के तहत अग्नि लेखा परीक्षा से संबंधित नियमों को तत्काल लागू करने के निर्देश दिया।

राज्य की 20 आईटीआई में बनेंगी अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं

महानगर संवाददाता

मुंबई

राज्य की महायुति सरकार रोजगार को बढ़ावा देने के लिए 20 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं स्थापित करने की घोषणा की है। इस पहल का उद्देश्य तकनीकी शिक्षा को आधुनिक बनाना, रोजगार के अवसर बढ़ाना और दिव्यांग छात्रों को सशक्त बनाना है। मंगलवार को कौशल, रोजगार, उद्यमिता और नवाचार विभाग ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की उपस्थिति में तीन प्रमुख सामाजिक संस्थाओं के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

ये एमओयू ग्रामीण विकास ट्रस्ट (बेंगलुरु), श्नाइडर इलेक्ट्रिक इंडिया फाउंडेशन (बेंगलुरु), दे आसरा फाउंडेशन (पुणे) और प्रोजेक्ट मुंबई (अंधेरी) के साथ किए गए। इन समझौतों के माध्यम से युवाओं को आधुनिक औद्योगिक प्रशिक्षण मिलेगा, सूक्ष्म व लघु उद्यमियों को मार्गदर्शन दिया जाएगा और दिव्यांग छात्रों के लिए समावेशी कौशल कार्यक्रम शुरू किए जाएंगे।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजित पवार, कौशल विकास मंत्री मंगल प्रभात लोढा, मुख्य सचिव सुजाता सौनिक और अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। एमओयू समारोह मंत्रालय में राज्य मंत्रिमंडल की बैठक के बाद आयोजित किया गया।

मुख्य विशेषताएं

त्रिपक्षीय समझौता: श्री श्री ट्रस्ट, श्नाइडर इलेक्ट्रिक और व्यावसायिक प्रशिक्षण संचालनालय के बीच समझौता, जिसके तहत युवाओं को आधुनिक औद्योगिक प्रशिक्षण दिया जाएगा।

प्रयोगशाला उन्नयन: अगले तीन वर्षों में 20 आईटीआई की विद्युत कार्यशालाएं उन्नत की जाएगी और सोलर तकनीशियन व इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन लैब स्थापित होंगी।

निःशुल्क प्रशिक्षण: राज्य के विद्युत शिल्प प्रशिक्षुओं को बेंगलुरु में 15 दिवसीय आधुनिक तकनीकी और सॉफ्ट स्किल्स का प्रशिक्षण मिलेगा।

प्रशिक्षण लक्ष्य: अगले चार वर्षों में 9,750 युवाओं को चरणबद्ध तरीके से प्रशिक्षित किया जाएगा। इसमें मुंबई, पुणे, नागपुर, नासिक, अमरावती आदि क्षेत्र शामिल होंगे।

उद्यमिता विकास: महाराष्ट्र इनोवेशन सोसाइटी और दे आसरा फाउंडेशन के बीच समझौते के तहत 5,000 सूक्ष्म और लघु उद्यमियों को प्रशिक्षण और मार्गदर्शन मिलेगा। दिव्यांगजनों के लिए विशेष कार्यक्रमः प्रोजेक्ट मुंबई संस्था के सहयोग से दिव्यांग छात्रों के लिए सांकेतिक भाषा में पाठ्यक्रम, प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण और ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग की व्यवस्था होगी।

पब्लीक नोटीस

अर्जदार - Pratik Saboo
V/s
TSR Consultants Pvt. Ltd.
विषय :- जिल्हा ग्राहक आयोग, नागपूर येथे प्रलंबीत असलेले
मुळ तक्रार क्र. CC/287/2024

प्रति,
गमो ट्रस्ट / गमो इमरजिंग मार्केटस फंड,
सिटी बँक एन.ओ. (ताबा सर्व्हीसेस) रमारोड हाउस 77,
डॉ. अॅनी बेसंन्ट रोड, वरळी, मुंबई - ४०००१८

ज्या अर्थी अर्जदार यांनी तुमच्या विरुध्द **मुळ तक्रार क्र. CC/287/2024** दाखल केलेली आहे. तुम्हाला या जाहीर सुचनेद्वारे सुचित करण्यात येते की, तुम्ही वरील अर्जाचे उत्तर देण्याकरीता दिनांक **08/05/2025** रोजी सकाळी ठिक 10-30 वाजता स्वतः जिल्हा ग्राहक तक्रार निवारण आयोग, नागपूर येथे उपस्थीत रहावे. तुम्हाला नोटीस देण्यात येत आहे की, वर नमुद केलेल्या दिवशी जर तुम्ही उपस्थीत राहण्यास कसूर केल्यास तुमच्या अनुपस्थीत तुमच्या विरुध्द एकतर्फी कार्यवाही करुन निर्णय पारीत केला जाईल. आपणास असेही नोटीस देण्यात येते की, नोटीससाठी पेशी तारखेला आपण आपला रजिस्टर्ड नोंदणी पत्ता आयोगासमक्ष दाखल करावा.

करीता सदर नोटीस आज दिनांक 28/03/2025 रोजी माझ्या हस्ते व आयोगाच्या शिक्क्याने देण्यात येत आहे.

प्रबंधक,
जिल्हा ग्राहक तक्रार निवारण आयोग,
नागपूर.

महाविकास आघाड़ी को झटका

यूबीटी और शरद पवार की पार्टी के पूर्व विधायक अपने हजारों कार्यकर्ताओं के साथ भाजपा में शामिल

महानगर संवाददाता

मुंबई

विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद महाविकास आघाड़ी में शामिल राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद गुट) शिवसेना यूबीटी और कांग्रेस पार्टी को एक के बाद एक झटका लग रहा है। चुनाव में हार के के बाद नेताओं और पदाधिकारियों का पार्टी छोड़कर जाने का सिलसिला जारी है। इसी के तहत मंगलवार को शरद पवार की पार्टी के दो पूर्व विधायक अपने हजारों कार्यकर्ताओं के साथ भाजपा में शामिल हुए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने दोनों नेताओं का पार्टी में गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। शरद पवार का साथ छोड़कर

भाजपा में शामिल होने वाले यूबीटी के कोल्हापुर से पूर्व विधायक संजय घाटगे,शरद पवार की पार्टी के शहापुर से पूर्व विधायक पांडुरंग बरोरा और मालेगांव के कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बलिराम हिरे और श्रीरामपुर के पूर्व नगराध्यक्ष संजय फंड ने कांग्रेस को राम -राम कहकर भाजपा में शामिल हुए। इस मौके पर भाजपा में शामिल होने वाले नेताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत' और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के 'विकसित महाराष्ट्र' का समर्थन करने के लिए भाजपा में शामिल हुआ हूं। प्रदेश अध्यक्ष बावनकुले ने विश्वास जताया कि भाजपा में शामिल हो रहे नए सदस्यों के कारण भाजपा सदस्यों की संख्या में 50 लाख की और वृद्धि होगी।

उद्धव के नेताओं का पानी को लेकर वार्ड पर हंडा मोर्चा

मुंबई। तपती गर्मी की अभी शुरुआत ही हो रही है,इस बीच मुंबई के कई इलाकों में अभी से पानी की समस्या पैदा होने लगी है। पानी की समस्या का सामना कर रहे मुंबईकरों के लिए उद्धव गुट के विधायक और कार्यकर्ताओं ने हंडा मोर्चा निकाला। उद्धव गुट के माहिम से विधायक महेश सावंत के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने दादर स्थित मनपा के जी नार्थ कार्यालय के बाहर मोर्चा निकाला। मोर्चे में बड़ी संख्या में महिलाएं भी शामिल हुई। पानी की बढ़ती समस्या को लेकर मोर्चे में शामिल हुई महिलाओ ने मनपा और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। महिलाओ का कहना था कि मार्च -अप्रैल के महीने

में कभी भी इतना पानी का संकट मुंबईकरों ने नहीं झेला है। उद्धव गुट के कार्यकर्ताओं के आक्रामक रुख को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। पुलिस ने कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में भी लिया। बता दें कि उद्धव गुट के विधायक आदित्य ठाकरे ने चेतावनी दी थी कि यदि मुंबईकरों को पानी की किल्लत का इसी तरह सामना करना पड़ा तो उनके कार्यकर्ता वार्ड ऑफिस के सामने मोर्चा निकालेंगे।

"नो कचरा जोन" बना कचरा अड्डा

भिवंडी। भिवंडी निज़ामपुर शहर महानगर पालिका द्वारा स्वच्छता अभियान के तहत शहर के कल्याण नाका से भिवंडी एस.टी. डिपो तक के मार्ग को "नो कचरा जोन" घोषित करने की प्रक्रिया युद्धस्तर पर जारी है। पालिका प्रशासन ने सड़क किनारे खंभों पर "नो कचरा जोन" की चेतावनियां का फलक लगाकर नागरिकों को जागरूक करने का प्रयास किया है, लेकिन जमीनी हकीकत इस अभियान की पोल खोल रही है। इंदिरा गांधी उप-जिला अस्पताल के मुख्य मार्ग पर पालिका की चार जर्जर घंटा गाड़ियां क्रमांक MH 04 KF 4201, 4212, 4213, 4209 वर्षों से खड़ी हैं।

ठाणे महानगरपालिका, ठाणे

पाणी पुरवठा विभाग
निविदा सुचना

ठाणे महानगरपालिके तर्फे सन २०२५-२६ मध्ये वागळे प्रभाग समिती अंतर्गत वितरण व्यवस्थेमधील जलवाहिन्यांची दैनंदिन देखभाल दुरुस्ती करणे या कामाबाबत ऑनलाईन निविदा मागविण्यात येत आहेत. कोरे निविदा प्रपत्र महानगरपालिकेच्या अधिकृत संकेतस्थळ http://mahatenders.gov.in येथे दि. १६.०४.२०२५ ते दि. २३.०४.२०२५ पर्यंत उपलब्ध आहेत. ऑनलाईन निविदा महापालिकेचे संकेतस्थळ येथे दि. २३.०४.२०२५ रोजी सायंकाळी ४.०० वाजेपर्यंत स्विकारण्यात येतील. व सदरची निविदा दि. २३.०४.२०२५ रोजी सायंकाळी ५.०० वाजता उघडण्यात येतील. निविदा सुचना व निविदा प्रपत्र ठाणे महानगरपालिकेचे अधिकृत संकेतस्थळ येथे उपलब्ध आहे. निविदा प्रपत्राची माहिती कार्यकारी अभियंता यांच्या कार्यालयात उपलब्ध आहे.

ठामपा/पिआरओ/पिडब्ल्यूडी-मु/६२/२०२५-२६ सही/-
दि:१५.०४.२०२५ उपनगर अभियंता
plsvisitourofficialweb-site ठाणे महानगरपालिका, ठाणे
www.thanecity.gov.in

मई आखिरी तक मुंबई की 400 किमी और सड़कें हो जाएंगी सीमेंट कंक्रीट

- **उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने सड़क के कामों का लिया जायजा**

मुंबई। गड्ढामुक्त सड़क उपलब्ध कराने के लिए मनपा प्रशासन मुंबई की लगभग 717 किमी सड़क को सीमेंट कंक्रीट कर रही है। मुंबई की कुल 2050 सड़कों में पहले ही 1333 किमी सड़क को सीमेंट कंक्रीट किया जा चुका है। मंगलवार को राज्य के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे मुंबई में चल रहे सीमेंट कंक्रीट कामों का जायजा लिया। शिंदे ने कहा जिन ठेकेदारों ने सड़क निर्माण कार्यों में लापरवाही दिखाई है,उनके खिलाफ मनपा ने कार्रवाई करते हुए 3.5 करोड़ रुपए का जुर्माना भी वसूला है। उन्होंने जानकारी दी कि मनपा प्रशासन ने मई आखिरी तक चल रहे कामो में 400 किमी सड़को को सीमेंट कंक्रीट कर लेने की जानकारी दी है,उन्होंने यह भी जानकारी दी की आगे भी यदि किसी ठेकेदार द्वारा लापरवाही पाई गई तो संबंधित ठेकेदारों और अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उपमुख्यमंत्री ने बॉम्बे अस्पताल के सामने की सड़क का चल रहे सीमेंट कंक्रीट के काम का जायजा लिया उसके बाद कालबादेवी के पास हनुमान मंदिर के पास की सड़क और दादर पारसी कॉलोनी सहित बीकेसी जैसे क्षेत्रों में सड़क कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्होंने मुंबई को गड्ढामुक्त करने के उद्देश्य से 717 किमी लंबी सीमेंट-कॉन्क्रीट सड़कों का निर्माण कार्य शुरू किया था जिसमें से 400 किमी का कार्य चालू है और इसे 31 मई तक पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं।

6 माह के मासूम की मदद के लिए पूर्व विधायक क्षितिज ठाकुर मैदान में उतरे

वसई। वसई में एक 6 माह का रिधय जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहा है। उसे स्पाइनल मस्कुलर एट्रोफी नामक बीमार है। इलाज के दौरान परिजनों की इसकी जानकारी हुई,उसके बाद से ही पूरा परिवार सदमे में है, क्योंकि इस बीमारी के इलाज के लिए जिस इंजेक्शन को देने की जरूरत है, उसकी कीमत साढ़े 9 करोड़ है। परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है,लिहाजा बच्चे के मां-बाप वसईकर और सरकार मदद की आस लगाए बैठे हैं। साथ ही मासूम की सलामती के लिए परिजन वसईकर हर सेकंड मायने रखता है। हर रुपया मायने रखता है। हर शेयर मदद करना एक मायने रखता है। आप रिधय को जीवित रहने में मदद कर सकते हैं , गुहार लगा रहें हैं ,लोग मदर के लिए खुल कर आग़े आ रहें हैं , मंगलवार को वसई स्टेशन पर लोगो से रिधय के लिए सब का सहोग मांग रहें हैं ,इस इस मुहिम में पूर्व विधायक क्षितिज ठाकुर भी शामिल हुए उन्होंने इस विषय पर राज्य के मुख्यमंत्री से मुलाक़ात की और रिधय के लिये हर संभव के लिए सहयोग का आश्वास भी दिया वसईकर के लोगों ने भी खुल कर रिधय के जल्द ठीक होने की कामना किए।

पनवेल महानगरपालिका

ता. पनवेल, जि. रायगड, पिन नं. ४१० २०६

Email: panvelcorporation@gmail.com दूरध्वनी क्र. ०२२-२७४५८०४०/४१/४२

जा.क्र.पमपा/पापुवि/९९२५/प्र.क्र. ०२/४०८/२५ दि. १५/०४/२०२५

निविदा सुचना

अ.क्र.	निविदा क्र.	कामाचे नाव	अंदाजपत्रकीय रक्कम
१)	PMC/WS/65/2024-25	पनवेल महानगरपालिका क्षेत्रातील कामोठे मलनिःसारण केंद्रातर्गत १५ दलालि क्षमतेचे पाणी पुर्नवापर प्रक्रिया केंद्र (TTP) उभारणे. (तिसरी बोली)	₹ ७३,६१,७७,०२८/-

वरील ई निविदेबाबतची माहिती शासनाच्या 'http://mahatenders.gov.in या संकेत स्थळावर दि. १६/०४/२०२५ रोजी प्रसिध्द करण्यात येईल. संबंधित निविदाकारांनी याची नोंद घ्यावी.

सही/-
(कैलास गावडे)
उपायुक्त (अमृत)
पनवेल महानगरपालिका

मुंबई झोपड़पट्टी सुधार मंडल

(महाराष्ट्र गृह निर्माण एवं क्षेत्र विकास प्राधिकरण की एक क्षेत्रीय इकाई)
टेली. नं. - 022-66405432, ई-मेल : eewest.msib@mhada.gov.in

संदर्भ सं. ईई/पश्चिम/एमएसआईबी/ई-निविदा/29/2025-26

ई-निविदा सूचना क्र. 29

कार्यकारी अभियंता (पश्चिम) डिवीजन, मुंबई झोपडपट्टी सुधार मंडल, (म्हाडा की इकाई), कमरा नं. 537, 4थी मंजिल, गृह निर्माण भवन, बांद्रा (पूर्व), मुंबई – 400 051 फोन नंबर (022) 66405432 द्वारा म्हाडा एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग, मुंबई के साथ पंजीकृत बेरोजगार अभियंताओं से ऑनलाइन ई-निविदा प्रणाली के जरिये बी1 प्रपत्र (आइटम दर) में 1 कार्य के लिये ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं. निविदा दस्तावेज महाराष्ट्र सरकार के पोर्टल https://mahatenders.gov.in पर उपलब्ध हैं और यहां से डाउनलोड किये जा सकते हैं. बोली दस्तावेज वेबसाइट पर लोड किये जा सकते हैं. निविदा अनुसूची निम्नानुसार है.

अ. क्र.	चरण विवरण	समयावधि की तिथि	अ. क्र.	चरण विवरण	समयावधि की तिथि
1	दस्तावेज बिक्री का प्रारंभ	21.04.2025 को सुबह 10.30 बजे	2	दस्तावेज बिक्री का समापन	28.04.2025 को दोप. 3.00 बजे
3	तकनीकी बोली का खुलना	29.04.2025 को दोप. 3.05 बजे से	4	मूल्य बोली का खुलना	30.04.2025 को सुबह 10.30 बजे से

सक्षम प्राधिकारी के पास बिना कोई कारण दर्शाये किसी भी अथवा सभी निविदाओं को निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है. शर्तयुक्त प्रस्तावों को स्वीकार नहीं किया जायेगा.

टिप्पणी 1. कृपया वेबसाइट पर विस्तृत निविदा सूचना का अवलोकन करें.
टिप्पणी 2. कोई भी शुद्धिपत्र/परिशिष्ट, यदि है तो उसे केवल वेबसाइट पर ही प्रकाशित किया जायेगा.

Follow us: @mhadaofficial

सीपीआरओ/ए/299

हस्ता./-
कार्यकारी अभियंता (प),
एमएसआईबी बोर्ड, मुंबई

म्हाडा - गृहनिर्माण क्षेत्रातील देशातील अग्रगण्य संस्था

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

(जल अभियंता का विभाग)

ई-निविदा सूचना

निविदा दस्तावेज क्र.	2025_एमसीजीएम_1169202_1
संगठन का नाम	बृहन्मुंबई महानगरपालिका
विषय	ई.ई. (अनु.) एम. डब्ल्यू. तथा ई.ई. डब्ल्यू. डब्ल्यू. (निर्माण) डब्ल्यूएस अंतर्गत पश्चिमी उपनगर डिवीजन्स में वॉटर मेन्स के नियमित मरम्मत और अनुरक्षण हेतु 99.99% शुद्ध लेड पिग्स की आपूर्ति.
निविदा शुल्क	₹ 4,283.00 (₹ 3,630/- + 18% जीएसटी अथवा लागू अनुसार जीएसटी)
ई-निविदा का शुल्क (अनुमानित लागत)	आइटम दर निविदा
बोली सुरक्षा जमाराशि/ईएमडी	₹ 62,000/- **बोलीकर्ता को यूआरएल http://mahatender.gov.in पर जीओएम के पेमेंट गेटवे के जरिए ईएमडी की समस्त राशि का भुगतान करना होगा.** बोलीकर्ता लिफाफा ए में बोली जमा के साथ-साथ ऑनलाइन अदा की गई ईएमडी की स्कैन्ड प्रति अपलोड करें. स्वीकारयोग्य बोली सुरक्षा राशि के बगैर प्राप्त किसी भी बोली को नियोक्ता द्वारा अप्रतिसादयोग्य मानकर निरस्त कर दिया जाएगा.
निविदा जारी करने तथा बिक्री की तिथि	15.04.2025 को 11.00 बजे से
बोली सुरक्षा जमाराशि की स्वीकृति तथा निविदा की बिक्री की अंतिम तिथि एवं समय	29.04.2025 को 16.00 बजे तक
लिफाफा ए, बी और लिफाफा सी जमा करना (ऑनलाइन)	29.04.2025 को 16.00 बजे तक
पूर्व-बोली बैठक	लागू नहीं
लिफाफा ए का खुलना	02.05.2025 को 16.01 बजे से
लिफाफा बी का खुलना	02.05.2025 को 16.05 बजे से
लिफाफा सी का खुलना	09.05.2025 को 15.00 बजे से
वेबसाइट	http://portal.mcgm.gov.in, https://mahatenders.gov.in
पत्राचार हेतु पता	सहायक अभियंता (मेंटे.) वॉटर वर्क्स डब्ल्यूएस एस, कैप्टन विनायक गोरे फ्लाईओवर के नीचे, दादाभाई पाथ, विलेपार्ले (पश्चिम), मुंबई – 400 056.
बोली खुलने का स्थान	सहायक अभियंता (अनु.) वॉटर वर्क डब्ल्यूएस दक्षिण के कार्यालय में ऑनलाइन.

उक्त निविदा दस्तावेज अहस्तांतरणीय हैं. बीएमसी के पास बिना कोई कारण दर्शाए उपरोक्त विषय हेतु प्राप्त किसी भी अथवा सभी आवेदन को निरस्त करने अथवा किसी भी आवेदन को स्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित है.

हस्ता./-
उप जल अभियंता (अनु.)

पीआरओ/120/विज्ञा./2025-26

हल्का सा भी आये बुखार तो तुरंत डॉक्टर से कराये उपचार

हीट वेव का प्रकोप

भारत में इस समय गर्मी एवं हीट वेव का प्रकोप बढ़ता जा रहा है,खासकर उत्तर भारत के अनेक राज्यों विशेषतः गुजरात, राजस्थान, दिल्ली, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र और ओडिशा में अप्रैल के प्रारंभ में ही बढ़ती गर्मी एवं हीट वेव लोगों को अपनी चपेट में लेने लगी, कई शहरों में पारा 44-45 डिग्री तक चढ़ गया है। राजस्थान के बाडमेर में तापमान 46 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है,जो चिन्ताजनक होने के साथ अनेक समस्याओं एवं परेशानियों का सबब है। लगातार बढ़ती गर्मी के आंकड़े एक बार फिर जलवायु परिवर्तन के परिणामों और इसकी वजह से खड़े हुए संकट को ही दर्शा रहे हैं। अधिक तापमान पानी की गंभीर कमी का कारण बन सकता है,कृषि को प्रभावित कर सकता है और विशेष रूप से घनी आबादी वाले क्षेत्रों में महत्वपूर्ण स्वास्थ्य जोखिम का कारण बन सकता है। भीषण गर्मी एवं लू का प्रकोप लोगों की सेहत, कार्य-क्षमता और उत्पादकता पर गंभीर खतरा है। विश्व बैंक के एक अध्ययन के मुताबिक, देश का करीब 75 फीसदी कार्यबल कृषि और निर्माण क्षेत्र में गर्मी का सीधे सामना करने वाले श्रम पर निर्भर करता है। इसके मुताबिक साल 2030 तक गर्मी के प्रकोप से जुड़ी उत्पादकता में गिरावट की वजह से दुनिया भर में कुल होने वाली नौकरियों के नुकसान में अकेले भारत का योगदान करीब 43 फीसदी तक हो सकता है।

इस बार बढ़ती गर्मी के पूराने सारे रेकॉर्ड तोड़ देने की चेतावनी दी जा रही हैं जो हमारे लिए चौंकाने से ज्यादा गंभीर चिंता की बात है। गुजरात एवं राजस्थन के अनेक स्थानों पर अभी से गर्मी इतनी तेज है कि कुछ ही दिनों में धरती तवे की तरह तपने लगेगी। पानी की कमी, बिजली कटौती और गर्म लू के कारण बीमारी के हालात गंभीर हो सकते हैं। इतनी तेज गर्मी में पेयजल की उपलब्धता, बिजली की आपूर्ति व ट्रिपिंग की समस्या से निजात पाना मुश्किल होगा। सवाल यह है कि इस भीषण लू या यों कहें कि हीटवेव के लिए बहुत कुछ हम, हमारी सुविधावादी जीवनशैली और हमारा विकास का नजरिया भी जिम्मेदार है। आज शहरीकरण और विकास के नाम पर प्रकृति को विकृत करने में हमने कोई कमी नहीं छोड़ी है। पेड़ों की खासतौर से छायादार पेड़ों की अंधाधुंध कटाई एवं गांवों में हो या शहरों में आंख मींचकर कंक्रिट के जंगल खड़े करने की होड़ के दुष्परिणाम से ही गर्मी कहर बरपाती है और प्रकृति एवं पर्यावरण की विकरालता के रूप में सामने आती हैं। जल संग्रहण के परंपरागत स्रोतों को नष्ट करने में भी हमने कोई गुरेज नहीं किया। अब विकास एवं सुविधाओं और प्रकृति के बीच सामंजस्य की और ध्यान देना होगा, अन्यथा आने वाले साल और अधिक चुनौती भरे होंगे। कंक्रिट के जंगलों से लेकर हमारे दैनिक उपयोग के अधिकांश साधन एवं विकास की भ्रामक सोच तापमान को बढ़ाने वाले ही हैं।

विडंबना यह है कि ग्लोबल वार्मिंग की दस्तक देने के बावजूद विकसित व संपन्न देश पर्यावरण संतुलन के प्रयास करने तथा आर्थिक सहयोग देने से बच रहे हैं। ऐसा नहीं है कि मौसम की मार से कोई विकसित व संपन्न देश बचा हो, लेकिन प्राकृतिक संसाधनों के क्रूर दोहन से औद्योगिक लक्ष्य पूरे करने वाले ये देश अब विकासशील देशों को नसीहत दे रहे हैं। निश्चित रूप से बढ़ता तापमान उन लोगों के लिये बेहद कष्टकारी है, जो पहले ही जीवनशैली से जुड़े रोगों एवं समस्याओं से जूझ रहे हैं। जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता असाध्य रोगों की वजह से चूक रही है। ऐसा ही संकट वृद्धों के लिये भी है, जो बेहतर चिकित्सा सुविधाओं व सामाजिक सुरक्षा के अभाव में जीवनयापन कर रहे हैं। वैसे एक तथ्य यह भी है कि मौसम के चरम पर आने, यानी अब चाहे बाढ़ हो, शीत लहर हो या फिर लू हो, मरने वालों में अधिकांश गरीब व कामगार तबके के लोग ही होते हैं। जिनका जीवन गर्मी में बाहर निकले बिना या काम किये बिना चल नहीं सकता। निष्कर्षतः कह सकते हैं कि उन्हें मौसम और गरीबी दोनों मारती है। आक्सीजन की कमी हो रही है। जलवायु परिवर्तन की वजह से हो रहा तापमान में लगातार असंतुलन सामान्य घटना नहीं है, जिसका दायरा अब वैश्विक हो गया है। भले ही कोई इस विनाशकारी स्थिति को तात्कालिक घटना कहकर खारिज कर दे लेकिन जमीनी सच्चाई यह है की बड़े पैमाने पर ग्लेशियर्स का पिघलना और हीट वेव बहुत बड़े वैश्विक खतरें की आहट है, जिसको अनदेखा नहीं किया जा सकता है। कथित विकास की बेहोशी से दुनियां को जागना पड़ेगा। ग्लोबल वार्मिंग की वजह से 'तीसरा ध्रुव' कहे जानें वाले हिमालय के ग्लेशियर 10 गुना तेजी से पिघल रहे हैं। ब्रिटेन की लीड्स यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं के अनुसार, आज हिमालय से बर्फ के पिघलने की गति 'लिटल आइस एज' के वक्त से औसतन 10 गुना ज्यादा है। लिटल आइस एज का काल 16वीं से 19वीं सदी के बीच का था। इस दौरान बड़े पहाड़ी ग्लेशियर का विस्तार हुआ था। वैज्ञानिकों की मानें, तो हिमालय के ग्लेशियर दूसरे ग्लेशियर के मुकाबले ज्यादा तेजी से पिघल रहे हैं। विशेषज्ञों के एक अनुमान के अनुसार अंटार्कटिका के ग्लेशियर के पूरी तरह से पिघलने पर पृथ्वी की ग्रेविटेशनल पावर शिफ्ट हो जाएगी। इससे पूरी दुनिया में भारी उथल पुथल देखने को मिलेगी। पृथ्वी के सभी महाद्वीप आंशिक रूप से पानी के भीतर समा जाएंगे। भारी मात्रा में जैव-विविधता को हानि पहुंचेगी। पृथ्वी पर रहने वाली हजारों प्रजातियां भी खत्म हो जाएंगी। पृथ्वी पर एक विनाशकारी एवं विकराल स्थिति का उद्भव होगा। इसके साथ ही दुनियां भर में करोड़ों की संख्या में लोगों को एक जगह से दूसरी जगह पर माइग्रेट करना पड़ेगा।

दुनियाभर में कूलिंग सिस्टम्स यानी एयरकंडीशन की मांग कई गुना बढ़ी है। सुविधावादी जीवनशैली एवं तथाकथित आधुनिकता ने पर्यावरण के असंतुलन को बेतहाशा बढ़ाया है। तापमान में भी साल-दर-साल बढ़ोतरी अनेक संकटों की दस्तक है। जहां तापमान ने नए रिकॉर्ड्स बनाने शुरू कर दिए हैं वहीं, भारी बारिश के कारण बाढ़ के हालात बन रहे हैं। ग्लोबल वार्मिंग के कारण मौसम को लेकर अनिश्चितता बढ़ती जा रही है।

कटाक्ष | सुरेश मिश्र

आज मुर्शिदाबाद में हिंदू हैं लाचार
तीस फीसदी बचे हैं, जागो खेवनहार
जागो खेवनहार, अरे पश्चिम बंगाली
नहीं मना पाओगे होली और दिवाली
कह सुरेश जागो वरना तुम पछताओगे
काश्मीर फाइल जल्दी ही दोहराओगे

सच का सामना करने को तैयार नहीं कांग्रेस

> दो दिनों के अधिवेशन में अनेक भाषण हुए और प्रस्ताव पास हुए, लेकिन पूरी बैठक में पार्टी भ्रम में जीती दिखी। पार्टी अध्यक्ष ने कहा कि जो सक्रिय नहीं रह सकता वह पार्टी छोड़ दे। इस अधिवेशन में न तो इस पर ठीक से चर्चा हुई कि आखिर ऐसा क्यों होता है कि जिन बड़े राज्यों तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार,गुजरात इत्यादि से कांग्रेस एक बार पराजित हुई तो वहां सालों-साल उसकी वापसी नहीं हो पाई।

लगातार सिमटती जा रही कांग्रेस अभी भी सच का सामना करने को तैयार नहीं है। पिछले दिनों गुजरात में अहमदाबाद के साबरमती तट पर अपने दो दिवसीय अधिवेशन में कांग्रेस खोई जमीन पाने का सही रास्ता नहीं ढूंढ़ पाई। सालों बाद नेहरू-गांधी परिवार से बाहर के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस अध्यक्ष बने हैं। उनका कहना था कि कांग्रेस कार्यकर्ता लोकतंत्र के लिए आजादी की दूसरी लड़ाई में पूरी ताकत से जुटें। उन्होंने ईवीएम को धोखाधड़ी बताते हुए फिर से बैलेट पेपर से चुनाव कराए जाने की मांग की। चुनाव हारने के बाद हर बार कांग्रेस और विपक्ष के नेता ईवीएम पर सवाल उठाते आए हैं। वे शायद भूल गए हैं कि लोकतंत्र को कुचलने के लिए आजादी के बाद एक ही बार आपातकाल लगा, वह भी कांग्रेस की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के शासन में। इसी तरह वक्फ संशोधन विधेयक पर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सरकार पर कथित रूप से राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आएसएस) के नियंत्रण के खिलाफ आंदोलन चलाने की बात कही। वे यह अफसोस जता रहे थे कि कांग्रेस ब्राह्मण, दलित और मुस्लिम वोट को साथ रखने के प्रयास में अन्य पिछड़ी जातियों (ओबीसी) से दूरी बना ली और जातिगत गनगणना करवाने के लिए आंदोलन तेज करने के दावे किए।

दो दिनों के अधिवेशन में अनेक भाषण हुए और प्रस्ताव पास हुए, लेकिन पूरी बैठक में पार्टी भ्रम में जीती दिखी। पार्टी अध्यक्ष ने कहा कि जो सक्रिय नहीं रह सकता वह पार्टी छोड़ दे। इस अधिवेशन में न तो इस पर ठीक से चर्चा हुई कि आखिर ऐसा क्यों होता है कि जिन बड़े राज्यों तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार,गुजरात इत्यादि से कांग्रेस एक बार पराजित हुई तो वहां सालों-साल उसकी वापसी नहीं हो पाई। राष्ट्रीय स्तर पर भी वह लगातार तीन बार से सत्ता से बाहर है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जितनी आलोचना वे करते हैं, पार्टी की राजनीतिक जमीन उतनी ही खिसकती जा रही है। कांग्रेस को आजादी के 77 साल बाद देश के पहले उप प्रधानमंत्री, लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की याद आई। बावजूद इसके जिस राज्य में कांग्रेस का अधिवेशन हुआ, उसी राज्य के केवड़िया में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर बनी दुनिया की सबसे ऊंची सरदार पटेल की प्रतिमा को नमन करने कोई कांग्रेस नेता आज तक नहीं गया। अंग्रेजों ने 1947 में देश को आजाद करने के साथ-साथ पांच सौ से अधिक रियासतों को भारत या पाकिस्तान में विलय करने की स्वतंत्रता देकर नई मुसीबत खड़ी कर दी थी। सरदार पटेल के प्रयास से उन रियासतों का भारत में विलय हुआ। सरदार पटेल आजादी के बाद कम समय जीवित रह पाए लेकिन उनकी कीर्ति का देश हजारों साल कर्जदार रहेगा। महात्मा गांधी से सलाह करके ही सरदार पटेल ने ऐतिहासिक सोमनाथ मंदिर का पुनर्निर्माण कराया। इस मंदिर के प्रण-प्रतिष्ठा समारोह में देश के पहले राष्ट्रपति डॉक्टर राजेन्द्र प्रसाद शामिल हुए। इसकी चर्चा करने से कांग्रेस के नेता बचते हैं। यह सर्वविदित है कि अयोध्या में भगवान राम की जन्मभूमि पर मंदिर बनाने का निर्णायक आंदोलन आरएसएस के संरक्षण में विश्व हिंदू परिषद आदि ने चलाया और अदालत के फैसले के बाद भव्य मंदिर का निर्माण लगभग अंतिम चरण में है। 22 जनवरी, 2024 को हुए प्राण-प्रतिष्ठा समारोह में कांग्रेस का कोई बड़ा नेता शामिल नहीं हुआ। जबकि मंदिर का ताला केन्द्र में राजीव गांधी के प्रधानमंत्री रहने के दौरान खुला था। प्राण प्रतिष्ठा समारोह में देश-दुनिया के लोग बड़ी तादाद में आए। इसी तरह प्रयागराज के महाकुंभ में लोगों के आने का नया रिकॉर्ड बना लेकिन कांग्रेस का कोई चर्चित चेहरा उसमें नहीं दिखा।

सबसे अजूबा यह है कि जिस कांग्रेस का पूरा ही नेतृत्व राष्ट्रवादी धारा के खिलाफ हर तरह का आचरण कर रहा है, वह पूरी तरह से राष्ट्रवादी विचार पर चले आजादी के आंदोलन जैसा आंदोलन चलाने की बात कह रही है। यह साबित हो गया है कि वक्फ संशोधन कानून का विरोध केवल पैसे वाले, प्रभावशाली या आम भाषा में कहें तो माफिया कर रहे हैं, उसी को आधार बना कर कांग्रेस आंदोलन चलाना चाहती है। इस समय राहुल गांधी, उनकी बहन प्रियंका गांधी और मां सोनिया गांधी, तीनों संसद के सदस्य हैं। संसद के दोनों सदनों में इस विधेयक पर हुई चर्चा में इनमें से कोई शामिल नहीं हुआ। यह सही है कि कभी कांग्रेस को ब्राह्मण, दलित और अल्पसंख्यकों का सर्वाधिक समर्थन मिलता रहा। कांग्रेस सौ साल से पुरानी पार्टी है और देश और अधिकतर राज्यों में सबसे ज्यादा समय तक कांग्रेस का ही राज रहा। सालों कांग्रेस देश की अकेली पार्टी थी जिसका झंडा, चुनाव चिह्न और नेता गांव-गांव के लिए परिचित था।तब भी देश की आधे से ज्यादा आबादी ओबीसी की ही थी, यह आज भी है। देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू का कार्यकाल इस तरह के जातीय समीकरण से परे माना गया था। इंदिरा गांधी ने कांग्रेस का विभाजन कराया और सत्ता में रहकर बांग्लादेश को आजाद कराया। गरीबी हटाओ नारा भले ज्यादा कारगर न हुआ लेकिन बैंकों का राष्ट्रीयकरण, प्रीवी पर्स की समाप्ति बड़े मुद्दे बने। यह अजब संयोग है कि जिस पार्टी में यह नारा लगता था- जात पर न पात पर इंदिरा जी की बात पर- उसी पार्टी के नेता जाति जनगणना करवाने के लिए हर सीमा पार किए हुए हैं। यह भी अजीब संयोग है कि जिन राज्यों- कर्नाटक, तेलंगाना और हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की सरकार है, वे ही जातिगत जनगणना नहीं करवा पाई। दूसरे, वे सरकारें कब तक हैं या दोबारा इनमें से किसमें फिर से कांग्रेस की सरकार बनेगी, कहा नहीं जा सकता। आज की भाजपा पहले वाली जनसंघ नहीं है। 11 साल से प्रधानमंत्री पद पर कायम नेता नरेन्द्र मोदी ओबीसी बिरादरी से आते हैं। केन्द्रीय मंत्रिपरिषद् से लेकर भाजपा की राज्य सरकारों में बड़ी तादाद में पिछड़ी कही जाने वाली जातियों के मंत्री हैं। इतना ही नहीं यह तीन बार लोकसभा चुनाव और अनेक राज्यों के चुनाव में साबित हो चुका है कि बड़ी तादाद में ओबीसी वोट भाजपा को मिलता है। दलित वोट भी हर राज्य में भाजपा को ही सर्वाधिक मिलता रहा है, केवल 2024 के लोकसभा चुनाव में विपक्ष के भाजपा के चार सौ सीटें आने पर आरक्षण खत्म करने के बेबुनियाद प्रचार ने भाजपा को नुकसान जरूर पहुंचाया। तब भी भाजपा की अगुवाई में लगातार तीसरी बार केन्द्र में सरकार बनी। यह समझ से परे है कि सुप्रीम कोर्ट ने पचास फीसदी से ज्यादा आरक्षण की सीमा बढ़ाने से इनकार कर दिया है, ऐसे में जाति जनगणना करा कर कांग्रेस पार्टी क्या करेगी।

-मनोज कुमार मिश्र

राष्ट्र के सामने चुनौतियां और समाधान

स्वतंत्रता आन्दोलन के समय से ही यह अनुभव किया जाने लगा था कि सदियों की गुलामी के चलते भारतीय समाज में अपनी आंतरिक इच्छा शक्ति, आत्म विश्वास, नवाचार की खोज करने की बौद्धिक क्षमता, आपसी विश्वास, की भारी कमी आ गई है। सदियों से दबे कुचले समाज को अपने शासकों के शोषण को झेलते हुए जैसे-तैसे दांव पेच से जीवनयापन करने के लिए समझौते करते हुए समय निकालने की आदत हो गई है। कभी धर्म बदल कर तो कभी शासकों के शोषण की कमी अपने से कमजोर वर्गों का शोषण करके पूरी करने के प्रयासों के आदी हो कर अपने झूठे अहंकार को संतुष्ट करने के प्रयासों के चलते खंडित समाज की रचना हो चुकी है। देश का शासन संभालते हुए राष्ट्र पुनिर्माण करने का काम सिर पर है। इस काम को कैसे किया जाए यह चुनौती आसान नहीं थी। एक ओर देश को भारतीय दृष्टि से अपनी नींव पर खड़ा करने की समझ थी, जिसके समर्थक गांधी और उनकी सोच पर विश्वास करने वाले लोग थे, तो दूसरी ओर अंग्रेजी सोच से प्रभावित नेहरू और उनके वैचारिक समर्थक थे। हालांकि गांधी ने इस बहस को सार्वजनिक करने के प्रयास किए किन्तु नेहरू ने इस बहस को यह कह कर टाल दिया कि इस बात का फैसला तो चुने हुए प्रतिनिधि ही करने के अधिकारी होंगे।

यह बहस इसलिए भी आगे न बढ़ सकी क्योंकि उस समय सबसे पहली प्राथमिकता स्वतंत्रता प्राप्त करना थी। इस बहस से यह खतरा था कि आपसी एकता के अभाव का संदेश जनमानस में जाता। दूसरी ओर सांप्रदायिक आधार पर द्विराष्ट्र सिद्धांत के समर्थक देश की एकता को खतरा पेश कर रहे थे, जिनका नेतृत्व जिन्ना कर रहे थे। उनको संरक्षण देने का काम परोक्ष रूप से अंग्रेजी सरकार कर रही थी ताकि भारत को कमजोर करके किसी न किसी रूप में अपना प्रभुत्व बनाए रखा जा सके। खासकर सोवियत रूस के नजदीक अपनी सैनिक उपस्थिति भी उनका एक उद्देश्य था, जिसे कश्मीर समस्या के माध्यम से वे कुछ हद तक हल कर पाए। अंग्रेज और जिन्ना अपनी चाल में सफल भी हो गए किन्तु हम वहां भी

गलती का शिकार हो गए। जब दो धर्मों के आधार पर देश बांट दिए गए तो बेहतर यही होता कि शांति पूर्ण तरीके से गैर मुस्लिम भारत में आ जाते और मुसलमान पकिस्तान चले जाते। किन्तु हिन्दू मुस्लिम आबादियों का आदान प्रदान भयंकर मार काट में बदल गया।

अंग्रेज सेना जानबूझ कर मूकदर्शक बनी रही। आबादियों का पूर्ण प्रत्यर्पण भी न हो सका और आज दिन तक आपसी टकरावों की समस्या से देश को जूझना पड़ रहा है। हालांकि भारतीय नेतृत्व का उस समय का फैसला मानवतावादी था किन्तु सांप्रदायिक अहंकार में उसके महत्व को समझने में भारतीय राष्ट्र विफल रहा। वर्तमान में इस समस्या को ऐतिहासिक बोझ से बाहर निकल कर मानवतावाद से ही हल किया जा सकता है, जो दोतरफा ही होना चाहिए। मुसलमानों को भी यह समझना होगा कि हिन्दू बहुल देश में आप अपनी धार्मिक मान्यताओं को मानने में पूर्णतः स्वतंत्र हैं, किन्तु आप भी हिन्दू मान्यताओं के पालन में बाधक न बनें। यदि आप मूर्ति पूजा, भजन गाने, शंख, घंटे की आवाज, और नाचने गाने का बुरा मानने लगेंगे तो झगड़े कैसे रुकेंगे। हमें एक-दूसरे के त्योहारों में शामिल होने, मुबारक देने, की संस्कृति विकसित करनी होगी। रहीम, रसखान, खुसरो सरीखे अनेक उदाहरण मौजूद हैं जिनसे मिल-जुल कर रहना और एक दूसरे के विकास पर खुश होना सीखना होगा।

गांधी जी की यह सोच बिलकुल सही थी कि भारत को भारतीय तरीके से सरकार बनाने के तरीके नए हालात में खोजने होंगे। उन्होंने ग्राम स्वराज्य का दर्शन दिया, जिसे वर्तमान वैश्विक सन्दर्भों में परिभाषित और विकसित किए जाने की जरूरत थी। किन्तु हमने पूर्ण पाश्चात्य तरीके को अपनाया। पंचायत, जिसको शासन का बुनियादी स्तंभ होना था उसे यूरोपियन स्थानीय स्वशासन की नकल बना कर छोड़ दिया। सौभाग्य से 73वें संविधान संशोधन से पंचायतों को संवैधानिक दर्जा दिया गया किन्तु अभी तक भी वे शासकीय दिशा-निर्देशों की गुलाम ही हैं, क्योंकि वे जमीन से नहीं उगाई गईं। आरोपित की गई हैं। उन्हें अपने आत्मविश्वास को आधार बनाने में न जाने अभी कितना समय लगेगा। पाश्चात्य सोच में प्रशिक्षित राजनैतिक नेतृत्व और प्रशासन यह होने भी देगा या नहीं।

धर्म निरपेक्षता दूसरी बड़ी चुनौती है। भारत के सन्दर्भ में धर्मनिरपेक्षता का अर्थ सर्व धर्म सम भाव ही हो सकता है। यहां धर्म मुक्त शासन संभव नहीं है। हालांकि, बाबा साहब आंबेडकर ने धर्मनिरपेक्ष शब्द संविधान में नहीं रखा था जो बाद में इमरजेंसी में इंदिरा जी के समय में डाला गया। किन्तु भारतीय धार्मिक संस्कार स्वभाव से ही धर्मनिरपेक्ष है, क्योंकि इसका उदय और विकास ही विविध तार्किकवाद संवाद से ही हुआ है। इसमें मतान्तर को आदर से देखने की परंपरा है। हिन्दू, बौद्ध, जैन, सिख,और विविध आदिवासी धार्मिक परंपराओं में तर्क को स्थान है और प्रकृति के प्रति श्रद्धा और संशोधन को मान्यता विद्यमान है, जो आज के पर्यावरण संबंधी समस्याओं से निपटने के लिए भी महत्वपूर्ण है। इसलिए धर्मनिरपेक्षता के नाम पर धर्मांतरण की छूट देना भारतीय परंपरा को कमजोर करने वाला ही सिद्ध होगा, क्योंकि अब्रह्मिक धर्मों में अन्य धर्मों को आदर से देखने की परंपरा नहीं है। प्रकृति उनके लिए उपभोग की वस्तु है। उनके लिए अपने धर्म में धर्मांतरण करवाना पुण्य का काम है जबकि भारतीय परंपरा में अपने धर्म को छोड़ना और दुसरे के धर्म को छुड़वाना दोनों ही गलत हैं। हर धर्म में समय से कुछ कमियां आ जाती हैं, इसलिए स्वयं ही उनके संशोधन को तैयार रहना चाहिए।

-कुलभूषण उपमन्यु

प्राइवेट सिस्टम का खेल: आम आदमी की जेब पर हमला

भारत एक ऐसा देश है जहाँ शिक्षा और स्वास्थ्य को बुनियादी अधिकार माना जाता है। लेकिन जब यही अधिकार एक व्यापार का रूप ले लें, तो आम आदमी की जिंदगी में यह अधिकार बोझ बन जाते हैं। आज के दौर में प्राइवेट स्कूल और प्राइवेट हॉस्पिटल सुविधाओं के नाम पर ऐसी व्यवस्था खड़ी कर चुके हैं जो आम नागरिक की जेब पर सीधा हमला करती है। यह हमला सिर्फ आर्थिक नहीं, मानसिक और सामाजिक भी है। प्राइवेट स्कूलों की बात करें तो अब ये शिक्षण संस्थान कम और फाइव स्टार होटल ज्यादा लगते हैं। स्कूल में दाखिले के लिए लाखों की डोनेशन, एडमिशन फीस, एनुअल चार्जेस, ड्रेस, किताबें, जूते, बस फीस – हर चीज में अलग-अलग मदों के नाम पर वसूली होती है। किताबें स्कूल के किसी 'अधिकृत वेंडर' से ही खरीदनी होती हैं, जिनका मूल्य बाज़ार दर से दोगुना होता है क्योंकि उसमें स्कूल का कमीशन जुड़ा होता है। स्कूल यूनिफॉर्म भी उन्हीं से लेनी पड़ती है, जो आम बाजार में मिलती ही नहीं। यह सब इसलिए नहीं कि अभिभावक इन सुविधाओं की मांग करते हैं, बल्कि इसलिए क्योंकि स्कूलों ने इसे 'अनिवार्य' बना दिया है। पढ़ाई नाम की चीज अब कक्षा में कम और कोचिंग संस्थानों में ज्यादा होती है – और दिलचस्प बात ये है कि उन कोचिंग संस्थानों के मालिक भी कई बार उन्हीं स्कूल संचालकों से जुड़े होते हैं। बच्चा दिनभर स्कूल, फिर कोचिंग, फिर होमवर्क, और फिर ट्यूशन – खुद के लिए ना समय, ना सोच, ना बचपन। इन सबका उद्देश्य एक ही होता है – '99% लाओ'। और जब ये नंबर नहीं आते, तो बच्चे हीन भावना से ग्रस्त हो जाते हैं। अभिभावक दूसरों के बच्चों से तुलना करने लगते हैं, और ये पूरी प्रक्रिया मानसिक उत्पीड़न में बदल जाती है। अब अगर शिक्षा में ये स्थिति है, तो स्वास्थ्य क्षेत्र उससे भी भयावह है। प्राइवेट हॉस्पिटल्स का ढांचा अब इलाज से ज्यादा 'कमाई' पर केंद्रित हो गया है। अस्पताल में घुसते ही 'पर्ची' कटती है, फिर तरह-तरह की जाँचें, महंगी दवाइयाँ, ICU, और 'एडवांस पेमेंट' की माँग – और वो भी बिना यह बताए कि मरीज़ की स्थिति क्या है। सामान्य सर्दी-खांसी या बुखार को भी डॉक्टर ऐसा बताते हैं मानो जीवन संकट में हो। डर दिखाकर लोगों को लंबी दवाओं और भर्ती की सलाह दी जाती है। मरीज़ ठीक भी हो जाए, तब भी बिल देखकर परिवार बीमार हो जाता है। जो दवा बाहर 10 रुपए में मिलती है, वही अस्पताल के बिल में 200 से 300 रुपए की होती है। यहाँ तक कि मौत के बाद भी लाश को एक-दो दिन रोककर 'मर्चुरी चार्जेस', 'फ्रीजर चार्जेस' आदि के नाम पर अंतिम सांस तक पैसा वसूला जाता है। यह एक क्रूर मजाक है उस परिवार के साथ जो पहले ही अपनों को खो चुका होता है। इस लूट का सबसे दुखद पहलू यह है कि यह सब किसी को छिपकर नहीं करना पड़ता – सब कुछ खुलेआम होता है। अखबार, सोशल मीडिया, न्यूज चैनल – हर जगह यह मुद्दा उठता है। हर साल प्राइवेट स्कूलों की फीस बढ़ोतरी और हॉस्पिटल बिलों पर शोर होता है, लेकिन हर बार यह शोर धीरे-धीरे दबा दिया जाता है।

-डॉ सत्यवान सौरभ

आज का कार्टून

साभार

मेक इन इंडिया से सुदृढ़ हुआ भारतीय औषधि विज्ञान

आज दुनिया में भारत के फार्मास्युटिकल क्षेत्र (औषधि विज्ञान) की छवि तेजी से बदल रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' के आह्वान से यह इंडस्ट्री पहले से कई गुना सुदृढ़ हुई है। यही नहीं भारत पिछले छह-सात वर्षों से यूनिसेफ का सबसे बड़ा वैक्सीन आपूर्तिकर्ता रहा है। भारत ने इस अवधि में यूनिसेफ की कुल खरीद में 55 प्रतिशत से 60 प्रतिशत योगदान दिया। आज का नया भारत क्रमशः डीपीटी, बीसीजी और खसरे के टीकों के लिए डब्ल्यूएचओ की मांग का 99 प्रतिशत, 52 प्रतिशत और 45 प्रतिशत पूरा करता है। प्रधानमंत्री मोदी के आह्वान के अनुरूप रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय का औषध विभाग सस्ती दवाओं की कीमत, उपलब्धता, अनुसंधान, विकास और अंतरराष्ट्रीय दायित्वों का निर्वहन करता है। भारत सरकार के पत्र एवं सूचना कार्यालय (पीबीआई) की वेबसाइट में 13 अप्रैल को इस आशय के आंकड़े साझा किए गए हैं। इनमें कहा गया है कि भारत को उचित मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण दवाओं का विश्व का सबसे बड़ा प्रदाता बनाने का प्रधानमंत्री का दृष्टिकोण शामिल है। सबसे बड़ा जोर मेक इन इंडिया पर है। भारतीय दवा उद्योग घरेलू और वैश्विक दोनों बाजारों के लिए उच्च गुणवत्ता वाली, कम लागत वाली प्रभावी दवाओं के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह ब्रांडेड जेनेरिक दवाओं, प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण और स्वदेशी ब्रांडों के मजबूत नेटवर्क में इसके प्रभुत्व को दर्शाता है। इसमें चिकित्सा उपकरण उद्योग के कई क्षेत्र अत्यधिक पूंजी-प्रधान हैं। वह इसलिए कि इस क्षेत्र में नई प्रौद्योगिकियों का निरंतर समावेशन किया जाता है। इसमें मदद के लिए औषध विभाग सरकारी अनुमोदन के माध्यम से एफडीआई प्रस्तावों पर एफडीआई नीति के अनुसार अनुमोदन या अस्वीकृति के लिए विचार करता है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में अप्रैल 2024 से दिसंबर 2024 तक एफडीआई प्रवाह (फार्मास्युटिकल्स और चिकित्सा उपकरणों दोनों में) 11,888 करोड़ रुपये रहा है । इसके अलावा, औषध विभाग ने वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान ब्राउन फील्ड परियोजनाओं के लिए 7,246.40 करोड़ रुपये के 13 एफडीआई प्रस्तावों को मंजूरी दी । भारत सरकार की 2020 में शुरू की गई उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना ने भी इसमें क्रांतिकारी पहल की है। पीएलआई का प्रमुख उद्देश्य घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देना, निवेश आकर्षित करना, आयात पर निर्भरता कम करना और निर्यात बढ़ाना है। आत्मनिर्भर भारत और मेक इन इंडिया पहल के दृष्टिकोण के अनुरूप यह योजना उत्पादन में प्रदर्शन के आधार पर वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करती है। फार्मास्यूटिकल्स के लिए पीएलआई योजना को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 24 फरवरी 2021 को मंजूरी दी थी। इसका वित्तीय परिव्यय 15,000 करोड़ रुपये है। यह तीन श्रेणियों के तहत पहचाने गए उत्पादों के उत्पादन के लिए 55 चयनित आवेदकों को छह साल की अवधि के लिए वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करती है । इस योजना में कैंसर रोधी और ऑटो इम्यून जैसी दवाओं का उत्पादन शामिल है। पीएलआई के तहत एक महत्वपूर्ण उपलब्धि लक्षित निवेश को पार करना है। प्रारंभिक प्रतिबद्धता 3,938.57 करोड़ रुपये आंकी गई थी। वास्तविक प्राप्त निवेश पहले ही 4,253.92 करोड़ रुपये (दिसंबर 2024 तक) तक हासिल हो चुका है। इसके अलावा मार्च 2020 में स्वीकृत बल्क ड्रग पार्क योजना (वित्त वर्ष 2020-21 से वित्त वर्ष 2025-26) का उद्देश्य उत्पादन लागत को कम करने और बल्क ड्रग्स में आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए विश्वस्तरीय सामान्य बुनियादी ढांचे वाले पार्क स्थापित करना है। इस योजना के तहत गुजरात, हिमाचल प्रदेश और आंध्र प्रदेश के प्रस्तावों को मंजूरी दी दी जा चुकी है। वित्तीय सहायता प्रति पार्क 1,000 करोड़ रुपये या परियोजना लागत का 70 फीसद (पूर्वोत्तर और पहाड़ी राज्यों के लिए 90 फीसद) तक सीमित है।इसका कुल परिव्यय 3,000 करोड़ रुपये है। और सबसे खास प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना है। इसका लक्ष्य पूरे देश में किफायती और गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाओं तक पहुंच सुनिश्चित करना

- मुकुंद

बिहार में फ्रंटफुट पर खेलेगी कांग्रेस

महानगर नेटवर्क

पटना

तेजस्वी को दिल्ली बुलाकर दिए संकेत

राष्ट्रीय जनता दल (RJD) के नेता तेजस्वी यादव को दिल्ली बुलाकर कांग्रेस ने साफ कर दिया है कि वो बिहार में फ्रंटफुट पर खेलेगी। महागठबंधन की पटना में होने वाली बैठक के पहले मंगलवार को राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की मुलाकात हुई। पहले कांग्रेसी लालू के दरबार में चुनावी मुद्दों को सुलझाने जाया करते थे। तो लालू का पलड़ा भारी रहता था। अब बदली कार्यशैली से कांग्रेस, आरजेडी से अपने टर्म पर मोलभाव करने के मूड में है।

क्या बोले तेजस्वी यादव?

राहुल के साथ घंटे भर की बैठक के बाद तेजस्वी यादव कह रहे हैं कि सीएम फेस के लिए मीडिया को चिंता करने की जरूरत नहीं है। चुनाव के पहले होगा या बाद में होगा, बता दिया जाएगा। इधर जेडीयू-बीजेपी ने इस बैठक पर चुटकी लेते हुए कहा है कि कांग्रेस ने तेजस्वी यादव को वेटिंग लिस्ट में डाल दिया। पटना की बैठक में आने के पहले कांग्रेस ने आरजेडी के साथ कुछ बातें साफ कर ली है। कांग्रेस बिहार में 70 से कम सीट स्वीकार नहीं करेगी और जिताऊ सीटों का चुनाव करेगी। कृष्णा अलवरु हों या सचिन पायलट सबने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि सीएम फेस चुनाव बाद तय होगा।

बैठक से पहले क्या बोली थी आरजेडी?

दिल्ली में तेजस्वी और राहुलकी बैठक के पहले आरजेडी ने साफ कर दिया था कि बिहार में तेजस्वी यादव ही मुख्यमंत्री पद के चेहरा हैं। किसी को कोई कन्फ्यूजन या भ्रम नहीं होना चाहिए। आरजेडी ने बैठक के पहले कहा कि बिहार की जनता ने तेजस्वी यादव को ही मुख्यमंत्री मान लिया है। वहीं बीजेपी ने इस बैठक पर तंज करते हुए कहा है कि कुर्सी के लिए यह सारी सियासी नौटंकी हो रही है। कुर्सी के मोह में सत्ता के लालच में ये लोग कितनी भी सियासी नौटंकी कर लें, इनका नेतृत्व और दिशा तय नहीं होने वाला। वहीं जेडीयू ने कहा है कि तेजस्वी का नेतृत्व अगर कांग्रेस जैसी बड़ी पार्टी स्वीकार करती है तो ये कांग्रेस की दुर्गति है।

सीएम फेस पर कोई कन्फ्यूजन नहीं

नीतीश ही अगले मुख्यमंत्री होंगे, बेटे निशांत कुमार का दावा

पटना। बिहार चुनाव में एनडीए के सीएम फेस को लेकर जारी चर्चा के बीच मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार ने साफ कर दिया है। पिता जी ही अगले मुख्यमंत्री होंगे। सीएम फेस को लेकर एनडीए में किसी तरह का कोई कन्फ्यूजन नहीं है। उन्होने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह ने भी साफ कर दिया है, कि 2025 में नीतीश कुमार ही बिहार एनडीए के चेहरा होंगे। इसलिए इस पर कहीं कोई भ्रम की स्थिति नहीं रहनी चाहिए। मीडिया से बातचीत के दौरान 225 सीटें जीतने के एनडीए के दावे पर निशांत ने कहा कि एनडीए को बड़ी जीत मिलेगी, और 225 से ज्यादा सीटें जीतेंगे। हालांकि राजनीति में एंट्री के सवाल को निशांत टाल गए।

दवा आपूर्ति में बिहार बना देश में नंबर 1

महानगर नेटवर्क

पटना

प्रदेश में हर मरीज को मुफ्त दवाई की गारंटी

बिहार की स्वास्थ्य सेवाएं 2005 के पहले बदहाल थी. अस्पताल परिसर में जानवरों के बंधे होने या अस्पताल की बेड पर कुत्तों के सोने की तस्वीरें वायरल होती थी, परंतु अबयहां की तस्वीर बदल गई है। सूबे की स्वास्थ्य सेवाओं ने पिछले दो दशकों में नई इबारत गढ़ी है। साल 2005 के बाद से राज्य की स्वास्थ्य प्रणाली में बड़े स्तर पर सुधार हुए हैं,उनमें सबसे अहम है निःशुल्क दवा नीति। इस नीति से बिहार आज देश में सबसे अधिक 611 प्रकार की औषधियां मरीजों को मुफ्त उपलब्ध कराने वाला राज्य बन चुका है। इसमें कैंसर, हार्ट और वायरल बुखार से लेकर अन्य कई बड़ी बीमारियों की दवाइयां शामिल हैं। बीते पांच वर्षों में राज्य सरकार ने मुफ्त दवा नीति के तहत दवा आपूर्ति और वितरण पर 10 गुणा तक खर्च बढ़ाया है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में यह करीब 762 करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक 2025-26 में यह खर्च 1100 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है। केंद्र सरकार के डीवीडीएमएस (ड्रग्स एंड वैक्सिन डिस्ट्रीब्यूशन मैनेजमेंट सिस्टम) पोर्टल के अनुसार बिहार लगातार 5वें महीने देश में दवा आपूर्ति और वितरण के क्षेत्र में पहले स्थान पर बना हुआ है।

मुफ्त दवा नीति की शुरुआत और विस्तार

इस पहल की शुरुआत 1 जुलाई 2006 से हुई, जब कैबिनेट की मंजूरी के बाद राज्य में मुफ्त दवा वितरण की नींव रखी गई।

वर्ष 2006 : सिर्फ 47 प्रकार की औषधियां उपलब्ध थी।

वर्ष 2008 : ओपीडी मरीजों के लिए 33 प्रकार और आईपीडी मरीजों के लिए 112 प्रकार की दवाइयां सूचीबद्ध।

वर्ष 2023 : सूची में वृद्धि होकर 611 प्रकार की दवाइयां और 132 प्रकार के डिवाइसेज/कंज्यूमेबल्स शामिल हो चुके हैं।

गरीबों को मिली बड़ी राहत

बिहार सरकार की यह नीति सुनिश्चित करती है कि अस्पताल आने वाले हर मरीज को उसकी जरूरत की दवाइयां उपलब्ध कराई जाएं. इनमें जीवन रक्षक दवाओं से लेकर कैंसर, गठिया, अस्थमा, एलर्जी, रक्त थक्के और एंटी-एलर्जिक समेत कई दवाएं शामिल हैं. एक वक्त था, जब मरीजों को जरूरी दवाओं के लिए निजी दुकानों पर निर्भर रहना पड़ता था लेकिन अब यह स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है।

नरकटियागंज से अगवा बच्चे की मिली लाश

पांच बहनों के इकलौते भाई इम्तियाज की चाकू से गोदकर हत्या

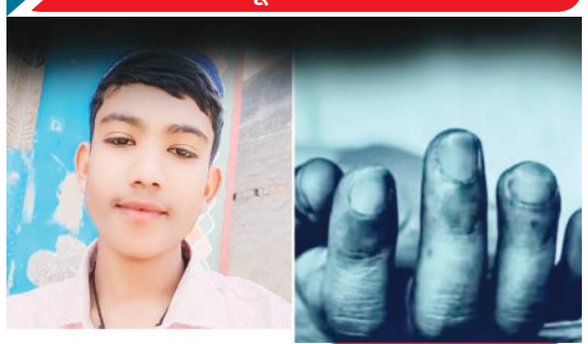

महानगर नेटवर्क

पश्चिम चंपारण

पश्चिम चंपारण जिले के शिकारपुर थाना क्षेत्र के मल्दहिया गांव निवासी छात्र इम्तियाज की हत्या कर दी गयी है. इम्तियाज को अपराधियों ने अगवा कर लिया था और 10 लाख रुपए फिरौती की मांग की गयी थी. पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की थी और इम्तियाज की खोज की जा रही थी. अब इम्तियाज की लाश बगहा पुलिस जिला के रामनगर टौलाहा में मिली है. परिजनों में कोहराम मचा हुआ है.

इम्तियाज की मां की हालत गंभीर

नरकटियागंज के मल्दहिया से अगवा किए गए इम्तियाज की हत्या कर दी गयी है.रामनगर तौलाहा ढाला के समीप इम्तियाज का शव मिला है। चाकू से गोद कर छात्र की हत्या की गई है, बता दें कि पिछले दिनों स्कूल से टीसी ले जाने के दौरान अपराधियों ने इम्तियाज का अपहरण कर लिया था। अपहृत छात्र की मां मिसरून नेशा की हालत बेटे के लापता होने के बाद से ही बिगड़ चुकी थी।

पांच बहनों में इकलौता भाई था इम्तियाज

इम्तियाज पांच बहनों में इकलौता भाई था। उसके पिता कौशर अंसार कश्मीर में बढ़ई मिस्त्री का काम करते हैं। इधर, इम्तियाज के ही फोन से उसके घरवालों से फिरौती की डिमांड की गयी थी।

इम्तियाज के फोन से आया था फिरौती का मैसेज

रविवार को बेतिया एसपी डॉ शौर्य सुमन छात्र के घर घटनास्थल पर खुद पहुंचे थे। पुलिस पदाधिकारियों को छात्र को सकुशल बरामद करने का निर्देश दिया था, लेकिन पुलिस के तमाम प्रयासों के बाद भी छात्र की जान नहीं बच सकी। पुलिस की कार्यशैली पर भी अब सवाल उठ रहे हैं। छात्र के मोबाइल से ही फिरौती की डिमांड का मैसेज भी भेजा गया था।

पेट्रोल पंप के उद्घाटन पर साड़ी बांट रहे थे विधायक जी

तभी मच गई भगदड़, एक के ऊपर एक गिरीं महिलाएं

महानगर नेटवर्क

बक्सर

बिहार विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहें है। वैसे-वैसे सियासी घटक दलों के बीच राजनीतिक जमीन तैयार करने को लेकर होड़ मची हुई है। आम जनता को अपने पाले में लाने के लिए हर तरह के हथकंडे अपनाएं जा रहे हैं। इसका ताजा उदाहरण बक्सर जिले के ब्रम्हपुर विधायक के यहां देखने को मिला है। जहां महिलाओं के बीच साड़ी बांटे जाने को लेकर भगदड़ मच गई। ब्रम्हपुर विधायक शम्भू यादव के पेट्रोल पंप और एक बड़े गोदाम के उद्घाटन समारोह में पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव शिरकत करने आए थे। जहां एक जनसभा का आयोजन भी किया गया। इसमें सैकड़ों की संख्या में पहुंची महिलाओं को एक साड़ी और उसके साथ एक पर्ची भी बांटी जा रही थी।

तेजस्वी यादव भी रहे मौजूद

इस मौके पर विधायक शम्भू यादव ने कहा कि सामने चुनाव हैं। मेरा बिजनेस आगे बढ़ रहा है। एक पेट्रोल पंप और एक बड़ा सा गोदाम बनवाया है। इसका उद्घाटन आज हमारे नेता तेजस्वी जी ने किया। इसके लिए मैंने एक जनसभा आयोजित की है। यहां पहुंची महिलाओं के बीच साड़ी बांटने का काम किया गया, जो कि हमारे नाती पैदा होने पर भखौटी थी।

जेपी गंगा पथ पर दरार की IIT करेगी जांच

- बिहार राज्य पथ विकास निगम ने कहा- पुल सुरक्षित

बिहार की राजधानी पटना में स्थित जेपी गंगा पथ में आयी दरार की जांच आईआईटी सहित अन्य विशेषज्ञ संस्थानों से कराई जाएगी। वैसे प्रारम्भिक जांच में जेपी गंगा पथ पूरी तरह सुरक्षित पाया गया है। सोमवार को बिहार राज्य पथ विकास निगम के प्रबंध निदेशक शीर्षत कपिल अशोक ने जेपी गंगा पथ का निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद पत्रकारों से बातचीत में निगम के एमडी ने कहा कि प्रारम्भिक जांच में पता चला है कि जेपी गंगा पथ के पिलर और सम्पर्क

पथ के बीच में जो एक्सपेंशन ज्वाइंट ढलाई से ढका हुआ था, 10 अप्रैल को इस सड़क से परिचालन शुरू होते ही कंपन के कारण यह ज्वाइंट सतह पर उभर गया था।

इसे फिर से भर दिया गया है। पुल संरचना में किसी प्रकार का क्रैक नहीं है। जेपी गंगा पथ पूरी तरह से सुरक्षित है। इसके बावजूद थर्ड पार्टी से इसकी जांच कराई जाएगी। आईआईटी सहित अन्य संस्थानों से बातचीत हो रही है। विभाग पूरी तरह सजग है।

घर के बाहर खेल रहे बच्चों पर जंगली सुअर का हमला

पश्चिमी चंपारण। पश्चिमी चंपारण के पिपरासी प्रखंड स्थित डुमरी भगड़वा पंचायत के रहमानपुर गांव में मंगलवार को दोपहर जंगल से भटक कर आए एक सुअर ने गांव में खेल रहे बच्चों पर हमला कर दिया। जिसमें चार बच्चे घायल हो गए। 9 वर्षीय लड़की के चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं। जिसका उपचार मरचहवा के एक निजी अस्पताल में चल रहा है। मंगलवार की दोपहर श्याम बदन यादव के दरवाजे पर उनकी बेटी प्रियंका कुमारी, पड़ोस की बच्ची शालू कुमारी, प्रिंस कुमार, वसुनंदन कुमार के साथ खेल रही थी। इसी बीच जंगली सुअर ने बच्चों पर हमला कर दिया। जिसमें प्रियंका कुमारी के चेहरे पर दो जगह गंभीर चोट लग गई।

स्टूडियो में लड़की की लाश मिली, संचालक फरार

पटना। राजधानी पटना में एक लड़की की लाश मिलने से सनसनी फैल गई है। बताया जा रहा है कि एक स्टूडियो में लड़की की लाश मिली है। फतुहा थाना क्षेत्र के स्टेशन रोड स्थित बिट्टू फिल्म्स स्टूडियों में रविवार की देर शाम 20 साल की इस लड़की की लाश मिली है। मृतक लड़की के घरवालों ने संगीन इल्जाम स्टूडियो संचालक और उसके साथियों पर लगाए हैं। मृतक लड़की के मौसा ने मीडिया से बातचीत में कहा कि वो बिट्टू मिक्सिंग लैब में काम करती थी। उस दिन भी वो काम करने गई थी। शाम पांच बजे हमे पता चला कि लड़की फोन नहीं उठा रही है। इसके बाद हम लोग वहां पहुंचे।

दिनदहाड़े कई राउंड फायरिंग से दहला पटना

- एक शख्स को लगी गोली
- गांधी मैदान इलाके में दहशत

पटना। पटना दिनदहाड़े गोलियों की तड़तड़ाहट से दहल उठी है। पटना के गांधी मैदान इलाके में कई राउंड फायरिंग किए जाने की बात सामने आई है। मंगलवार को कुछ मीडिया रिपोर्ट में बताया गया कि पटना में 18-20 राउंड ताबड़तोड़ फायरिंग की गई है। इस गोलीबारी के दौरान एक शख्स को हाथ में गोली लगी है और वो जख्मी हो गया है। गांधी मैदान के लालजी टोला इलाके में यह फायरिंग की गई है। पटना के गांधी मैदान थाना क्षेत्र के देवी स्थान के पास अपराधियों द्वारा दनादन बीस राउंड फायरिंग किए जाने की बात कही जा रही है। वारदात के बाद से इलाके में हड़कंप है। इधर इस फायरिंग की जानकारी मिलते ही गांधी मैदान थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायल शख्स को अस्पताल भेजा है। अब पुलिस इस गोलीबारी की छानबीन कर रही है। कहा जा रहा है कि पुलिस ने कई खोखे बरामद किए हैं।

सुलझ गई सिर कटे लाश की गुत्थी!

महानगर नेटवर्क

बांका

बांका जिले में सिर कटी लाश मिलने के सनसनीखेज मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। इस मामले में पत्नी ने जेल में अपनी सहेली के साथ मिलकर पति की हत्या की साजिश रची थी। महिला ने इस हत्याकांड को अंजाम देने के लिए अपनी सहेली के पति को 35 हजार रुपये की सुपारी दी थी। मृतक का सिर पहले गड़ासे से अलग किया था और फिर प्राइवेट पार्ट को भी कटवा दिया गया था। चार दिन गहन छानबीन के बाद पुलिस ने मामले का खुलासा किया है।

11 अप्रैल को केंदुवार गांव के रहने वाले बिहारी यादव का सिर कटा हुआ शव अमरपुर थाना क्षेत्र के विलासी नगर के पास मिला था। शव के मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई थी। मामले में एसपी के निर्देश पर एसडीपीओ विपिन बिहारी के नेतृत्व में जांच टीम का गठन किया गया था। टीम ने तकनीकी अनुसंधान के जरिए कांड का खुलासा कर किया है। मामले में कई चौंकाने वाले खुलासे हुए हैं। दरअसल, पत्नी ने ही अपने सहयोगी की मदद से अपने पति का सिर काट दिया था।

पत्नी ने रची थी हत्या की साजिश

पुलिस ने घटना में शामिल मृतक की पत्नी रिंकू कुमारी और उनके सहयोगी भरको गांव के रहने वाले बालेश्वर और उसकी पत्नी बिजुला देवी को गिरफ्तार कर लिया है। एसपी उपेंद्र नाथ वर्मा ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि मृतक बिहारी की पत्नी रिंकू ने साजिश के तहत बालेश्वर और उनकी पत्नी बिजल देवी के सहयोग से धारदार हथियार से अपने पति की गला काटकर हत्या कर दी थी।

व्यापार

पूरी दुनिया में भारत बना इकलौता बाजार जो झेल गया ट्रंप की टैरिफ की मार

महानगर नेटवर्क

मुंबई

2 अप्रैल को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया के तमाम देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ थोप दिया था. जिसके बाद दुनिया के शेयर बाजारों में कोहराम मच गया था. एशिया, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, भारत, चीन यहां तक कि अमेरिकी शेयर बाजार भी 52 हफ्तों के लोअर लेवल पर पहुंच गए थे. दुनिया के तमाम बाजारों के निवेशकों को मोटा नुकसान हुआ. सेंसेक्स, निफ्टी, नैस्डैक, डाव जोंस, हेंगसेंग, नेक्कई, शंघाई, कॉस्पी, लंदन तमाम शेयर बाजार जमीन चाटते हुए दिखाई दे रहे थे. उसके बाद आया वो दिन, जब ट्रंप ने कहा कि वो 90 दिनों के लिए चीन को छोड़कर तमाम देशों से रेसिप्रोकटल टैरिफ को वापस ले रहे हैं. गुरुवार को ऐलान के बाद शुक्रवार को जो शेयर बाजार में तूफानी तेजी देखने को मिली, वो विदेशी बाजारों में सोमवार को और तीन दिन के आवकाश के बाद ओपन हुए भारतीय शेयर बाजार में जारी रही. खास बात तो ये है कि भारत के शेयर बाजार ने 2 टैरिफ के बाद हुए नुकसान की भरपाई सिर्फ दो दिनों में पूरी ही नहीं की, बल्कि दुनिया का पहला ऐसा शेयर बाजार बन गया है, जो अपने नुकसान की भरपाई करने में कामयाब हो गया. शेयर बाजार में बीते दो दिनों में 4 फीसदी से ज्यादा का इजाफा देखने को मिल चुका है और निवेशकों को 17 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई हो चुकी है. जबकि 2 अप्रैल से लेकर 10 अप्रैल तक निवेशकों को 19 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हुआ था. आइए आपको भी विस्तार से बताते हैं कि आखिर 2 अप्रैल के बाद से 10 अप्रैल तक शेयर बाजार को कितना नुकसान हुआ और अब जब रेसिप्रोकल टैरिफ को वापस लेने के बाद से शेयर बाजार में कितनी तेजी देखने को मिल चुकी है।

सेंसेक्स 1578 अंक उछलकर बंद

मुंबई। टैरिफ को लेकर अमेरिका के नरम रवैये के बाद से बाजार में रिकवरी जारी है। मंगलवार को भी बीएसई सेंसेक्स कारोबार के आखिर में 1577.63 अंक की जोरदार उछाल के बाद 76,734.89 के लेवल पर बंद हुआ। इसी तरह, निफ्टी 50 भी 500 अंक उछलने के बाद 23,328.55 पर बंद हुआ। बैंक निफ्टी भी धमाकेदार 1377.15 अंक की तेजी के साथ आखिर में 52,379.50 के लेवल पर बंद हुआ। आज की इस बढ़त के साथ ही निवेशकों ने एक दिन में करीब 10 लाख करोड़ रुपये कमाए।

एयरटेल ने ब्लिंकिट के साथ की साझेदारी

मुंबई। भारती एयरटेल ने आज एक अग्रणी कदम उठाते हुए मुंबई में अपने ग्राहकों को दस मिनट के भीतर सिम कार्ड की डिलीवरी के लिए क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म ब्लिंकिट के साथ अपनी साझेदारी की घोषणा की । किसी टेलीकॉम कंपनी द्वारा प्रदान की जाने वाली अपनी तरह की यह पहली सेवा अब तक देश के 16 शहरों में शुरू हो चुकी हैं। आने वाले समय में इस सेवा के अंतर्गत अन्य शहरों तथा कस्बों को जोड़ने की योजना है।यह साझेदारी एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, क्योंकि यह ग्राहकों को 49 के मामूली सुविधा शुल्क पर केवल 10 मिनट में उनके घर पर सिम कार्ड प्राप्त करने की सुविधा देती है। भारती एयरटेल के कनेक्टेड होम्स के सीईओ और मार्केटिंग निदेशक सिद्धार्थ शर्मा ने इस साझेदारी पर टिप्पणी करते हुए कहा; "एयरटेल में हमारे हर कार्य का लक्ष्य ग्राहकों के जीवन को सरल बनाना है। आज हम 16 शहरों में ग्राहकों के घरों में 10 मिनट की सिम कार्ड डिलीवरी के लिए ब्लिंकिट के साथ साझेदारी करके रोमांचित हैं। आने वाले समय में हम इस साझेदारी को दूसरे शहरों में भी विस्तारित करने की योजना बना रहे हैं।ब्लिंकिट के संस्थापक और सीईओ अलबिंदर ढींडसा ने कहा, "ग्राहकों का समय और परेशानी बचाने के लिए, हमने एयरटेल के साथ मिलकर चुनिंदा शहरों में ग्राहकों को सीधे सिम कार्ड डिलीवर करने के लिए साझेदारी की है, जिसकी डिलीवरी सिर्फ़ 10 मिनट में होगी। ब्लिंकिट डिलीवरी का कार्य देखेगी, जबकि एयरटेल ग्राहकों के लिए सेल्फ़-केवाईसी पूरा करने, अपना सिम एक्टिवेट करने और प्रीपेड या पोस्टपेड प्लान में से चुनना आसान बनाने का काम करेगी।

भारत में बनेगा दुनिया का हर 5वां iPhone

ट्रेड वॉर में मिला फायदा

नई दिल्ली। भारत में एप्पल के iPhone उत्पादन में इस वित्तीय वर्ष के अंत तक उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिली है। रिपोर्ट के मुताबिक मार्च 2025 में समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष में एप्पल ने भारत में अपने iPhone उत्पादन को 22 बिलियन डॉलर तक बढ़ा दिया है जो पिछले वर्ष की तुलना में 60% अधिक है। यह एप्पल की रणनीतिक शिफ्ट को दिखाता है जिसमें अब पाँच में से एक iPhone भारत में बन रहा है, जबकि पहले अधिकतर उत्पादन चीन में होता था।

भारत में बने iPhones में से लगभग 17.4 बिलियन डॉलर के स्मार्टफोन विदेशों में निर्यात किए गए हैं। यह जानकारी भारत के प्रौद्योगिकी मंत्री ने 8 अप्रैल को दी थी। यह वृद्धि मुख्य रूप से चीन में कोविड लॉकडाउन के कारण उत्पन्न हुई आपूर्ति श्रृंखला व्यवधानों के बाद आई है।

निहिलेंट ने की इमोस्केप के लॉन्च की घोषणा

नई दिल्ली। निहिलेंट लिमिटेड दुनिया में बिजनेस का स्वरूप बदलने और डिजिटल इनोवेशन में सबसे आगे है, जिसने आज इमोस्केप के लॉन्च की घोषणा की। इमोस्केप दुनिया को नई राह दिखाने वाला इमोशन एआई इंजन है, जो इंसान की भावनाओं के विज्ञान और अत्याधुनिक टेक्नोलॉजी को एक-साथ जोड़ने की दिशा में एक बड़ा कदम है। नए जमाने के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से चलने वाले इमोस्केप की जड़ें भावनाओं के बारे में भारत के सदियों पुराने विचारों से जुड़ी हैं, जो इंसानी जज़्बातों को समझने, उसे पैमाने पर मापने और अलग-अलग क्षेत्रों में लागू करने के तरीकों को नई परिभाषा देने वाला है। इमोस्केप इंसानी जज़्बातों का पता लगाने और उसका सही मतलब बताने वाला दुनिया का पहला एआई प्लेटफ़ॉर्म है, जो भावनाओं का पता लगाने और उनकी व्याख्या करने में सक्षम है। ये प्लेटफ़ॉर्म इंसान के रवैये और उसकी गतिविधियों के बारे में बताने वाले एक प्राचीन भारतीय ग्रंथ, नाट्यशास्त्र (नाटक के पीछे का विज्ञान) में बताई गई 9 तरह की भावनाओं पर आधारित है।

पिनेकल इंडस्ट्रीज ने राहुल देसाई को सीईओ नियुक्त किया

मुंबई। ऑटोमोटिव सीटिंग, इंटीरियर्स, स्पेशल एप्लीकेशन व्हीकल्स और रेलवे सीटिंग क्षेत्र की अग्रणी कंपनी पिनेकल इंडस्ट्रीज ने राहुल देसाई को अपना मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) नियुक्त करने की घोषणा की है। ऑटो-कंपोनेंट क्षेत्र में लगभग तीन दशकों के अनुभव के साथ, देसाई ग्रीनफील्ड परियोजनाओं, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, परिचालन उत्कृष्टता, व्यवसाय परिवर्तन, वित्तीय रणनीति, नवाचार और रणनीतिक योजना में विशेषज्ञता का खजाना लेकर आए हैं। अपने करियर के दौरान, देसाई ने सीआयई इंडिया, जीकेएन सिंटर मेटल्स लिमिटेड और इंटेवा प्रोडक्ट्स इंडिया ऑटोमोटिव प्राइवेट लिमिटेड जैसे उल्लेखनीय संगठनों में वरिष्ठ नेतृत्व पदों पर कार्य किया है।

सीपीसीए ने किया "पेप्पी एंड जिंजर विंग" का अनावरण

मुंबई। ठाणे कम्युनिटी फॉर द प्रोटेक्शन एंड केयर ऑफ एनिमल्स (ठाणे सीपीसीए) ने अपने नवीनतम केंद्र, "पेप्पी एंड जिंजर विंग" (पीजीडब्लू) का 9 अप्रैल, 2025 को उद्घाटन किया। ये आयोजन प्रतिष्ठित सामुदायिक नेताओं, प्रतिष्ठित पेशेवरों और पशु कल्याण के प्रति उत्साही समर्थकों की मौजूदगी में हुआ। पेप्पी एंड जिंजर विंग, ठाणे सीपीसीए के मौजूदा सेंटर का विस्तार है, जिसमें विशेष एक्स-रे स्कैनिंग, आधुनिक सर्जिकल सुइट और बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) सहित उन्नत निदान संबंधी उपकरण शामिल हैं। ये सेंटर उत्कृष्ट पशु देखभाल प्रदान करने के अपने मिशन को और सशक्त बनाता है। पीजीडब्ल्यू में सुरक्षा और कार्यक्षमता सुनिश्चित करने में एचआर जॉनसन के अभिनव टाइलिंग तकनीक का महत्वपूर्ण रोल हैं। एक्स-रे स्कैनिंग क्षेत्र में, विकिरण जोखिम से प्रभावी सुरक्षा प्रदान करने के लिए एचएंडआर जॉनसन की रेडिएशन शील्डिंग टाइल्स (आरएसटी) लगाई गई हैं।ठाणे सीपीसीए की संस्थापक अध्यक्ष श्रीमती शकुंतला मजूमदार ने बताया, "मैं 1994 से पशु कल्याण के लिए काम कर रही हूं। । ठाणे सीपीसीए की शुरुआत 1 अप्रैल, 2005 को एक उदार परोपकारी व्यक्तित्व श्री नानजीभाई ठक्कर द्वारा पशुओं के लिए इस्तेमाल की जाने वाली ज़मीन पर हुई थी।

भूमि और रियलमी ने की साझेदारी

मुंबई। रियलमी और भूमि ने शैक्षिक और सामुदायिक विकास के कार्यक्रमों का संचालन करने के लिए साझेदारी की है। जहाँ भूमि भारत के अग्रणी नॉन-प्रॉफिट संगठनों में से एक है, जो युवाओं के सशक्तीकरण और सामाजिक परिवर्तन लाने पर केंद्रित है, वहीं रियलमी भारतीय युवाओं का सबसे लोकप्रिय स्मार्टफोन ब्रांड है। यह ब्रांड भारत के युवाओं की नब्ज को समझता है। रियलमी ने हमेशा इनोवेशन और सामाजिक परिवर्तन का नेतृत्व किया है। इस गठबंधन द्वारा रियलमी का उद्देश्य युवाओं को सशक्त बनाना, और उन्हें उज्जवल भविष्य के लिए सही कौशल एवं संसाधनों के साथ अवसर भी प्रदान करना है। इस पहल द्वारा भूमि को विशाल जनसमुदाय तक पहुँचने और उन्हें एक सफल भविष्य निर्माण के लिए आवश्यक टूल्स प्रदान करने में मदद मिलेगी। इस साझेदारी द्वारा भूमि का उद्देश्य भूमि फैलोशिप, सोशल एंड इमोशनल लर्निंग (एसईएल) प्रोग्राम, स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, इग्नाईट शेल्टर्स और भूमि क्लब्स को मजबूत बनाना है। ये प्रोग्राम शिक्षा, नेतृत्व और नागरिक संलग्नता बढ़ाने पर केंद्रित हैं, तथा वंचित युवाओं का समग्र विकास सुनिश्चित करते हैं।

महानगर मीडिया नेटवर्क प्रा. लिमिटेड के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अंतेश आर सिंह द्वारा, महानगर मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 501, ओमेगा हाउस, हीरानंदानी गार्डन्स, पवई, मुंबई-400076 से प्रकाशित एवं **डांगट मीडिया प्रा.लि.**, 22, दीघा एम आई डी सी, टी टी सी इंडस्ट्रियल एरिया, विष्णु नगर, दीघा, नवी मुंबई - 400708 में मुद्रित। ● फोन नंबरः 022-25705039 ईमेल : hmahanagar@gmail.com
● कार्यकारी संपादक : राघवेंद्र नाथ द्विवेदी* (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)

बहराइच में भीषण हादसा

- बस ने ऑटो में मारी टक्कर
- एक ही परिवार के पांच की मौत... 14 गंभीर रूप से घायल

महानगर नेटवर्क

बहराइच

बहराइच में मंगलवार को भीषण हादसा हो गया। यहां तेज रफ्तार बस ने ऑटो में टक्कर मार दी। हादसे में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। जबकि 14 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना से मौके पर अफरातफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया। हादसा गोंडा-बहराइच मार्ग पर खूंटेहना चौकी के काटिलिया के पास हुआ। बताया गया कि मृतक और घायल हुजूरपुर थाना क्षेत्र के हीरापुर गांव के रहने वाले हैं। वह ऑटो बुक करके पयागपुर थाना क्षेत्र के कोलुहवा गांव में एक रिश्तेदार के घर वलीमा में शामिल होने जा रहे थे। रास्ते में बस ने ऑटो में टक्कर मार दी। मृतकों की पहचान अजीम (12), फहद (05), मरियम (65), अमजद (45) और मुन्नी (45) के रूप में हुई है।

गोंडा-बहराइच मार्ग पर लगा लंबा जाम

हादसा देख मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। देखते ही देखते गोंडा-बहराइच मार्ग पर लंबा जाम लग गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने एंबुलेंस के माध्यम से सभी को मेडिकल कॉलेज के लिए भेजा। शवों को मोर्चरी में रखवाया है। पुलिस ने गाड़ियों को हटवाकर यातायात बहाल कराया।

14 घायल, 11 ट्रामा सेंटर लखनऊ के लिए रेफर

घायलों में हिरईपुर निवासी जुनाब (60), वाजिद (04), वहीजाद (18), निशा (16), कलीमुननिशा (40), तबस्सुम (18), सानिया (22), सबा (15), नाजमा (45), सलीमुन (50), जैतूना (05), गुलजहां (32), गुलप्सा (06) व अहद (04) शामिल हैं। इनमें से गुलजहां, गुलप्सा व अहद को छोड़ सभी 11 घायलों को मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर किया गया है।

अटाला मस्जिद विवाद में एडीजे कोर्ट में सुनवाई

- हिंदू पक्ष ने मंदिर के आकार में बदलाव न करने की मांग की

महानगर नेटवर्क

जौनपुर

जौनपुर की अटाला मस्जिद विवाद मामले में एडीजे चतुर्थ की अदालत में सुनवाई हुई। मुस्लिम पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट के पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम का हवाला दिया, जिस पर कोर्ट ने हिंदू पक्ष से वर्तमान स्थिति की जानकारी सुप्रीम कोर्ट से लेने को कहा है।

वहीं, हिंदू पक्ष ने अदालत में प्रार्थना पत्र दाखिल कर विवादित स्थल पर स्थित मंदिर के आकार में किसी भी प्रकार के बदलाव पर रोक लगाने की मांग की। उनका तर्क है कि इससे मुकदमे की निष्पक्षता बनी रहेगी और पूर्व की स्थिति स्पष्ट रहेगी। कोर्ट ने अगली सुनवाई की तारीख 26 मई तय की है।

जौनपुर की शाही अटाला मस्जिद मामले में 18 फरवरी को होने वाली सुनवाई नहीं हो पाई थी। एडीजे चतुर्थ कोर्ट में पत्रावली नहीं पहुंच पाने के कारण 15 अप्रैल की तारीख तय की गई थी। हिन्दू पक्ष का दावा है कि इस तारीख पर मुस्लिम पक्ष की याचिका खारिज हो जाएगी। दरअसल, स्वराज वाहिनी की तरफ से अटाला मस्जिद को अटाला देवी मंदिर होने का दावा किया गया है। इसके बाद से मामला गरमाया हुआ है। स्वराज वाहिनी एसोसिएशन ने कोर्ट में याचिका दायर की थी। इस याचिका में दावा किया गया है कि जौनपुर की अटाला मस्जिद पूर्व में अटाला देवी का मंदिर हुआ करता था। इसे तोड़ कर मंदिर स्थापित की गई है। इसमें हिन्दू पक्ष को पूजा की इजाजत दी जाए। इस प्रकरण को लेकर कोर्ट में भी सुनवाई होनी थी। इस मामले में कोर्ट की ओर से कई बार तारीख पड़ी।

दोनों पक्ष रख चुके हैं अपनी दलील

पूर्व में अटाला मस्जिद प्रकरण को लेकर वक्फ अटाला मस्जिद ने सिविल जज सुधा शर्मा की कोर्ट प्रार्थना पत्र दिया। इसमें कहा था कि वादी स्वराज वाहिनी संगठन के प्रदेश अध्यक्ष संतोष कुमार मिश्रा का दावा पोषणीय नहीं है। कोर्ट ने दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद वक्फ अटाला मस्जिद का प्रार्थना पत्र निरस्त कर दिया और विपक्षी गण को जवाबदेही, अमीन की रिपोर्ट, अस्थाई निषेधाज्ञा पर आपत्ति की सुनवाई के लिए तिथि नीयत की थी। 13वीं सदी में बना था मंदिरः हिंदू पक्ष स्वराज वाहिनी एसोसिएशन और एक अन्य याचिकाकर्ता संतोष कुमार मिश्रा ने दावा किया है अटाला मस्जिद पहले अटाला देवी मंदिर थी। यहां हिंदुओं को पूजा करने का अधिकार मिलना चाहिए। उनका कहना है कि अटाला देवी मंदिर का निर्माण 13वीं सदी में राजा विजय चंद्र ने करवाया था।

मंदिर नहीं, अटाला मस्जिदः मुस्लिम पक्ष अटाला मस्जिद प्रशासन ने भी हाई कोर्ट से गुहार लगाई है। मस्जिद प्रशासन का तर्क है कि यहां हमेशा से मस्जिद ही रही है। यहां नमाज पढ़ी जाती रही है। मस्जिद से जुड़े सारे दस्तावेज उनके पास हैं। ऐसे में इस पूरे मामले में अनावश्यक विवाद को जन्म दिया जा रहा है।

वाराणसी स्टेशन आपको मिलेगी दर्शन और अन्य सुविधाओं की जानकारी

महानगर नेटवर्क

वाराणसी

अब कैंट स्टेशन पर ट्रेन से उतरते ही यात्रियों को स्टेशन समेत काशी भ्रमण से जुड़ी सभी जानकारियां मुहैया कराई जाएंगी। चाहे वह काशी दर्शन हो, यहां ठहरने की सुविधा हो या फिर खानपान से जुड़ी अन्य कोई अन्य जानकारी। साथ ही लोगों को चिकित्सकीय सुविधाओं के लिए भी परेशान नहीं होना पड़ेगा। सोमवार को कैंट स्टेशन के यात्री हॉल पूछताछ काउंटर के पास जन सुविधा हेल्ड डेस्क का शुभारंभ हुआ है। रेल अधिकारियों ने बताया कि इस केंद्र का उद्देश्य वाराणसी आने वाले श्रद्धालुओं, पर्यटकों और यात्रियों को एक ही स्थान पर यात्रा, ठहराव और दर्शन से जुड़ी सुविधाएं उपलब्ध कराना है। पहले चरण में यात्रियों को होटल बुकिंग सहायता, टैक्सी, लोकल ट्रांसपोर्ट सेवा, टूर एवं ट्रैवल पैकेज, मंदिर दर्शन की सुविधा और स्थानीय पर्यटन गाइडेंस जैसी सेवाएं दी जा रही हैं। यात्रियों की सुविधा को और बेहतर बनाने के लिए आगामी 15 दिनों में ट्रॉली सेवा और व्हीलचेयर सेवा भी शुरू होगी। ट्रॉली सेवा का लाभ भारी सामान ले जाने वाले यात्रियों को मिलेगा।

सिरकोनी वार्ड 54 की पुर्नमतगणना संपन्न

महानगर नेटवर्क

जौनपुर

ब्लाक के सहायक विकाश अधिकारी कार्यालय में बनाये गये पुर्नमतगणना केन्द्र में मंगलवार को एडीजे प्रथम न्यायालय के निर्देश पर मतों की गिनती की गयी। जिसमें पूर्व में विजयी रही सरिता 228 मत पाकर पुनः एक वोट से विजयी रही। वहीं कोर्ट में याचिका दायर करने वाली उनकी प्रतिद्वन्दी नीतू सिंह को 227 मत मिले। इस दौरान ब्लाक परिसर में भारी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहे। मतों की गिनती सुबह 10 बजे के बाद शुरू की गयी। और दोपहर के 12 बजकर 30 मिनट तक गिनती पूरी कर ली गयी। पुनर्मतगणना को सम्पन्न कराने में उपजिलाधिकारी सदर संतबीर सिंह प्रभारी अधिकारी मतगणना और जलालपुर बीडीओ को सहायक प्रभारी अधिकारी मतगणना बनाया गया था। सुरक्षा व्यवस्था की दृष्टि से सीओ केराकत सहित जलालपुर और जफराबाद थाने की भारी संख्या में पुलिस बल तैनात रही। पुर्नमतगणना से संतुष्ट नही

सरिता पुनः एक मत से विजयी

है नीतू सिंह के अभिभावक, जायेगें पुनः कोर्ट मतगणना केन्द्र पर मतों की रिकाउन्टिग करा रहे नीतू सिंह के श्वसुर कमला प्रसाद सिंह मतों की गिनती कराने पर लगे अधिकारियों की गिनती प्रणाली से असन्तुष्ट दिखे। उन्होने कहा कि कोर्ट का बाकायदा निर्देश है कि बूथ संख्या 20,21,22, में पड़े मतों की पूर्नमतगणना की जाये। लेकिन अधिकारियों द्वारा 22 बूथ संख्या में पड़ने वाले पेटी संख्या 7 तक की गणना की गयी। पेटी संख्या 8 की गणना नही की गयी। इसी बात को लेकर वह पूर्व में न्यायालय की शरण में गये थे। 44 महीना 80 तारीख, फिर भी मामला जस का तस जुलाई 2021 में वार्ड संख्या 54 कुद्दूपुर की रिकाउन्टिंग के लिये न्यायालय की शरण में गये नीतू सिंह के श्वसुर ने बताया कि फाइलों और अधिकारियों के तलब से लेकर आदेश तक कुल 44 माह का एक लम्बा समय बीत गया इस दौरान कुल लगभग 80 तारीखें भी पड़ीं , लेकिन पुनः उसी प्रक्रिया से पुनर्मतगणना कराई गयी।

BJP पार्षद को ही जान से मारने की मिली धमकी

महानगर नेटवर्क

गोरखपुर

गोरखपुर में मनबढ़ों ने सतारूढ़ दल BJP के ही पार्षद को खुलेआम धमकी दे दिया। जानकारी के मुताबिक महानगर के वार्ड संख्या 50 कल्याणपुर वार्ड के BJP पार्षद शिवेंद्र मिश्र को जान से मारने की धमकी मिली है। हैरानी की बात हैं कि पार्षद की शिकायत पर दो बार आरोपियों को बुलाया गया लेकिन थाने से ही छोड़ दिया गया। जब पार्षद ने CO कोतवाली ओंकार त्रिपाठी को सूचना दी तो तहरीर प्राप्त कर केस दर्ज किया गया। तिवारीपुर थाने में दो आरोपियों प्रदीप सिंह व मुकेश सिंह के विरुद्ध केस दर्ज किया गया है। भाजपा पार्षद ने बताया कि उनके वार्ड में सड़क निर्माण का कार्य चल रहा है। वह लगातार इसका निरीक्षण करते हैं। वहां रहने वाले प्रदीप सिंह और मुकेश सिंह कालोनी में घूम-घूम कर जान से मारने की धमकी दे रहे हैं।

पुलिस करती रही हीला हवाली

इंस्टा पर दोस्ती, प्यार और संबंध

बॉयफ्रेंड के तिलक में पहुंच गई 3 बच्चों की मां, साथ में पति भी आया

महानगर नेटवर्क

अमेठी

अमेठी जिले में एक तिलक समारोह में एक विवाहित महिला ने जमकर हंगामा काटा। दरअसल, महिला का एक युवक के साथ इंस्टा पर प्रेम प्रसंग चल रहा था। महिला को जानकारी मिली की उसका प्रेमी किसी अन्य युवती से शादी करने वाला है। जिसके बाद वो अपने पति के साथ दिल्ली से अमेठी पहुंची और युवक पर धोखा देने और दुष्कर्म करने का आरोप लगाया। वहीं जब मामला पुलिस तक पहुंचा तो दोनों को थाने बुलाकर कार्रवाई शुरू हुई। जानकारी के मुताबिक मामला

अमेठी जिले के बाजारशुक्ल थाने का है। खेममऊ गांव का रहने वाला युवक रोजगार की तलाश में गुजरात के अहमदाबाद गया था, जहां वो एक पिज्जा सेंटर में काम करता था। वहीं काम करने के दौरान उसको इंस्टा पर दिल्ली की रहने वाली एक महिला से उसकी दोस्ती हो गई है। धीरे-धीरे दोनों की दोस्ती प्रेम प्रसंग में बदल गई। महिला दिल्ली में रहती है और तीन बच्चों की मां है।

इंस्टाग्राम पर हुई दोस्ती

महिला ने युवक पर आरोप लगाया कि उसके प्रेमी ने ब्यूटी पार्लर सिखाने वाली लड़कियों को इंस्टाग्राम पर फॉलो करते हुए उसका मोबाइल नंबर ले लिया था। दोनों के बीच बातचीत होने लगी और उनका रिश्ता भावनात्मक रूप से जुड़ गया। उसके बाद होटल में कई बार मिलने के बाद उनके बीच संबंध भी बने। महिला ने प्रेमी पर आरोप लगाया कि उसने सारी बाते उसके पति और भाई को बताकर उसके पारिवारिक जीवन को तबाह करने की धमकी दी थी।

'सासू मां' से पहले पड़ोसी गांव की महिला को भगा ले गया था राहुल

'कलयुगी' दामाद की करतूतें उड़ा देंगी होश

महानगर नेटवर्क

अलीगढ़

उत्तर प्रदेश का अलीगढ़ इन दिनों सास-दामाद की प्रेम कहानी को लेकर चर्चा में बना हुआ है। जो भी सास-दामाद की इस प्रेम कहानी घटना को सुन रहा है, उसके होश उड़ जा रहे हैं। राहुल अपने दोस्तों संग मिलकर सास को कुछ दिन पहले भगा ले गया था। जिसके बाद से पुलिस इन दोनों की तलाश में जुटी हुई है। पुलिस ने राहुल के दोस्तों और उसके जीजा को हिरासत में ले लिया है।

दोनों दो महीने बाद वापस आ गए थे

6 अप्रैल को सामने आए इस मामले में एक और खुलासा हुआ है। पुलिस के अनुसार, राहुल पहले भी पड़ोस के गांव की एक महिला को भगा ले गया था। दोनों दो महीने बाद वापस आ गए थे। हालांकि महिला के परिवार ने पुलिस में इसकी शिकायत नहीं की थी। इसलिए पुलिस की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई थी।

लोकबंधु अस्पताल में लगी भयंकर आग

महानगर नेटवर्क

लखनऊ

लखनऊ के लोकबंधु अस्पताल में आग पर काबू पाने के बाद अब कारणों की जांच शुरू हो गई है। शुरुआती जांच में पता चला है कि रात करीब 10 बजे आग अस्पताल के दूसरे फ्लोर पर लगी और उसने थोड़ी दी देर में विकराल रूप ले लिया। अभी तक की जांच में पता चला है कि आग शॉर्ट सर्किट से लगी जिसकी वजह से धुएं और लपटों से पूरा फ्लोर भर गया। मरीजों, तीमारदारों और डॉक्टरों में भगदड़ मच गई। इस बीच खबर है कि ऑक्सीजन सप्लाई बंद होने से 61 वर्षीय बुजुर्ग की मौत हो गई है।

सीएम योगी ने खुद संभाला मोर्चा

जैसे ही ये खबर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तक पहुंची वो एक्टिव हुए और खुद मोर्चा संभाला। उन्होंने तुरंत डिप्टी सीएम बृजेश पाठक को मौके पर भेजा। उससे पहले पूरे लखनऊ का प्रशासनिक अमला मौके पर पहुंच चुका था। सबसे पहले अस्पताल प्रशासन ने मरीजों को रेस्क्यू करने का काम शुरू किया उन्हें आसपास के अलग-अलग अस्पतालों में भेजा गया। आगजनी के बाद अस्पताल से निकाले गए 200 मरीजों को सिविल, बलरामपुर, केजीएमयू, लोहिया व अन्य अस्पतालों में शिफ्ट किया गया। फौरन फायर ब्रिगेड की टीम भी मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया गया।

200 मरीजों को बचाया गया, एक की मौत

200 मरीजों को दूसरी जगह शिफ्ट किया

आग की ऊंची उठ रही लपटों को देखकर अस्पताल में मौजूद हर शख्स सुरक्षित जगह तलाशने लगा। जिस दूसरे फ्लोर पर आग लगी वहां पर बच्चों का NICU है। साथ ही इसी फ्लोर पर महिलाओं की युनिट भी। फौरन मरीजों को बाहर निकालने का काम शुरू हुआ। पूरे अस्पताल में करीब 200 मरीज थे, थोड़ी ही देर में सबको बाहर निकाल लिया गया।

सामूहिक दुष्कर्म मामले में डीसीपी वरुणा किए गए डीजीपी ऑफिस अटैच

पीएम मोदी ने लिया था संज्ञान

वाराणसी। कमिश्नरेट के वरुणा जोन की 19 वर्षीय युवती से सामूहिक दुष्कर्म के मामले में त्वरित गति से तरीके कार्रवाई न हो पाने का खामियाजा डीसीपी चंद्रकांत मीना को भुगताना पड़ा। सोमवार की देर रात 2018 बैच के आईपीएस चंद्रकांत मीना को डीजीपी ऑफिस से अटैच कर दिया गया। पुलिस कमिश्नरेट के वरुणा जोन के लालपुर पांडेयपुर थाना क्षेत्र की 19 वर्षीय एक युवती से शहर के अलग-अलग इलाकों में गत 29 मार्च से 3 अप्रैल तक सामूहिक दुष्कर्म किया गया। मामले को लेकर लालपुर पांडेयपुर थाने में 12 नामजद और 11 अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। 11 अप्रैल को काशी आए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वारदात का संज्ञान लिया और पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल को त्वरित गति से प्रभारी कार्रवाई का निर्देश दिया। इस मामले में अज्ञात आरोपियों को चिन्हित करने का काम पुलिस कर ही रही थी कि तब तक सोमवार को एक 5 वर्षीय मासूम से दुष्कर्म की वारदात की एफआईआर लालपुर पांडेयपुर थाने में दर्ज की गई। इस पर प्रदेश सरकार ने डीसीपी वरुणा जोन चंद्रकांत मीना के पर्यवेक्षण में खामी पाते हुए उन्हें डीजीपी ऑफिस से अटैच कर दिया।

राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि मामले में सुनवाई 28 अप्रैल तक टली

महानगर नेटवर्क

सुलतानपुर

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और रायबरेली से सांसद राहुल गांधी के खिलाफ चल रहे मानहानि मामले में मंगलवार को सुनवाई होनी थी, लेकिन वादी की तरफ से गवाह पेश नहीं होने के कारण यह सुनवाई नहीं हो सकी। अदालत ने इस मामले में अगली सुनवाई के लिए 28 अप्रैल की तिथि नियत की है।

3 अप्रैल को हुई थी पिछली सुनवाई

राहुल गांधी के वकील काशी प्रसाद शुक्ला ने बताया कि मंगलवार को मानहानि मामले में सुनवाई होनी थी, लेकिन वादी की तरफ से गवाह न पेश होने पर कोई कार्रवाई नहीं हो

सकी। अदालत ने अगली सुनवाई के लिए 28 अप्रैल की तिथि नियत की है। पिछली सुनवाई 3 अप्रैल को हुई थी। वादी के अधिवक्ता संतोष कुमार पांडेय ने बताया कि आज गवाह का बयान होना था। उन्होंने बताया कि गवाह आया था, लेकिन उसकी तबियत ठीक न होने के कारण बयान नहीं हो सका। यह मामला 2018 का है।

मां को ढूंढते हुए मुंबई से झांसी पहुंचा बच्चा

- बोला- स्कूल से लौटा तो घर में मम्मी नहीं दिखीं
- ट्रेन में चढ़ा, तभी गाड़ी चल दी

महानगर नेटवर्क

झांसी

झांसी के रेलवे स्टाफ को सोमवार रात ट्रेन में 5 साल का बच्चा मिला। वह अपनी मां की तलाश में मुंबई से झांसी पहुंच गया। जब उसे इस बात का एहसास हुआ कि वह अपने घर से बहुत दूर आ गया है तो डर गया। झांसी के रेलवे स्टाफ ने बच्चे को अपनी देखरेख में रखा है। अब उसके परिवार से संपर्क किया जा रहा है।

1,115 किलोमीटर दूर मुंबई से झांसी पहुंचे 5 साल के बच्चे ने बताया कि वह मुंबई के ठाणे का रहने वाला है। उसकी मां का नाम

सक्को और पिता का नाम रोहित है। उसका एक बड़ा भाई भी है, जो काम करने जाता है। बोला कि जब वह स्कूल से घर आया तो मां घर में नहीं मिली। पिता काम पर चले गए थे। उसे मां की याद आ रही थी, इसलिए वह उसे ढूंढने के लिए ट्रेन में बैठ गया था, लेकिन ट्रेन चलने लगी। उसे ये नहीं मालूम कि कहां जाना है।

रात 10.10 बजे झांसी में बच्चे को ट्रेन से उतारा

झांसी के रेलवे कंट्रोल रूम को TTE प्रदीप कुमार त्रिपाठी ने सूचना दी थी कि वह ट्रेन नंबर 20103 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस में तैनात हैं। उनके पास 5 साल का बच्चा है, जो घर से भागा हुआ लग रहा है। इस पर कंट्रोल रूम ने झांसी स्टेशन के डिप्टी एसएस एसके नरवरिया को सूचित किया।

अलीगढ़ समेत कई जिला मुख्यालय को बम से उड़ाने की धमकी

मचा हड़कंप; ऑफिस में ताला लगाकर निकले कर्मचारी

महानगर नेटवर्क

अलीगढ़

कलेक्ट्रेट परिसर को ई-मेल के जरिए मंगलवार दोपहर आरडीएक्स से उड़ाने की धमकी दी गई है। जिससे सनसनी फैल गई। पूरे परिसर की बम निरोधक दस्ते और डॉग स्क्वाइड से चेकिंग कराई गई है। बताया जा रहा है कि अलीगढ़ समेत कई जिलों की कलक्ट्रेट को उड़ाने की धमकी मिली है। स्थानीय स्तर पर इसकी जांच कराई जा रही है। कलक्ट्रेट से आधे से ज्यादा कर्मचारी अपने कार्यालयों में ताला लगा कर चले गए। वहीं बाराबंकी जिलाधिकारी कार्यालय में बम होने की सूचना पर हड़कंप

मच गया। बम डिस्पोजल टीम और पुलिस फोर्स सर्च अभियान चला रही है। एक-एक कमरे और अलमारियों की तलाशी ली जा रही है। यह सूचना तमिलनाडु से डीएम को मेल पर भेजी गई है। मंगलवार दोपहर करीब डेढ़ बजे अचानक तमिलनाडु से एक मेल आया, जिसमें बाराबंकी जिलाधिकारी के कार्यालय में बम होने की सूचना दी गई।

नया वक्फ कानून बनते ही यूपी के इस दरगाह की शुरू हुई जांच

महानगर नेटवर्क

संभल

नया वक्फ कानून बनने के बाद उत्तर प्रदेश के संभल जिले की पहली संपत्ति की जांच शुरु हो गई है। मंगलवार को जनैटा शरीफ दरगाह की पैमाइश के लिए राजस्व विभाग की टीम पहुंची। आरोप है कि बगैर मुतवल्ली छःसाल से दरगाह के नाम पर करोड़ों अवैध वसूली की गई है। इतना ही नहीं दरगाह के नाम पर सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा भी किया गया है। अवैध वसूली और सरकारी जमीन पर कब्जे की शिकायत के बाद 10 लेखपालों के साथ राजस्व विभाग की टीम जनैटा शरीफ दरगाह पहुंची और जमीन की पैमाईश की गई। जमीन की पैमाइश की रिपोर्ट जिलाधिकारी को भेजी जाएगी। आरोप सही पाए जाने पर कड़े एक्शन की बात भी निकलकर सामने आ रही है। बता दें कि चंदौसी तहसील के बनियाठेर क्षेत्र में दादा मौ। आजमिया शाह की मजार है जिसे जनैटा शरीफ दरगाह कहा जाता है। आरोप है कि इस दरगाह पर 2019 से कोई मुतवल्ली नहीं है। फिर भी यहां से हर महीने 15-20 लाख रुपए की वसूली हो रही है। साथ ही यह भी आरोप है कि दरगाह के नाम पर सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा भी किया गया है।

मुख्यमंत्री पोर्टल पर की गई थी शिकायत

दरअसल, इसकी शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल पर मोहम्मद जावेद नाम के व्यक्ति ने की थी। उसने जानकारी देते हुए बताया था कि वक्फ की जमीन पर अवैध कब्जा किया गया है। साथ ही दरगाह के नाम पर सरकारी जमीन पर भी कब्जा किया गया है। वहां पर एक झोला छाप डॉक्टर अस्पताल भी चला रहा है। इस शिकायत के बाद डीएम ने जांच के आदेश दिए हैं। अब 2019 से 2025 तक हुई आमदनी की जांच की जा रही है। साथ ही यह भी पता लगाया जा रहा है कि आपसे किस खाते में गए।

घोर कलयुग, संतान ने वृद्ध मां को घर से निकाला

मंदिर पर रहने को मजबूर है वृद्ध महिला

कोपागंज थाना क्षेत्र के एक युवक ने अपनी मां को घर से बाहर निकाल दिया है। जिससे महिला मजबूर होकर कोपागंज गौरी-शंकर मंदिर पर रहने को बाध्य है। भेलाबांध गांव निवासी धनेशरी देवी (70) ने बताया कि जिस एकलौते को उन्होंने पढ़ा लिखाकर बड़ा किया। बताया कि गत दिनों उसे उसके बहु ने मारपीट कर उसे घर से बाहर निकाल दिया, यह सब देखकर भी उसके बेटे ने इसका विरोध नहीं किया।वह बीते दो दिन से गौरीशंकर मंदिर पर रह रही है। वृद्धा ने बताया कि उसने इसकी शिकायत थाने पर की है, लेकिन उसे अब तक इंसाफ नहीं मिला। उधर मंदिर में रह रही वृद्धा को मंदिर पुजारी चन्द्र मौली द्वारा महिला के खानपान का ध्यान रखा जा रहा है।

अच्छे या बुरे कर्मो का फल हमें जरूर भुगतना पडता हैः डां कौशलेंद्र महाराज

महानगर नेटवर्क

लखनऊ

मनकामेश्वर शनि हनुमान मंदिर सुरेन्द्र नगर कमता लखनऊ में चल रही कथा में डां कौशलेंद्र महराज ने कहा कि अपनी अमृतमयी वाणी से कथा का वाचन शुरू करते हुए कहा कि भागवत अवरोध मिटाने वाली उत्तम अवसाद है। भागवत का आश्रय करने वाला कोई भी दुखी नहीं होता है। भगवान शिव ने शुकदेव बनकर सारे संसार को भागवत सुनाई है। श्रोताओं को कर्मो का सार बताते हुए कहा कि अच्छे और बुरे कर्मो का फल भुगतना ही पडता है। उन्होंने भीष्म पितामह का उदाहरण देते हुए कहा कि भीष्म पितामह 6 महीने तक वाणों की शैय्या पर लेटे थे। जब भीष्म

पितामह वाणों की शैय्या पर लेटे थे तब वे सोच रहे थे कि मैंने कौन सा पाप किया है जो मुझे इतने कष्ट सहन करना पड रहे है। उसी वक्त भगवान कृष्ण भीष्म पितामह के पास आते है। तब भीष्म पितामह कृष्ण से पूछते है कि मैंने ऐसे कौन से पाप किये है कि वाणो की शैय्या पर लेटा हूं पर प्राण नहीं निकल रहे है। तब भगवान कृष्ण ने भीष्म पितामह से कहा कि आप अपने पुराने जन्मों को याद करो और सोचो कि आपने कौन सा पाप किया है। भीष्म पितामह बहुत ज्ञानी थे। उन्होंने कृष्ण से कहा कि मैंने अपने पिछले जन्म में रतीभर भी पाप नहीं किया है। इस पर कृष्ण ने उन्हें बताते हुए कहा कि पिछले जन्म में जब आप राजकुमार थे और घोडे पर सवार होकर कहीं जा रहे थे।

नितिन गडकरी का ऐलान

मुंबई-गोवा हाईवे जून तक होगा पूरा

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि मुंबई-गोवा हाईवे का निर्माण कार्य जून तक पूरा हो जाएगा। यह वही हाईवे है, जो वर्षों से गड्ढों और अधूरे हिस्सों की वजह से यात्रियों की परेशानी का सबब बना हुआ था। अब इसके पूरा होने से रोजाना सफर करने वाले लोगों और खासकर कोंकण की ओर जाने वाले यात्रियों को काफी राहत मिलेगी।

देशभर से हटेंगे फिजिकल टोल बूथ

सोमवार को मुंबई के दादर इलाके में 'अमर हिंद मंडल' द्वारा आयोजित वसंत व्याख्यानमाला कार्यक्रम में बोलते हुए गडकरी ने दोहराया कि जल्द ही पूरे देश से फिजिकल टोल बूथ हटाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार एक नई टोल नीति पर काम कर रही है, जिसे जल्द लागू किया जाएगा। गडकरी ने देश के इन्फ्रास्ट्रक्चर को लेकर भरोसा जताते हुए कहा, "अगले दो वर्षों में भारत की सड़कें अमेरिका से भी बेहतर हो जाएंगी।" उन्होंने कहा कि हाईवे और रोड नेटवर्क में हो रहा सुधार देश के विकास के लिए बेहद जरूरी है, और सरकार इसी दिशा में तेजी से काम कर रही है।

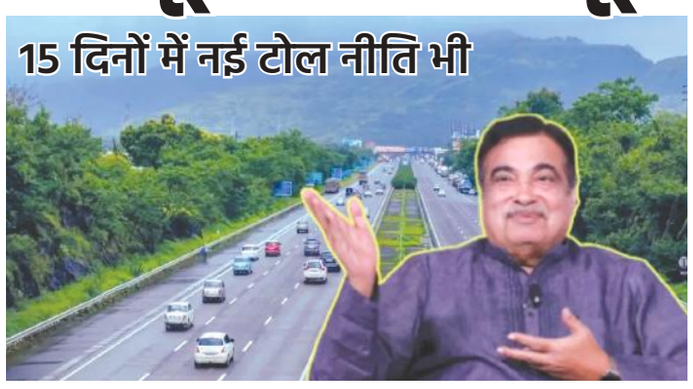

15 दिनों में नई टोल नीति भी

'दो साल में अमेरिका से बेहतर होगी भारत की सड़कें'

गडकरी ने देश के इन्फ्रास्ट्रक्चर को लेकर भरोसा जताते हुए कहा, "अगले दो वर्षों में भारत की सड़कें अमेरिका से भी बेहतर हो जाएंगी।" उन्होंने कहा कि हाईवे और रोड नेटवर्क में हो रहा सुधार देश के विकास के लिए बेहद जरूरी है, और सरकार इसी दिशा में तेजी से काम कर रही है।

कोंकण क्षेत्र के विकास को मिलेगा बढ़ावा

मुंबई और गोवा के बीच बन रहे इस नेशनल हाईवे से इन दोनों जगहों के बीच यात्रा का समय काफी घटेगा। साथ ही, इससे कोंकण क्षेत्र में विकास की रफ्तार को भी नया जोश मिलेगा। लंबे समय से अधूरे इस प्रोजेक्ट को लेकर गडकरी ने माना कि इसे पूरा करने में कई अड़चनों का सामना करना पड़ा।

दिल्ली में EWS सर्टिफिकेट जारी करने पर लगी रोक

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी ने बड़ा दावा किया है। पार्टी का कहना है कि दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली में EWS सर्टिफिकेट जारी करने पर रोक लगा दी है। आप के वरिष्ठ नेता सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली की मुख्यमंत्री ने आदेश दिया है कि दिल्ली के अंदर अब ईडब्लूएस सर्टिफिकेट नहीं बनेंगे। उन्होंने कहा, आदेश देते हुए कहा गया है कि ईडब्लूएस सर्टिफिकेट बनाने में कुछ खामियां पाई गई हैं, इसलिए सर्टिफिकेट जारी करने पर अगले आदेश तक रोक लगा दी जाए। सौरभ भारद्वाज ने कहा, सरकार ने स्कूल-कॉलेजों में 10 फीसदी EWS का आरक्षण दे रखा है और अब इससे छात्रों को दिक्कत होगी। अस्पतालों में EWS प्रमाण पत्र के आधार पर आरक्षण मिलता है लेकिन अब यह संभव नहीं हो पाएगा।आप नेता ने कहा, अगर EWS प्रमाण पत्र गलत बने थे तो बीजेपी ने अपने कितने अधिकारियों को सजा दी? उन्होंने कहा, EWS सर्टिफिकेट रोकने के पीछे कारण बताया है कि कई EWS सर्टिफिकेट गलत बन गए हैं। अब सरकार बताये कि गलत EWS Certificate बनाने वाले कितने SDM और DM के ऊपर एक्शन लिया गया?

राहुल गांधी ने बनाया कांग्रेस में 'जान फूंकने वाला प्लान'

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को गुजरात के अरावली जिले के मोडासा में 'संगठन सृजन अभियान' की शुरुआत की। इसका उद्देश्य जिला कांग्रेस कमेटियों को सशक्त बनाकर पार्टी को मजबूत बनाने के लिए पार्टी में सुधार करना है। पार्टी के अभियान की शुरुआत करने के लिए राहुल गांधी दो दिवसीय गुजरात दौरे पर आए हैं। एक हफ्ते पहले अहमदाबाद में कांग्रेस कार्य समिति (CWC) और अखिल भारतीय कांग्रेस समिति (AICC) की बैठक के दौरान भी इस प्रतिबद्धता को दोहराया गया था। कांग्रेस के महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने राहुल गांधी के दौरे के बारे में बात करते हुए एक्स पर लिखा, "आज और कल, राहुल गांधी इस प्रक्रिया को शुरू करने के लिए गुजरात में होंगे। वह अरावली

PM नरेंद्र मोदी के गुजरात से की शुरुआत

जिले के मोडासा में कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान का शुभारंभ करेंगे। इसका पहला उद्देश्य जिला कांग्रेस समितियों और उनके अध्यक्षों को सशक्त बनाकर और जवाबदेही की एक नई प्रणाली शुरू करके पार्टी संगठन को मजबूत करना है।"

गौरतलब है कि राहुल गांधी ने पहले गुजरात में कांग्रेस कार्यकर्ताओं से कहा था कि पार्टी से कुछ ऐसे लोगों को बाहर निकालने की जरूरत है जो भाजपा के साथ मिले-जुले हैं। राहुल गांधी ने 9 मार्च को पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा था, "अगर हमें (लोगों के साथ) रिश्ता बनाना है, तो हमें दो काम करने होंगे, पहला काम इन दो समूहों (वफादारों और भाजपा समर्थकों) को अलग करना है, सख्त कार्रवाई करनी होगी।

बिहार को लेकर भी कांग्रेस कर रही तैयारी

पार्टी में बदलाव को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस ने इस साल के अंत में होने वाले बिहार चुनाव के लिए अपने गठबंधन सहयोगी के साथ चुनावी रणनीति पर चर्चा भी शुरू कर दी है। इससे पहले आज दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष के आवास पर कांग्रेस नेताओं और राष्ट्रीय जनता दल के बीच बैठक भी हुई। तेजस्वी यादव के साथ बैठक के दौरान राहुल गांधी भी मौजूद थे।

वक्फ कानून पर बोले रिजिजू

इसका मकसद पिछली गलतियों में सुधार करना

यह मुस्लिम समुदाय के खिलाफ नहीं

कोच्चि। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने मंगलवार को वक्फ अधिनियम में संशोधन करने के उद्देश्य के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अधिनियम में संशोधन मुस्लिम समुदाय को लक्षित करने के लिए नहीं किया गया है, बल्कि इसका उद्देश्य पिछली गलतियों में सुधार करना है। रिजिजू का यह बयान ऐसे समय में आया है, जब विभिन्न मुस्लिम संगठन कानून में संशोधन करने को लेकर विरोध कर रहे हैं और पश्चिम बंगाल में हिंसक हो गए हैं।

रिजिजू ने कोच्चि में एक प्रेस वार्ता की। इस दौरान उनके साथ केंद्रीय राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन और राज्य भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर भी मौजूद रहे। पत्रकारों को संबोधित करते हुए रिजिजू ने कहा कि केंद्र सरकार का इरादा साफ है। सरकार यह सुनिश्चित करना चाहती है कि भारत में किसी की जमीन को 'जबरन और एकतरफा' छीनने का कोई प्रावधान न हो। रिजिजू ने आगे कहा कि वक्फ कानून में संशोधन इसलिए किया गया, क्योंकि इसके कुछ प्रावधानों ने 'वक्फ बोर्डों को अभूतपूर्व शक्ति और अधिकार' दे दिए हैं। उन्होंने कहा कि वक्फ अधिनियम में संशोधन के बाद किसी भी भूमि को मनमाने तरीके से वक्फ संपत्ति घोषित नहीं किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि वक्फ कानून मुस्लिम समुदाय के खिलाफ नहीं है। यह अतीत की गलतियों को सुधारने के लिए है।

प्रयागराज में दलित की हत्या पर एक्शन

आरोपियों की संपत्ति पर गरजा बुलडोजर

महानगर नेटवर्क

प्रयागराज

प्रयागराज में दलित युवक की हत्या पर योगी सरकार ने सख्त रुख अख्तियार किया है। आरोपियों पर बुलडोजर एक्शन हुआ है। पुलिस ने बुलडोजर से आरोपियों के अवैध कब्जे को धराशाई कर दिया है। हत्याकांड को लेकर परिजनों और ग्रामीणों में आक्रोश को देखते हुए प्रशासन मंगलवार को भी सतर्क रहा। परिजन लगातार बुलडोजर एक्शन की मांग कर रहे थे। इससे पहले सोमवार परिजन व ग्रामीण पूरे दिन हंगामा करते रहे। आरोपितों के घर पर धावा बोलने का भी प्रयास किया। ग्रामीणों ने चक्काजाम कर शासन-प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। देर शाम पुलिस ने हत्याकांड मामले में आठ आरोपियों को जेल भेज दिया। एक नामजद फरार आरोपी की तलाश में पुलिस जुटी है। करछना थाना क्षेत्र के इसौटा गांव में अशोक कुमार के बेटे देवी शंकर का रविवार की सुबह बगीचे में अधजला शव मिला था। मृतक के पिता की

अवैध कब्जा धराशाई

तहरीर पर पुलिस ने हत्या का मुकदमा दर्ज किया है। घटना के बाद राजनीतिक दलों के नेताओं व जनप्रतिनिधियों का तांता लगा रहा। वहीं आक्रोशित ग्रामीणों व भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को करछना कोहड़ार मार्ग पर हनुमानपुर मोरी के समीप चक्काजाम करने का प्रयास किया। प्रभारी निरीक्षक अनूप सरोज ने मयफोर्स पहुंचकर आक्रोशित लोगों को समझाकर शांत कराया। हालांकि दो घंटे बाद दोपहर लगभग दो बजे हनुमानपुर-लोंहदी मार्ग पर इसौटा मोड़ के समीप चक्काजाम कर दिया। आक्रोशित लोगों ने शासन-प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। मृतक के बच्चों के नाम जमीन का पट्टा कराने व आरोपितों के घर बुलडोजर चलवाने की मांग की। करछना एसडीएम तपन मिश्र व एसीपी वरुण कुमार ने पुलिस बल के साथ पहुंचकर जल्द ही जमीन के पट्टा की कार्रवाई पूरी करने का आश्वासन देकर शांत कराया। एसीपी वरुण कुमार ने बताया कि हत्याकांड में आठ आरोपितों को जेल भेज दिया गया है। वहीं एक नामजद सहित अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है।

शराब पिलाकर गला दबा दिया

एसीपी वरुण कुमार ने बताया कि मृतक देवी शंकर के हत्यारोपी के परिवार की एक युवती से नजदीकी संबंध थे। इससे नाराज होकर साजिश के तहत देवी शंकर को बहाने से बुलाया गया। फिर शराब पिलाने के बाद गला दबाकर मौत के घाट उतार दिया गया। इसके बाद आरोपियों ने लाश को जलाकर नष्ट करने की कोशिश की।

शरबत विवाद में कूदे दिग्विजय सिंह

- बोले- बाबा रामदेव पर केस दर्ज हो
- कोर्ट जाने की भी बात कही

भोपाल। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह शरबत विवाद में कूद पड़े हैं। उन्होंने योग गुरु बाबा रामदेव पर केस दर्ज करने की मांग की है। उन्होंने इसके लिए भोपाल पुलिस को आवेदन दिया है। कहा है कि अगर थाने में केस दर्ज नहीं की गई तो वे कोर्ट जाएंगे। उन्होंने इसे 'हेट स्पीच' से जुड़ा मामला बताया है। कांग्रेस के राज्यसभा सांसद और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने देश में इन दिनों चल रहे कथित 'रूहअफजा' शरबत विवाद के बीच बाबा रामदेव पर करने के लिए भोपाल पुलिस को आवेदन दिया है। सिंह ने मंगलवार को इस संबंध में पत्रकारों को जानकारी दी। कहा कि उन्होंने पुलिस को केस दर्ज करने के लिए आवेदन दिया है। अब वे एक सप्ताह तक इंतजार करेंगे। अगर एक सप्ताह में केस दर्ज नहीं हुआ तो वे कोर्ट की शरण लेंगे। सिंह ने अपने आवेदन में कहा कि पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड कंपनी के बाबा रामदेव ने अपना व्यापार बढ़ाने के उद्देश्य से अपनी एक्स आईडी से एक वीडियो प्रसारित किया है। इसमें रामदेव ने पतंजलि के गुलाब शरबत की मार्केटिंग करते हुए कहा कि शरबत की एक कंपनी शरबत से मिले पैसे से मदरसे और मस्जिद बनवाती है। आप यदि वह शरबत पियेंगे तो मस्जिद और मदरसे बनेगें और पतंजलि का गुलाब शरबत पीते हैं तो गुरुकुल बनेगें। यह शरबत जिहाद है। सिंह ने कहा कि बाबा रामदेव का यह बयान धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाला है। साथ ही उन्होंने इसे 'हेट स्पीच' बताया। उन्होंने टीटी नगर थाना प्रभारी के नाम आवेदन लिखा है। इसमें उन्होंने लिखा है कि रामदेव द्वारा अपने उत्पाद की बिक्री बढ़ाने के लिए धार्मिक भावनाओं को भड़काया है। कांग्रेस नेता ने कहा कि बाबा रामदेव ने अपने वीडियो से देशवासियों के बीच घृणा, नफरत और द्वेष फैलाने का जो कार्य किया गया है, वह अत्यंत गंभीर अपराध की श्रेणी में आता है।

सुप्रीम कोर्ट के जज ने की पीएम मोदी की तारीफ

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस बीआर गवई ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि हमारे पास ऐसे प्रधानमंत्री है जो कि गर्व से कहते हैं कि मैं संविधान की वजह से यहां तक पहुंचा हूं। उन्होंने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री बहुत ही पिछड़े वर्ग और नम्र परिवार से आते हैं। उन्होंने कहा, मेरे सुप्रीम कोर्ट के जज बनने का पूरा श्रेय हमारे संविधान को जाता है।

उन्होंने कहा, अगर मैं खुद के बारे में बताऊं तो मेरा यह सौभाग्य है मेरा जन्म उस पिता के घर में हुआ जो कि डॉ. आंबेडकर के साथ काम करते थे। उन्होंने सामाजिक न्याय के लिए लड़ाई लड़ने वाले एक योद्धा की सेवा की है। मैं यहां केवल डॉ. आंबेडकर और भारत के संविधान की वजह से पहुंचा हूं। जस्टिस गवई दिल्ली सरकार के आंबेडकर जयंती पर आयोजित पहले मेमोरियल

लेक्टर के मौके पर बोल रहे थे।

इस लेक्चर का विषय था, राष्ट्र के निर्माण और संविधान में डॉ. आंबेडकर का योगदान। उन्होंने कहा कि डॉ. आँबेडकर जीवन भर देश के लिए काम करते रहे और वह व्यक्तिगत मान अपमान, जाति और विचारधारा से ऊपर उठकर राष्ट्र की सेवा करते रहे। सुप्रीम कोर्ट के जज ने कहा कि न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि देशवासी भारत के संविधान निर्माता के रूप में उनके महानतम योगदान को हमेशा याद रखेंगे।

उन्होंने संविधान तैयार करने में आंबेडकर के योगदान पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि सभी अंगों यानी विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका द्वारा संविधान के कामकाज की पिछले 75 वर्षों की यात्रा संतोषजनक रही है। उन्होंने कहा, 'डॉ. आंबेडकर का संविधान सभा में शुरुआती प्रवेश केवल अनुसूचित जातियों, शोषितों और दलितों के हितों की रक्षा के लिए था तथा आज जब हम उनकी जयंती मना रहे हैं तो मैं इस देश को एक ऐसा संविधान देने में उनके अमूल्य योगदान को याद करता हूं, जो न केवल पिछले 75 साल से समय की कसौटी पर खरा उतरा है बल्कि यह एक ऐसा संविधान है जिसने भारत को मजबूत, स्थिर और एकजुट बनाया है।'

वक्फ ऐक्ट पर बंगाल में हिंसा के बीच ममता बनर्जी के गाने पर भड़के सुभेंदु

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में वक्फ ऐक्ट को लेकर पहले मुर्शिदाबाद और फिर 24 परगना में हुई हिंसा से राज्य का राजनैतिक माहौल गरमा गया है। इसी बीच बंगाली नववर्ष और बंगला दिवस के मौके पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया पर "मैं बंगाली में गाती हूं" लिखकर बधाई संदेश दिया। इस पोस्ट पर तंज कसते हुए बीजेपी के वरिष्ठ नेता सुभेंदु अधिकारी ने सीएम की तुलना रोम के अंतिम राजा नीरो से करते हुए कहा कि जब रोम जल रहा था तब नीरो भी बांसुरी बजा रहा था। ऐसे ही जब राज्य में सांप्रदायिक हिंसा भड़क रही है तो आपका गाना स्वाभाविक है।

पश्चिम बंगाल में नेता सदन सुभेंदु अधिकारी ने तंज कसते हुए लिखा, "आप गाना तो गा रही हैं लेकिन आपके गाने की धुन बेसुरी हो गई है। लोगों को बधाई देने से पहले अगर दंगा करने वालों पर कार्रवाई की गई होती तो राज्य के नागरिक सुरक्षित महसूस करते।" सुभेंदु अधिकारी ने राज्य सरकार द्वारा पिछले साल से शुरू किए गए बंगला दिवस कार्यक्रम के फैसले को इतिहास मिटाने की कोशिश करार देते हुए लिखा कि आज कि आधुनिक भारत में पश्चिम बंगाल को भारत में शामिल करने के प्रयासों में श्यामा प्रसाद मुखर्जी का सबसे महत्वपूर्ण योगदान है। क्योंकि 20 जून 1947 को बंगाल प्रांतीय विधान सभा में एक वोट से पश्चिम बंगाल राज्य की स्थापना का निर्णय लिया गया था। इसलिए 20 जून को ही पश्चिम बंगाल दिवस मनाया जाना चाहिए।

सऊदी से आई खुशखबरी! भारत का हज कोटा बढ़ा

- निजी ऑपरेटरों को भी राहत

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

भारत सरकार ने हज यात्रा 2025 के लिए हज कोटा बढ़ाए जाने की घोषणा की है। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के अनुसार, सऊदी अरब की सरकार के साथ हुए समझौते के तहत भारत का हज कोटा इस साल 175,025 निर्धारित किया गया है, जो पिछले साल 2024 के 170,000 की तुलना में वृद्धि दर्शाता है। यह वृद्धि सरकार के निरंतर प्रयासों का परिणाम है, जिसका उद्देश्य भारतीय मुसलमानों के लिए हज यात्रा को और सुगम बनाना है।

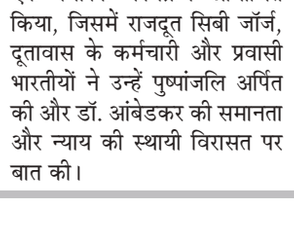

सभी तैयारियां पूरी हुईं

मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भारत सरकार भारतीय मुसलमानों के लिए हज यात्रा को सुविधाजनक बनाने को उच्च प्राथमिकता देती है। इसमें कहा गया है कि अल्पसंख्यक मामलों का मंत्रालय (MoMA) भारतीय हज समिति के माध्यम से मुख्य कोटे के तहत चालू वर्ष में 122,518 तीर्थयात्रियों के लिए व्यवस्था कर रहा है। सरकार की 2025 की हज नीति के अनुसार, भारत को आवंटित कुल हज यात्रियों के कोटे में से 70 प्रतिशत को भारतीय हज समिति द्वारा संभाला जाएगा, जबकि शेष को निजी हज समूह आयोजकों को आवंटित किया जाएगा। सऊदी दिशा-निर्देशों के अनुसार सभी आवश्यक तैयारियां - उड़ानें, परिवहन, मीना शिविर, आवास और सेवाएं - पूरी कर ली गई हैं। बयान में आगे कहा गया है कि शेष कोटा (करीब 52507) निजी टूर ऑपरेटरों को आवंटित किया गया।

स्टालिन ने राज्यों के अधिकारों की रक्षा के लिए गठित की समिति

पूर्व जस्टिस कुरियन जोसेफ होंगे अध्यक्ष

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

तमिलनाडु विधानसभा में एक जोरदार भाषण में एमके स्टालिन ने राज्य के अधिकारों की रक्षा के लिए समिति गठित की। मंगलवार को मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने राज्यों के अधिकारों की रक्षा और भारत के संघीय ढांचे को संतुलित करने के उपायों की समीक्षा और सिफारिश करने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति के गठन की घोषणा की। उन्होंने केंद्र सरकार पर राज्यों की संवैधानिक शक्तियों का बार-बार उल्लंघन करने का आरोप लगाया।

स्टालिन ने कहा, "राज्यों के उचित अधिकारों की रक्षा करने और केंद्र और राज्य सरकारों के बीच संबंधों को बढ़ाने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है।" सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश कुरियन जोसेफ इस पैनल की अध्यक्षता करेंगे जिसमें पूर्व आईएएस अधिकारी अशोक वर्धन शेट्टी और अर्थशास्त्री एम नागनाथन भी शामिल हैं। अशोक शेट्टी पिछली डीएमके सरकार के कार्यकाल के दौरान स्टालिन के साथ जुड़े थे, वहीं नागनाथन एक शिक्षाविद हैं जिन्होंने राज्य योजना बोर्ड में पद संभाले थे। वह डीएमके के साथ अपने घनिष्ठ संबंधों के लिए जाने जाते हैं और सीएम के पिता दिवंगत करुणानिधि के साथ उनके व्यक्तिगत संबंध थे।

ऐसी टिप्पणी की जरूरत क्या थी

रेप पीड़िता को नसीहत पर SC ने हाईकोर्ट को सुनाया

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट के एक विवादास्पद आदेश पर नाराजगी जताई। इस आदेश में रेप पीड़िता के बारे में कहा गया कि उसने "खुद ही मुसीबत को न्योता दिया।" शीर्ष अदालत ने यह सवाल उठाया कि बेल अर्जी पर सुनवाई करते समय ऐसे आपत्तिजनक टिप्पणियां क्यों की गईं। जस्टिस बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने इस टिप्पणी को बेहद असंवेदनशील करार दिया और स्पष्ट शब्दों में कहा कि न्यायपालिका को इस तरह की भाषा से बचना चाहिए। मामला उत्तर प्रदेश के एक रेप केस से जुड़ा है, जहां हाईकोर्ट ने आरोपी को जमानत देते हुए कहा था कि पीड़िता "इतनी समझदार थी कि वह अपने कृत्य के नैतिक पक्ष और उसके महत्व को समझ सकती थी।" पीड़िता एमए की छात्रा है। अदालत ने यह भी टिप्पणी की कि वह शराब के नशे में आरोपी के घर गई और "खुद ही मुसीबत मोल ली।"

बृहन्मुंबई महानगरपालिका

(एसडब्ल्यूएम विभाग – ई.ई. परिवहन पूर्व उपनगर)

क्र. ईई/टीआर./ईएस/523/एसडब्ल्यूएम, दि. 15.04.2025

ई-निविदा सूचना

बोली क्र. : 2025_एमसीजीएम_1170547

बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) द्वारा निम्नलिखित हेतु ऑनलाइन बोलियां आमंत्रित की जाती हैं –

कार्यकारी अभियंता (परिवहन) पू. उप. अंतर्गत गैराजों में विभिन्न वाहनों के मानसून संबंधित रखरखाव कार्यों हेतु आवश्यक स्पेयर पार्ट्स की आपूर्ति हेतु वार्षिक दर ठेका.

बोलियां बीएमसी के पोर्टल वेबसाइट (http://portal.mcgm.gov.in) अंतर्गत निविदा अनुभाग से और महाटेंडर पोर्टल वेबसाइट (https://mahatenders.gov.in) से डाउनलोड की जा सकती है.

बोली की आरंभिक तिथि एवं समय **15.04.2025** को **16.00** बजे के पश्चात है और बोली की अंतिम तिथि एवं समय **21.04.2025** को **16.00** बजे तक है.

इच्छुक बोलीकर्ता निविदा के विस्तृत विवरणों हेतु महाटेंडर वेबसाइट (https://mahatenders.gov.in/) का अवलोकन करें. बोली दस्तावेज डाक से जारी अथवा स्वीकार नहीं किए जाएंगे.

निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी/स्पष्टीकरण कार्य. अभि. (परि.) ई/एस, 1ली मंजिल, पंतनगर गैरेज भवन, बेस्ट डिपो के पीछे, पंतनगर, घाटकोपर (पू), मुंबई – 400 075 के कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं. ई-निविदा विक्रेता लॉगइन और प्रक्रिया संबंधित विवरण बीएमसी की वेबसाइट अर्थात http://portal.mcgm.gov.in पर उपलब्ध हैं अथवा

कार्यकारी अभियंता (परिवहन) ई/एस का कार्यालय,
पंतनगर गैरेज भवन, 1ली मंजिल, पंतनगर,
घाटकोपर (पू), मुंबई – 400 075

के कार्यालय से भी उत्तर पात्रता मापदंडों में निर्दिष्ट प्रत्ययपत्रों को दर्शाते हुए, निर्धारित तिथि के पूर्व दिवस तक सुबह 11.00 बजे से दोप. 2.30 बजे तक किसी भी कार्यदिवस में प्राप्त किए जा सकते हैं.

हस्ता./-
कार्यकारी अभियंता (परि.) ई/एस प्रभारी

पीआरओ/122/विज्ञा./2025-26

सड़क पर खुले में रखें खाद्य पदार्थ, काटे हुये फल और पेय पदार्थों का सेवन ना करें.

भारतीय मिशनों ने दुनिया भर में धूमधाम से मनाई आंबेडकर जयंती

महानगर नेटवर्क

नई दिल्ली

विदेशों में स्थित भारतीय मिशनों ने भारतीय संविधान के प्रमुख निर्माताओं में से एक डॉ. बी. आर. आंबेडकर को सम्मान देते हुए धूमधाम से आंबेडकर जयंती मनाई। दुनिया भर में विभिन्न भारतीय मिशनों ने उनकी विरासत का जश्न मनाने और न्याय, समानता एवं सामाजिक सुधार में उनके स्थायी योगदान को याद करते हुए सम्मेलन और सेमिनार आयोजित किए।

न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में भारतीय मिशन ने एक विशेष कार्यक्रम के साथ डॉ. आंबेडकर की 134वीं जयंती मनाई। सामाजिक न्याय और अधिकारिता राज्य मंत्री डॉ. रामदास अठावले ने 'संयुक्त राष्ट्र और उसके बाहर डॉ. आंबेडकर के विजन की कालातीत अपील' शीर्षक वाले कार्यक्रम में मुख्य भाषण दिया। अपने भाषण में, मंत्री ने डॉ. आंबेडकर के आदर्शों को परिवर्तनकारी कार्रवाई में लाने के लिए भारत द्वारा की गई कई पहलों पर जोर दिया। वहीं टोक्यो में भारतीय दूतावास ने एक स्मारक कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें राजदूत सिबी जॉर्ज, दूतावास के कर्मचारी और प्रवासी भारतीयों ने उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की और डॉ. आंबेडकर की समानता और न्याय की स्थायी विरासत पर बात की।

कर्नाटक के कांग्रेस नेता अजमेर से गिरफ्तार

वक्फ संशोधन कानून पर भड़काऊ वीडियो जारी करने का आरोप

महानगर नेटवर्क

अजमेर

कर्नाटक के दावणगेरे से कांग्रेस नेता और पूर्व नगर पार्षद कबीर खान को राजस्थान के अजमेर से गिरफ्तार किया गया है। उन पर वक्फ संशोधन कानून 2025 के विरोध में हिंसा भड़काने वाला वीडियो जारी करने का आरोप है। अजमेर पुलिस अधीक्षक वंदिता राणा ने पुष्टि करते हुए बताया कि कर्नाटक पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपी अजमेर के आदर्श नगर क्षेत्र में छिपा हुआ है। इस इनपुट के आधार पर अजमेर पुलिस की सहायता से आरोपी कबीर खान को गिरफ्तार कर कर्नाटक पुलिस के हवाले कर दिया गया है।

जानकारी के मुताबिक, कांग्रेस नेता कबीर खान द्वारा जारी एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ था। आरोप है कि उसमें उन्होंने वक्फ संशोधन कानून के विरोध में युवाओं को सड़कों पर उतरने और हिंसात्मक गतिविधियों में शामिल होने के लिए उकसाया था। उक्त वायरल वीडियो में वह युवाओं से सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने, और 'जान की कुर्बानी' देने जैसी बात करते नजर आ रहे हैं। वीडियो में वह आगे कहते हैं कि पोस्टर और याचिकाओं से कोई मदद नहीं मिलेगी, केवल विनाश ही होगा। इस वीडियो के सामने आने के बाद राज्यभर में भारी आक्रोश फैल गया था। विभिन्न राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों ने इसकी कड़ी निंदा की और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की थी। वीडियो की जांच के बाद कर्नाटक पुलिस ने खान के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली थी और उसे पकड़ने के लिए अभियान शुरू किया गया था।

हर मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि पर संकष्टी चतुर्थी मनाई जाती है। वैशाख मास की संकष्टी चतुर्थी को 'विकट संकष्टी चतुर्थी' कहा जाता है। इस विशेष दिन पर भक्त उपवास रखते हैं और विधि पूर्वक भगवान गणेश की पूजा करते हैं। मान्यता है कि इस व्रत से जीवन में आ रहे कष्टों का निवारण होता है और गणेश जी की कृपा से सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है।

संकष्टी चतुर्थी पर गणेश जी की पूजा

दृक पंचांग के अनुसार वैशाख कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि 16 अप्रैल, बुधवार को दोपहर 1:16 बजे से प्रारंभ होकर 17 अप्रैल, गुरुवार को दोपहर 3:23 बजे तक रहेगी। उदयातिथि के अनुसार यह व्रत 16 अप्रैल को रखा जाएगा।

पूजा का शुभ मुहूर्त

इस दिन ब्रह्म मुहूर्त में यानी सुबह 4:26 बजे से 5:10 बजे के बीच स्नान कर लें और गणेश जी की पूजा का संकल्प लें। उसके बाद सूर्योदय के पश्चात विधि पूर्वक पूजन करें। उस दिन अभिजीत मुहूर्त नहीं रहेगा। हालांकि, विजय मुहूर्त दोपहर 2:30 बजे से 3:21 बजे तक और अमृत काल शाम 6:20 बजे से रात 8:06 बजे तक रहेगा।

विकट संकष्टी चतुर्थी पूजा विधि

विकट संकष्ट चतुर्थी के दिन शुभ मुहूर्त में गणेश जी की मूर्ति को पंचामृत से स्नान करा कर सिंदूर, दूर्वा, गंध, अक्षत, अबीर, गुलाल, सुंगधित फूल, जनेऊ, सुपारी, पान, मौसमी फल अर्पित करें। पूजा के समय गणेश जी की मूर्ति न होने पर एक साबुत सुपारी को ही गणेश जी मानकर पूजन किया जा सकता है। फिर दूर्वा अर्पित करके मोदक का प्रसाद लगाएं एवं दीप-धूप से उनकी आरती कर लें।इस बार संकष्टी चतुर्थी के दिन दो अत्यंत शुभ योग, सर्वार्थ सिद्धि योग और अमृत सिद्धि योग बन रहे हैं।

गर्मियों में नारियल पानी पीते हैं

तो आपके लिए जानना है जरूरी

गर्मियां आते ही हमारा शरीर डीहाइड्रेट होने लगता है, जिसके बाद हम अपने आपको हाइड्रेट रखने के लिए तरह-तरह के उपाय करने लगते हैं। लेकिन कई बार हमारे सारे उपाय फेल हो जाते हैं। लेकिन हम आपको आज ऐसे फल के बारे बताने जा रहे, जिसके पानी का सेवन करके आप खुद को एनर्जेटिक और हाइड्रेट रख सकते हैं। यहां हम बात कर रहे हैं नारियल पानी के बारे में, गर्मियों में नारियल पानी पीने के कई फायदे हैं। ये आपको हाइड्रेट रखने के साथ-साथ आपकी स्किन को ग्लोइंग और हेल्दी बनाता है। इसके अलावा यह कई तरह की बीमारियों को भी नियंत्रित करता है। आज के इस लेख में हम आपको रोजाना नारियल पानी पीने के लाभ के बारे में बताने वाले हैं।

वजन को करें कम

नारियल पानी वजन कम करने में बहुत मददगार होता है क्योंकि इसमें कैलोरी की मात्रा बहुत कम होती है। इसमें मौजूद इलेक्ट्रोलाइट्स और मिनरल्स आपके शरीर को हाइड्रेटेड रखते हैं, जो आपको ऊर्जावान बनाए रखता है और इसके सेवन से भूख कम लगती है। नारियल पानी में पोटैशियम और मैग्नीशियम जैसे पोषक तत्व होते हैं, जो मेटाबॉलिज्म को बढ़ावा देते हैं और फैट को तेजी से घटाने में सहायता करते हैं। नारियल पानी का नियमित सेवन शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालता है।

सिरदर्द से मिलता राहत

गर्मियों में लोगों में सिर दर्द की समस्या आम बात हैं। इसके पीछे का मुख्य कारण डिहाइड्रेशन होता है। ऐसे में नारियल पानी का सेवन करना सिर दर्द से राहत दिलाने के साथ आपको ताजगी भी देता है। इससे थकान दूर होती है। ये हमारे शरीर को ऊर्जा प्रदान करता है। तुरंत नारियल पानी पीने से शरीर को उसी वक्त इलेक्ट्रोलाइट्स मिल जाते हैं, जिससे सिर दर्द की समस्या कम हो जाती है।

पाचन तंत्र को रखे ठीक

नारियल पानी में फाइबर की मात्रा होती है, जिससे शरीर का पाचनतंत्र ठीक रहता है। इसमें पोटेशियम, मैग्नीशियमइलेक्ट्रोलाइट्स और सोडियम पाए जाते हैं। जो पाचन तंत्र को मजबूती देते हैं, नारियल पानी में नेचुरल एंजाइम्स होते हैं जो पाचन क्रिया को तेज करता है। इससे कब्ज और अपच की दिक्कत कम हो जाती है।

हिंदू धर्म में चार धाम यात्रा का विशेष महत्व

हिंदू धर्म में चार धाम यात्रा का विशेष महत्व है। यह यात्रा न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि इसका आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व भी है। चार धाम यात्रा को कलयुग के मोक्ष प्राप्ति का मार्ग माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि हर किसी को जीवन में एक बार चार धाम यात्रा जरूर करनी चाहिए। इसके चमत्कारी परिणाम देखने को मिलते हैं।

ऐसा माना जाता है कि व्यक्ति को अपने जीवनकाल में कम से कम एक चार धाम की यात्रा जरूर करनी चाहिए, क्योंकि यह जीवन भर के पापों को धोकर मोक्ष के द्वार खोलती है। इसके साथ ही व्यक्ति पुनर्जन्म के चक्र से मुक्त हो जाता है। इस यात्रा में सबसे पहले यमुनोत्री धाम के दर्शन करने का विधान है। ऐसा कहते हैं कि इससे यह यात्रा बिना किसी मुश्किल के पूरी हो जाती है।

जीवन में देखने को मिलते हैं शुभ परिणाम

हिंदू धर्म में मान्यता है कि चार धाम यात्रा करने से व्यक्ति को मोक्ष की प्राप्ति होती है और वह जन्म-मृत्यु के चक्र से मुक्त हो जाता है। इसके साथ ही ये भी कहते हैं कि व्यक्ति के सभी पाप धुल जाते हैं और उसे पुण्य की प्राप्ति होती है। इसके अलावा जीवन में शुभ परिणाम भी देखने को मिलते हैं। इसलिए इस यात्रा का सनातन धर्म में बड़ा महत्व है।

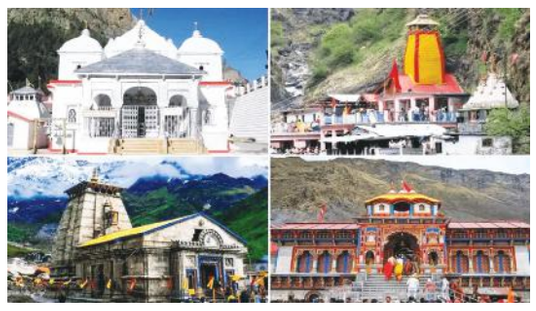

चार धाम यात्रा का आध्यात्मिक महत्व :

चार धाम यात्रा एक आध्यात्मिक यात्रा है जो व्यक्ति को आत्म-शुद्धि और आत्म-ज्ञान की ओर ले जाती है। यह यात्रा व्यक्ति को मानसिक शांति और संतुष्टि प्रदान करती है। चार धाम यात्रा व्यक्ति को जीवन के वास्तविक उद्देश्य को समझने में मदद करती है। चार धाम यात्रा भारतीय संस्कृति और परंपरा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह यात्रा भारत के विभिन्न हिस्सों से लोगों को एक साथ लाती है और एकता का प्रतीक है।

चेहरे की चमक को बढ़ाने के लिए फलों के फायदे

नेचुरल तरीके से स्किन को खूबसूरत बनाएं

अगर आप भी अपने चेहरे की त्वचा को चमकदार बनाना चाहते हैं तो आपको अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देने की जरूरत है। हमारे शरीर पर खान-पान का बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है। जिस तरीके का हमारा खान-पान होता है, हमारा स्वास्थ्य भी उसी अनुरूप होता है। इसलिए कहा जाता है जैसा खाइयेगा अन्न, वैसा होगा मन और तन। अगर आपके चेहरे पर झुर्रियां आने लगी हैं और चेहरे की चमक कम होती दिखे तो आज ही से अपने चेहरे का ग्लो बढ़ाने पर ध्यान दें। इसके लिए आपको कोई ब्यूटी प्रोडक्ट्स खरीदने की जरूरत नहीं है। केमिकल युक्त प्रोडक्ट्स आपकी स्किन को नुकसान पहुंचाते हैं, जिससे आपके चेहरे पर दाग-धब्बे आ जाते हैं। इसलिए हम आज के इस लेख में स्किन को नेचुरल तरीके से चमकदार और खूबसूरत बनाने के लिए आपको कुछ ऐसे फलों के बारे में बताने वाले हैं, जिनका रोजाना सेवन करने से आप स्वस्थ रहेंगे ।

केला

केला एक ऐसा फल है, जो आपके पूरे साल मार्केट में मिलता है, यह फल बड़े ही आसानी से मिल जाता है। अगर आप केले का नियमित सेवन करेंगे तो यह आपके चेहरे की चमक को बढ़ाने में मदद करेगा। केले में विटामिन C, B6 और पोटेशियम जैसे पोषक तत्व होते हैं, इसमें आयरन भी मौजूद होता है, जो शरीर में हीमोग्लोबिन बनाने में मदद करता है। यह स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छा होता है। इसके रोजाना सेवन से आपकी त्वचा पर भी निखार आएगा।

पपीता

पपीता ठंड हो या गर्मी आपको हर मौसम में मिल जाएगा। पपीते का सेवन स्वास्थ्य के लिए बहुत ही फायदेमंद होता है। पपीते में कई सारे विटामिंस, मिनरल्स, पोटैशियम, फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। अगर आप नियमित रूप से पपीते का सेवन करते हैं तो इसमें मौजूद पैपेन एंजाइम आपके स्किन से डेड स्किन सेल्स को हटाता है और चेहरे को चमकदार बनाता है। इसलिए पपीते का नियमित सेवन आपके स्कीन के लिए बहुत फायदेमंद है।

संतरा

संतरे में विटामिन सी की प्रचुर मात्रा होती है और विटामिन सी स्कीन के लिए बहुत ही अच्छा माना जाता है। इसलिए मार्केट में कई तरह के विटामिन सी के सिरम्स भी उपलब्ध होते हैं, इसमें बीटा कैरोटीन पाया जाता है। यह आपकी स्किन को सूरज की हानिकारक किरणों से बचाता है और चेहरे की रंगत भी ठीक करता है। यह आपको हाइड्रेट रखता है जिससे आपके चेहरे में झुर्रियां नहीं आती। संतरे का नियमित सेवन आपके स्वास्थ्य को तो बेहतर करता ही है आपकी स्किन को चमकदार भी बनाता है।

ऑफिस में स्टाइलिश लुक पाने के लिए पहनें ऐसी फुटवियर...

कई बार लोगों को यह समझ नहीं आता है कि ऑफिस में कैसे फुटवियर पहनकर जा सकते हैं। जो आरामदायक होने के साथ आपको स्टाइलिश दिखा सकें। अगर आप भी इस समस्या से परेशान हैं।शायद ही ऐसा कोई व्यक्ति होगा, जो अपने ऑफिस में स्टाइलिश न दिखना चाहता हो। यही कारण है कि मौसम के हिसाब से लोग ऑफिस के आउटफिट से लेकर फुटवियर तक में बदलाव करते हैं। वहीं खासकर गर्मी के मौसम में यदि कपड़ों व जूतों में बदलाव न किया जाए, तो आपको परेशानी हो सकती है। गर्मी के मौसम में न तो सर्दी वाले कपड़े चल सकते हैं और न जूते व फुटवियर। ऐसे में कई बार लोगों को यह समझ नहीं आता है कि ऑफिस में कैसे फुटवियर पहनकर जा सकते हैं। जो आरामदायक होने के साथ आपको स्टाइलिश दिखा सकें। अगर आप भी इस समस्या से परेशान हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको फुटवियर के कुछ ऐसे विकल्प बताने जा रहे हैं। जो गर्मी के मौसम में ऑफिस के लिए परफेक्ट फुटवियर हैं।

स्नीकर्स :- बहुत सारी लड़कियां गर्मियों के मौसम में पैरों में टैनिंग की समस्या का डर सताता है। ऐसे में आप स्नीकर्स पहनकर ऑफिस जा सकती हैं। दो काफी ज्यादा कंफर्टेबल होते हैं और इससे पैर हमेशा ढके रहते हैं। जिससे टैनिंग का खतरा कम होता है।

कोल्हापुरी चप्पल :- अगर आपको ऐसे फुटवियर पहनना पसंद है, जो पहनने में कंफर्टेबल हो। तो आपके लिए कोल्हापुरी चप्पल काफी अच्छा ऑप्शन साबित हो सकती हैं। यह चप्पलें जींस और कुर्ती के साथ काफी कमाल की लगती हैं। वहीं सूट के साथ भी यह चप्पलें काफी अच्छी लगती हैं।

मोजरी :- इस तरह के फुटवियर वेस्टर्न के साथ ही एथनिक पर भी काफी ज्यादा खूबसूरत लगते हैं। ऑफिस में आप इस तरह की मोजरी पहनकर जा सकती हैं, जो देखने में काफी ज्यादा प्यारी लगती हैं।

फ्लैट्स :- बहुत सारे लोगों के पैरों में काफी ज्यादा पसीना आता है। ऐसे में आप पैरों के पसीने से बचने के लिए फ्लैट चप्पल कैरी कर सकती हैं। जो देखने में कमाल की लगती हैं और इस तरह के फ्लैट चप्पलें आपको मार्केट में आसानी से मिल जाएंगी।

बड़ी उम्र में मां बनने पर बच्चे और मां पर पड़ सकता है ये असर

मां बनना एक ऐसा खूबसूरत अहसास है, जिसका अनुभव करना अमूमन हर महिला का सपना होता है। लेकिन गर्भधारण करने के लिए कौन सी उम्र सही है, इस बारे में अलग-अलग महिलाओं के मत भी अलग-अलग ही हैं। कोई महिला किस उम्र में मां बनना चाहती है, यह उसका निजी निर्णय होना चाहिए। लेकिन ऐसी बहुत सी बातें हैं जो किसी महिला के मां बनने के फैसले को प्रभावित कर सकती हैं। परिवार बढ़ाने का फैसला लेने में पारिवारिक माहौल, निजी परिस्थितियां, महिला की शारीरिक एवं मानसिक सेहत सहित अन्य बहुत से कारण इस फैसले को प्रभावित कर सकते हैं। अभी कुछ साल पहले तक भी चौबीस-पच्चीस साल की उम्र तक शादी और फौरन बच्चा प्लान करने को ही सही फैसला माना जाता था। पर, बदलते समय ने महिलाओं की सोच को भी बदल दिया है। अब ज्यादातर युवतियां सबसे पहले अपने करियर पर फोकस करना चाहती हैं, फिर शादी करके नए रिश्ते को समय देना चाहती हैं और उसके बाद कहीं जाकर परिवार आगे बढ़ाने के बारे में सोचती हैं। हालांकि, इस बात में कोई बुराई नहीं है, लेकिन डॉक्टरों के अनुसार तीस साल की उम्र के बाद गर्भधारण करना हर महिला के लिए सुरक्षित नहीं होता है क्योंकि बढ़ती उम्र के साथ जटिलताएं भी बढ़ने लगती हैं।

प्रजनन क्षमता पर प्रभाव

उम्र बढ़ने के साथ-साथ ज्यादातर महिलाओं की प्रजनन क्षमता भी प्रभावित होने लगती है और उनके गर्भधारण करने की संभावना घटने लगती है। दरअसल, तीस साल की उम्र के बाद गर्भधारण करने को एडवांस मेटर्नल ऐज कहा जाता है। इसे यह नाम इसलिए दिया गया है क्योंकि एक महिला का शरीर पंद्रह से तीस साल की उम्र के बीच गर्भधारण के लिहाज से पूरी तरह तैयार और सुरक्षित होता है। लेकिन उसके बाद धीरे-धीरे प्रजनन क्षमता कम होने लगती है। हालांकि ऐसा नहीं है कि तीस साल के बाद कोई महिला मां नहीं बन सकती है, लेकिन उम्र बढ़ने के साथ-साथ गर्भावस्था संबंधी समस्याएं बढ़ने लगती हैं। ज्यादा उम्र में अंडाणु की गुणवत्ता प्रभावित होने लगती है, जिसकी वजह से प्राकृतिक रूप से गर्भधारण कर पाना जटिल और जोखिमपूर्ण हो सकता है। ऐसे में डॉक्टर आईवीएफ, आईयूआई, एंब्रियो डोनेशन या जेनेटिक स्क्रीनिंग के माध्यम से गर्भधारण करने की सलाह देते हैं। बढ़ती उम्र में गर्भधारण करना बहुत से अन्य कारणों से भी सुरक्षित नहीं माना जाता है।

भावनात्मक और शारीरिक चुनौतियां

गर्भवती होने से लेकर बच्चे के जन्म और फिर उसके पालन-पोषण में नई मां की शारीरिक और मानसिक ऊर्जा पूरी तरह खत्म हो जाती है। तीस की उम्र तक या उससे पहले शरीर में ऊर्जा का स्तर ज्यादा बेहतर होता है इसलिए नवजात शिशु की देखभाल करते समय मां को बहुत ज्यादा परेशानी नहीं होती है। लेकिन बढ़ती उम्र भावनात्मक और शारीरिक रूप से मां को कमजोर बना देती है, ऐसे में नवजात शिशु की देखभाल समस्या को और बढ़ा सकती है।

बच्चों के बीच उम्र का सही अंतर

यदि एक ही बच्चा प्लान करना हो तो ज्यादा उम्र उतनी बड़ी समस्या नहीं लगती, लेकिन दूसरे बच्चे की प्लानिंग करने में यह समस्या सामने आ सकती है। असल में, बड़ी उम्र में परिवार आगे बढ़ाते समय बच्चों के बीच उम्र का सही अंतर रखना संभव नहीं हो पाता क्योंकि प्रत्येक प्रेगनेंसी अपने साथ पहले से ज्यादा जोखिम लेकर आती है।

अपने मैदान पर जीत का स्वाद चखने उतरेगी दिल्ली कैपिटल्स

जीत के लिए बेताब है राजस्थान रॉयल्स

मैच शाम 7:30 पर शुरू होगा।

दिल्ली कैपिटल्स

अक्षर पटेल (कप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), जेक फ्रेजर-मैकगुर्क, करुण नायर, फाफ डु प्लेसी, डोनोवन फरेरा, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), ट्रिस्टन स्टब्स (विकेटकीपर), समीर रिजवी, आशुतोष शर्मा, दर्शन नालकंडे, विप्रज निगम, अजय मंडल, मनवंत कुमार, त्रिपुराना विजय, माधव तिवारी, मिशेल स्टार्क, टी नटराजन, मोहित शर्मा, मुकेश कुमार, दुष्मंता चामीरा, कुलदीप यादव।

राजस्थान रॉयल्स

संजू सैमसन (कप्तान), रियान पराग, शुभम दुबे, वैभव सूर्यवंशी, कुणाल राठौड़, शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, नितीश राणा, युद्धवीर सिंह, जोफ्रा आर्चर, महेश थीक्षाना, वानिंदु हसरंगा, आकाश मधवाल, कुमार कार्तिकेय सिंह, तुषार देशपांडे, फजलहक फारूकी, क्वेना मफाका, अशोक शर्मा, संदीप शर्मा।

नई दिल्ली। IPL 2025 की शानदार शुरूआत के बाद अपने मैदान पर पहली हार झेलने वाली दिल्ली कैपिटल्स इस झटके को भुलाकर राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ बुधवार को फिर जीत की राह पर लौटने के इरादे से उतरेगी। लगातार चार मैच जीतने के बाद अक्षर पटेल की कप्तानी वाली दिल्ली टीम को रविवार को अरुण जेटली स्टेडियम पर मुंबई इंडियंस ने हराया। इस हार के बाद दिल्ली शीर्ष स्थान से खिसककर दूसरे स्थान पर पहुंच गई। दूसरी ओर राजस्थान रॉयल्स छह में से सिर्फ दो मैच जीतकर आठवें स्थान पर है। संजू सैमसन की कप्तानी वाली टीम लगातार अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाई है। मुंबई इंडियंस के खिलाफ दिल्ली के लिए घरेलू क्रिकेट के दिग्गज करुण नायर ने पदार्पण करते हुए 40 गेंद में 89 रन बनाए। एक समय दिल्ली का स्कोर 11वें ओवर में एक विकेट पर 119 रन था, लेकिन इसके बाद 74 रन के भीतर आखिरी नौ विकेट गंवा दिए। उसके तीन बल्लेबाज 19वें ओवर की आखिरी तीन गेंदों पर रन आउट हुए और 12 रन से पराजय का सामना करना पड़ा। दिल्ली के पास इस हार का दुख मनाने का समय नहीं था, क्योंकि दो दिन के भीतर ही उसे रॉयल्स के खिलाफ कल खेलना है। दिल्ली के लिए एक बार फिर सफलता की कुंजी स्पिनर साबित हो सकते हैं। पिछले मैच में हार के बावजूद कुलदीप यादव और 20 वर्ष के विपराज निगम ने शानदार प्रदर्शन किया। हालांकि, अक्षर उतना प्रभावित नहीं कर सके हैं और छह मैचों में 14 ओवर डालकर भी उन्हें विकेट नहीं मिली है। इसके अलावा उन्होंने 10 से अधिक की दर से प्रति ओवर रन दिये हैं। बल्लेबाजी में भी वह छाप नहीं छोड़ पाये हैं। पिछले सत्र में आक्रामक प्रदर्शन करने वाले जैक फ्रेजर मैकगर्क लय में नहीं हैं और अभी तक सिर्फ 46 रन बना पाये हैं। फाफ डुप्लेसी चोट के कारण बाहर है और नायर की जगह टीम में पक्की लग रही है। मध्यक्रम में केएल राहुल ने दारोमदार संभाल रखा है। उनका साथ देने के लिए ट्रिस्टन स्टब्स, आशुतोष शर्मा और निगम हैं। दूसरी ओर रॉयल्स की समस्या प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव है। यशस्वी जायसवाल सिर्फ पिछले मैच में आरसीबी के खिलाफ अर्धशतक बना सके हैं। कप्तान सैमसन अभी तक एक भी अच्छी पारी नहीं खेल पाए, जबकि रियान पराग और ध्रुव जुरेल का बल्ला भी खामोश है। गेंदबाजी में जोफ्रा आर्चर महंगे साबित हुए हैं। संदीप शर्मा को छोड़कर कोई भी गेंदबाज रनगति पर अंकुश नहीं लगा पाया है।

श्रेयस अय्यर बने ICC के महीने के सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी

जैकब डफी और रचिन रवींद्र को पछाड़ा

दुबई। भारत की चैंपियंस ट्रॉफी की जीत में अहम भूमिका निभाने वाले कलात्मक बल्लेबाज बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने मंगलवार को मार्च महीने के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) का सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी का पुरस्कार हासिल किया। अय्यर ने चैंपियंस ट्रॉफी एकदिवसीय प्रतियोगिता में सर्वाधिक 243 रन बनाए थे। उन्होंने इस पुरस्कार की दौड़ में न्यूजीलैंड के जैकब डफी और रचिन रवींद्र को पीछे छोड़ा। अय्यर ने आईसीसी विज्ञप्ति में कहा, 'मार्च महीने के लिए आईसीसी का सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी चुने जाने पर मैं वास्तव में सम्मानित महसूस कर रहा हूं। यह सम्मान अविश्वसनीय रूप से विशेष है, खासकर उस महीने में जब हमने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी। एक ऐसा क्षण जिसे मैं हमेशा अपनी यादों में संजो कर रखूंगा।' उन्होंने कहा, 'प्रत्येक क्रिकेटर का सपना होता है कि वह इतनी बड़ी प्रतियोगिता में भारत की जीत में योगदान दे। मैं अपने साथियों, कोचों और सहयोगी स्टाफ का उनके अटूट समर्थन और विश्वास के लिए आभारी हूं। प्रशंसकों को भी दिल से धन्यवाद। आपकी ऊर्जा और प्रोत्साहन हमें हर कदम पर आगे बढ़ने में मदद करते हैं।' यह लगातार दूसरा महीना है जबकि किसी भारतीय खिलाड़ी ने यह पुरस्कार हासिल किया। इससे पहले शुभमन गिल ने फरवरी महीने के लिए यह पुरस्कार जीता था। अय्यर ने चैंपियंस ट्रॉफी में बीच के ओवरों में शानदार बल्लेबाजी करके पारी को संवारने की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

आज का मैच

TATA IPL

शाम 7.30 बजे

दिल्ली Vs राजस्थान

जॉर्जिया वोल ने जीता ICC महिला 'प्लेयर ऑफ द मंथ' का पुरस्कार

पिछले वर्ष अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करने वाली ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज जॉर्जिया वोल को मार्च महीने के लिए आईसीसी महिला 'प्लेयर ऑफ द मंथ' खिताब से नवाजा गया हैं। वोल ने हमवतन एनाबेल सदरलैंड और अमेरिका की चेतना प्रसाद को पछाड़ कर यह पुरस्कार जीता है। 21 वर्षीय वोल ने मार्च में व्हाइट फर्न्स पर ऑस्ट्रेलिया की 3-0 की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वोल ने दूसरे छोर पर अनुभवी बेथ मूनी के साथ मिलकर आत्मविश्वास के साथ शुरुआत की। वोल ने पहले मैच में 31 गेंदों पर 50 रन, दूसरे टी-20 में 20 गेंदों पर 36 रन और अंतिम मैच में 57 गेंदों पर 75 रन बनाये थे। यह लगातार चौथी बार है जब ऑस्ट्रेलियाई खिलाडि ने यह मासिक पुरस्कार जीता है।

अगस्त में बांग्लादेश दौरे पर जाएगी भारतीय टीम

खेली जाएगी टी20 और वनडे सीरीज

नई दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों के बाद भारतीय टीम अगस्त में बांग्लादेश का दौरा करेगी। इस दौरान दोनों टीमों के बीच तीन टी20 और इतने ही मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को भारतीय टीम के बांग्लादेश दौरे का पूरा कार्यक्रम घोषित कर दिया। बांग्लादेश के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज की शुरुआत 17 अगस्त को होगी। दूसरा मैच 20 अगस्त को खेला मीरपुर में खेला जाएगा। इस सीरीज के शुरुआती मुकाबले मीरपुर में खेले जाएंगे। वहीं, तीसरा मैच 23 अगस्त को चट्टोग्राम में खेला जाएगा। इसके बाद दोनों टीमों के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज की शुरुआत होगी। पहला मुकाबला 26 अगस्त को खेला जाएगा जबकि दूसरा और तीसरा मैच क्रमशः 29 और 31 अगस्त को होगा।

जून में इंग्लैंड दौरे पर जाएगी भारतीय टीम

इससे पहले भारतीय टीम जून में इंग्लैंड का दौरा करेगी। इस दौरान दोनों टीमें पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेंगी। सीरीज की शुरुआत 20 जून से होगी। पहला मैच लीड्स में खेला जाएगा। दूसरा टेस्ट दो जुलाई से बर्मिंघम में खेला जाएगा जबकि तीसरा मैच 10 जुलाई से लॉर्ड्स में शुरु होगा। वहीं, चौथा और पांचवां मुकाबला क्रमशः 23 और 31 जुलाई से मैनचेस्टर और ओवल में खेला जाएगा।

लगातार 5 हार के बाद चेन्नई ने जीता पहला मैच

लखनऊ। महेंद्र सिंह धोनी एक बार फिर से फिनिशर के रोल में लौटे और चेन्नई सुपर किंग्स को प्लेऑफ की रेस में महत्वपूर्ण मुकाबले में जीत दिला दी। धोनी जब क्रीज पर आए थे तब चेन्नई को जीत के लिए 5 ओवर में 53 रन चाहिए थे। धोनी ने एक छोर संभाला और 11 गेंदों पर चार चौके और एक छक्के की मदद से 26 रन बनाए। शिवम दुबे ने भी 37 गेंदों पर 43 रन बनाकर उनका साथ दिया और टीम को 20वें ओवर में पांच विकेट से जीत दिला दी। यह चेन्नई की लगातार पांच हार के बाद पहली जीत है। इससे पहले चेन्नई सुपर किंग्स ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण का फैसला किया था। लखनऊ ने ऋषभ पंत के 63 तो मिचेल मार्श के 30 रनों की बदौलत 6 विकेट खोकर 166 रन बनाए थे।

चेन्नई ने सीजन की शुरूआत जीत के साथ की थी जब उन्होंने मुंबई को 4 विकेट से हरा दिया था। लेकिन इसके बाद उन्हें बेंगलुरु, राजस्थान, दिल्ली, पंजाब और कोलकाता से हार झेलनी पड़ी थी। आखिर प्लेऑफ की रेस में महत्वपूर्ण मुकाबले में उन्होंने लखनऊ को हरा दिया है। वहीं, लखनऊ की यह लगातार तीन जीत के बाद पहली हार है। लखनऊ ने दिल्ली को हारकर सीजन की शुरूआत की थी। इसके बाद उन्होंने हैदराबाद को हरा दिया। पंजाब के खिलाफ भी वह मैच हार गए। लेकिन उसके बाद उन्होंने मुंबई, कोलकाता और गुजरात से लगातार तीन मैच जीत लिए। अब चेन्नई से उन्हें हार का सामना करना पड़ा है।

लखनऊ की शुरूआत खराब रही। इसके बाद पंत और आयुष बदोनी ने क्रीज संभाली लेकिन उनकी स्ट्राइक रेट कम रही। लखनऊ 13 ओवर में 103 रन ही बना पाई थी। आयुष बदोनी को 22 रन पर धोनी ने स्टंप आऊट कर दिया। पंत ने ताबड़तोड़ शॉट लगाते हुए अपना अर्धशतक पूरा किया। उनका यह अर्धशतक आईपीएल में 19 पारियों के बाद आया है। 20वें ओवर में अब्दुल समद 20 तो पंत 63 रन बनाकर लगातार दो गेंदों पर आऊट हो गए और स्कोर 166 तक ही पहुंच पाया। चेन्नई को शेख राशिद और रचिन रवींद्र ने तेजतर्रार शुरूआत की। दोनों ने पहले विकेट के लिए 5 ओवर के अंदर 52 रन जोड़े। रशीद ने 19 गेंदों पर 6 चौकों की मदद से 27 रन बनाए। इसके बाद रचिन रवींद्र भी 22 गेंदों पर 5 चौकों की मदद से 37 रन बनाकर आऊट हो गए। राहुल त्रिपाठी 9 रन बनाकर रवि बिश्नोई का शिकार हो गए। इसके बाद शिवम दुबे के साथ मिलकर रवींद्र जडेजा ने पारी को संभाला। जडेजा 13वीं ओवर में 11 गेंदों पर 7 रन बनाकर रवि बिश्नोई की गेंद पर मारक्रम के हाथों लपके गए। विजय शंकर जब 9 रन बनाकर आऊट हो गए तो धोनी मैदान पर उतर आए। उन्होंने आते ही आक्रमक रुख अपनाया और ताबड़तोड़ शॉट लगाए। इस दौरान दुबे भी सक्रिय नजर आए। उन्होंने 19वें ओवर में दो बड़े शॉट लगाकर मैच चेन्नई के लिए आसान बना दिया।

सनराइजर्स हैदराबाद को लगा बड़ा झटका

एडम जम्पा IPL 2025 से बाहर

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद (SRH) के लिए खेल रहे लेग स्पिनर एडम जम्पा कंधे की चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के शेष मैचों से बाहर हो गए है। जम्पा को यह चोट एसआरएच और राजस्थान रॉयल्स के बीच खेले गए मैच में गेंदबाजी के समय कंधे में कुछ दर्द हुआ। वे अगले चार मैचों में नहीं खेले और चिकित्सा सलाह के लिए ऑस्ट्रेलिया वापस चले गए। जम्पा ने टूर्नामेंट के पहले दो मैचों में इम्पैक्ट सब के रूप में खेला और दो बहुत ही उच्च स्कोरिंग खेलों में 48 रन देकर एक और 46 रन देकर एक विकेट लिया। ऐसा माना जा रहा है कि यह उसी समस्या की पुनरावृत्ति है जो उन्हें 2023 एकदिवसीय विश्वकप से पहले हुई थी। ऐसा माना जा रहा था कि जम्पा समस्या के निदान और थोड़े आराम के बाद आईपीएल में वापस आ सकते हैं, लेकिन एसआरएच ने उनकी जगह कर्नाटक के बल्लेबाज आर स्मरण को टीम में शामिल करने का फैसला किया। जम्पा के अब जुलाई के अंत में कैरेबियाई देशों में वेस्टइंडीज के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की अगली टी-20 सीरीज तक फिर से खेलने के आसार नहीं है।

हरभजन सिंह की मुंबई के हेड कोच महेला जयवर्धने को नसीहत

नई दिल्ली। 'वह कप्तान है। वह हमेशा कप्तान की तरह सोचता है। एक कप्तान हमेशा कप्तान ही होता है और उसकी रणनीति ने ही मुंबई को जिताने में मदद की।' ये शब्द हैं अपने दौर के दिग्गज ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह के। भज्जी ने ये बातें रोहित शर्मा के लिए कही है। रोहित मुंबई इंडियंस के कप्तान नहीं हैं लेकिन अपनी कप्तानी में टीम को 5 बार आईपीएल चैंपियन बना चुके हैं। वह टीम इंडिया के टेस्ट और वनडे के कैप्टन हैं। भज्जी ने अपने यू-ट्यूब चैनल पर ये बातें दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ रविवार को खेले गए मैच में रोहित शर्मा के मास्टरस्ट्रोक की तारीफ करते हुए कही। इतना ही नहीं, उन्होंने मुंबई इंडियंस के हेड कोच महेला जयवर्धने को अपना ईगो दूर रखकर हिटमैन की बातों को गंभीरता से लेने की सलाह दी है। डगआउट में बैठे-बैठे रोहित शर्मा ने जो मास्टरस्ट्रोक खेला, उससे मैच का पासा ही पलट गया। आखिरकार मुंबई इंडियंस ने टूर्नामेंट में अजेय चली आ रही दिल्ली कैपिटल्स के जीत पर ब्रेक लगा दिया। 12 रनों से जीत हासिल की। हरभजन सिंह अब रोहित शर्मा के उसी मास्टरस्ट्रोक पर फिदा हो गए हैं। हरभजन सिंह ने अपने यू-ट्यूब चैनल पर एक वीडियो में दावा किया है कि मुंबई इंडियंस के हेड कोच महेला जयवर्धने रोहित शर्मा की बात से सहमत नहीं थे। वह गेंद को बदलने और स्पिनरों को मोर्चे पर लगाने की बात पर आनाकानी कर रहे थे। हरभजन सिंह ने कहा, 'रोहित शर्मा ने मास्टरस्ट्रोक खेला। उसने हेड कोच महेला जयवर्धने से स्पिनरों को लगाने और कर्ण शर्मा से गेंदबाजी कराने को कहा। महेला जयवर्धने ने रोहित की सुनने से इनकार कर दिया और वह फैसले से सहमत नहीं थे।

वानखेड़े स्टेडियम में वी 5G हुआ लाईव

मुंबई। देश भर में टी20 क्रिकेट का जोश अपने चरम पर है, इस बीच वी मुंबई के वानखेड़े क्रिकेट स्टेडियम में लेकर आए हैं अपनी 5G सर्विसेज़। अब नई मुंबई के क्रिकेट प्रशंसक अल्ट्रा-फास्ट स्पीड पर लाईव क्रिकेट के रोमांच का लुत्फ़ उठा सकते हैं। इस पहल के साथ वी ने स्टेडियम में सहज 5G कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने के लिए अपने नेटवर्क इन्फ्रास्ट्रक्चर को मजबूत बना लिया है। वानखेड़े स्टेडियम में लाईव एक्शन के लिए इकट्ठा हुए हज़ारों दर्शकों को हाई-स्पीड कनेक्टिविटी का अनुभव प्रदान करने के लिए वी ने अतिरिक्त 5G नेटवर्क साईट्स तैनात की हैं तथा बीटीएस और मैसिव एमटीएमओ जैसे तकनीकों के साथ अपने नेटवर्क को मजबूत बनाया है। दर्शकों को सर्वश्रेष्ठ डिजिटल अनुभव प्रदान करने के लिए नेटवर्क में विस्तार किया गया है, ताकि वे भीड़-भाड़ से भरे स्टेडियम में तेज़ और भरोसेमंद कनेक्टिविटी का लाभ उठा सकें। आप लाईव-स्ट्रीमिंग करना चाहते हैं, रील्स अपलोड करना चाहते हैं या अपने दोस्तों के साथ जुड़े रहना चाहते हैं- वी की 5G सर्विसेज़ मैच के दिन आपको बेहतरीन अनुभव प्रदान करने के लिए तैयार हैं। स्टेडियम में वी 5G का लाभ कौन उठा सकता है? वी के उपभोक्ता जिनके पास 5G इनेबल्ड हैंडसैट है, वे इन स्टेडियमों में बिना किसी लागत के अनलिमिटेड वी 5G का अनुभव पा सकते हैं, इसके लिए उन्हें अपनी मोबाइल सेटिंग में जाकर 5G यूसेज़ पर स्विच करना होगा। वी अब देश भर में 11 स्टेडियमों में उपलब्ध हैः क्रिकेट प्रशंसकों को देश भर के 11 स्टेडयमों में वी 5G का प्रीव्यू प्रदान करने के लिए वानखेड़े स्टेडियम में यह 5G रोल-आउट किया गया है।

इनमें शामिल हैं- ईडन गार्डन्स (कोलकाता), नरेन्द्र मोदी स्टेडियम (अहमदाबाद), एम चिन्नास्वामी स्टेडियम (बैंगलुरू), महाराजा यदविंदर सिंह क्रिकेट स्टेडियम (चण्डीगढ़), एमए चिदम्बरम स्टेडियम (चेन्नई), अरूण जेटली स्टेडियम (दिल्ली), राजीव गांधी इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम (हैदराबाद), सवाई मानसिंह स्टेडियम (जयपुर), एकाना स्टेडियम (लखनऊ), वानखेड़े स्टेडियम (मुंबई) और डॉ वायएसआर एसीए-वीडीसीए स्टेडियम (विशाखापटनम)।

तीरंदाजी विश्व कप

धीरज ने व्यक्तिगत कांस्य और पुरुष टीम ने रजत पदक जीता

ऑबर्नडेल (अमेरिका) : भारत ने यहां तीरंदाजी विश्व कप चरण एक में अपना अभियान चार पदकों के साथ समाप्त किया, जिसमें पुरुष रिकर्व टीम स्पर्धा में एक रजत और व्यक्तिगत रिकर्व वर्ग में धीरज बोम्मदेवरा का कांस्य पदक शामिल है। सेना के 23 वर्षीय तीरंदाज धीरज ने कांस्य पदक के लिए खेले गए मैच में जीत हासिल करने के लिए असाधारण धैर्य और संयम दिखाया। उन्होंने 2-4 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए स्पेन के एंड्रेस टेमिनो मेडिएल को पांच सेट के तनावपूर्ण मुकाबले में 6-4 से हराया। धीरज इससे पहले सेमीफाइनल में दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी और पेरिस ओलंपिक के रजत पदक विजेता जर्मनी के फ्लोरियन उनरुह से 1-7 से हार गए थे। इससे पहले दिन में धीरज अनुभवी तरूणदीप राय और अतनु दास के साथ उस भारतीय तिकड़ी का भी हिस्सा थे, जिसने टीम स्पर्धा के फाइनल में चीन से 1-5 से हारने के बाद रजत पदक जीता था। भारत ने इस तरह से इस प्रतियोगिता में चार पदक जीते। इससे पहले भारतीय कंपाउंड मिश्रित टीम ने स्वर्ण और कंपाउंड पुरुष टीम ने कांस्य पदक जीता था। भारत के अभियान में अभिषेक वर्मा पदक से चूक गए और कंपाउंड पुरुष व्यक्तिगत वर्ग में चौथे स्थान पर रहे।

रोहित के खराब फॉर्म का असर मुंबई इंडियंस की रणनीति पर पड़ रहा है : पूर्व महिला कप्तान

नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम की पूर्व कप्तान अंजुम चोपड़ा का मानना है कि रोहित शर्मा के खराब फॉर्म के कारण मुंबई इंडियंस टीम आईपीएल के मौजूदा सत्र में अभी तक लय नहीं पकड़ सकी है। मुंबई के पूर्व कप्तान रोहित अब इस सत्र में हार्दिक पंड्या की कप्तानी वाली टीम में इंपैक्ट खिलाड़ी के रूप में ही खेल रहे हैं। उन्होंने पांच मैचों में 0, 8, 13, 17 और 18 रन बनाए हैं।

मुंबई ने रविवार को दिल्ली कैपिटल्स को 12 रन से हराया और टीम चार हार तथा दो जीत के साथ सातवें स्थान पर है। अंजुम ने कहा, 'आप खराब फॉर्म में हो सकते हैं। यह कोई अपराध नहीं है। लेकिन इससे टीम को मदद नहीं मिल रही। इससे मुंबई को वह शुरूआत नहीं मिल सकी जो मिलनी चाहिए थी।' उन्होंने कहा, 'उनके पास विकल्प है। रोहित को बल्लेबाजी क्रम में नीचे भेज सकते हैं। ऐसा नहीं है कि रोहित शर्मा फॉर्म में नहीं हैं, कई बार आपको टूर्नामेंट में अच्छी शुरूआत नहीं मिल पाती जिससे बतौर बल्लेबाज या बतौर खिलाड़ी आप पर असर पड़ता है।' अंजुम ने कहा, 'खेल में यह होता है। हम टूर्नामेंट देख रहे हैं, आईपीएल हो या विश्व कप। लेकिन मुझे बताइए कि विश्व कप में क्या आप नहीं चाहेंगे कि आपका सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज फॉर्म में हो।

ऋषभ पंत को पूर्व क्रिकेटर वसीम जाफर का सुझाव

उसे इस मामले में बेहतर होने की जरूरत है

नई दिल्ली। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 49 गेंदों में 63 रन बनाकर ऋषभ पंत ने फॉर्म में वापसी के संकेत दिए हैं लेकिन पूर्व भारतीय क्रिकेटर वसीम जाफर ने कहा कि लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान को स्ट्राइक रोटेशन में सुधार करने पर भी ध्यान देना चाहिए। जाफर ने पंत की अटकने और फिर बड़े शॉट लगाने की प्रवृत्ति पर प्रकाश डाला। उन्होंने सुझाव दिया कि पंत को अपने स्ट्राइक रोटेशन कौशल में सुधार करने की जरूरत है, जबकि इस क्षेत्र में कोहली की महारत पर जोर दिया। जाफर ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि वह ऐसा करने की कोशिश करता है या नहीं (स्ट्राइक रोटेट करना), कोहली इसमें माहिर हैं। वह स्ट्राइक से बहुत अच्छी तरह से दूर हो जाता है, क्योंकि वह हर तरफ खेल सकता है। लेकिन पंत कभी-कभी अटक जाता है और यही समस्या है। फिर वह बड़ा शॉट लगाने की कोशिश करता है। मुझे लगता है कि उसे स्ट्राइक रोटेट करने में भी बेहतर होने की जरूरत है।' उन्होंने यह भी बताया कि पंत शायद ही कभी सीधे हिट करते हैं, बल्कि लेग साइड की तरफ शॉट खेलना पसंद करते हैं। उन्होंने कहा कि पंत ने पारी के अंत में एकमात्र सीधा छक्का लगाया और विकेटकीपर बल्लेबाज की लेग साइड की ओर शॉट लगाने की प्रवृत्ति को उजागर किया। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि वह कभी भी सीधे हिट करने की कोशिश नहीं करता, वह हमेशा लेग साइड, स्क्वायर लेग, काउ कॉर्नर की ओर जाता है। उसने (CSK के खिलाफ) अंत में एक सीधा छक्का लगाया।

प्रियंका चोपड़ा ने अनाउंस की नई हॉलीवुड फिल्म

बेवॉच एक्टर जैक के साथ आएंगी नजर

प्रियंका चोपड़ा अब हॉलीवुड कॉमेडी फिल्म में नजर आने वाली हैं। वह बेवॉच के अपने को-स्टार जैक एफ्रोन के साथ काम करने वाली हैं। इन दोनों के अलावा फिल्म में विल फेरेल और मिशेल पन्ना भी हैं। पहले फिल्म का नाम जजमेंट डे था। फिल्म एक युवा अपराधी (जैक एफ्रॉन) पर केंद्रित है, जो जेल से बाहर निकलता है और एक अनस्क्रिएड टीवी कोर्टरूम को बंधक बना लेता है क्योंकि उसे विश्वास हो जाता है कि जज (विल फेरेल) ने ऐसा फैसला दिया है, जिसने उसके लाइफ को खराब कर दिया है।

फिलहाल प्रियंका और मिशेल के किरदारों को लेकर कोई जानकारी नहीं है और उनकी डिटेल्स को अभी छिपाया हुआ है। प्रियंका ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर कास्टिंग की घोषणा की एक झलक शेयर करके फिल्म में काम करना कन्फर्म किया है। प्रियंका चोपड़ा अब हॉलीवुड कॉमेडी फिल्म में नजर आने वाली हैं। वह बेवॉच के अपने को-स्टार जैक एफ्रोन के साथ काम करने वाली हैं। इन दोनों के अलावा फिल्म में विल फेरेल और मिशेल पन्ना भी हैं। पहले फिल्म का नाम जजमेंट डे था। फिल्म एक युवा अपराधी (जैक एफ्रॉन) पर केंद्रित है, जो जेल से बाहर निकलता है और एक अनस्क्रिप्टिड टीवी कोर्टरूम को बंधक बना लेता है क्योंकि उसे विश्वास हो जाता है कि जज (विल फेरेल) ने ऐसा फैसला दिया है, जिसने उसके लाइफ को खराब कर दिया है। फिलहाल प्रियंका और मिशेल के किरदारों को लेकर कोई जानकारी नहीं है और उनकी डिटेल्स को अभी छिपाया हुआ है। प्रियंका ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर कास्टिंग की घोषणा की एक झलक शेयर करके फिल्म में काम करना कन्फर्म किया है।

सलमान ने ट्रोल करने वालों को दिया जवाब

सलमान खान इन दिनों अपनी फिल्म सिकंदर के लिए आलोचनाओं का सामना कर रहे हैं। फिल्म में उनकी परफॉरमेंस और उनकी फिटनेस पर सवाल उठ रहे हैं। सोशल मीडिया यूजर्स ने उन्हें फिल्में नहीं बनाने तक की सलाह दे डाली है। ऐसे में दबंग खान ने अपनी एक ऐसी तस्वीर शेयर की है जिसे देखने के बाद उन्हें ट्रोल करने वालों को जवाब मिला है। एक्टर ने अपनी वर्कआउट करते हुए की तस्वीर शेयर की है।

इस तस्वीर में उनकी जबरदस्त बॉडी देखने के बाद फैंस उनकी मेहनत की तारीफ कर रहे हैं। सिकंदर को मिले खराब रिव्यू को दबंग खान ने गंभीरता से लेते हुए सबसे पहले खुद की फिटनेस पर फिर से काम किया है। सलमान खान ने अपनी ये तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, 'मुझे प्रोत्साहित करने के लिए आपका शुक्रिया'। इन तस्वीरों के सामने आने के बाद वरुण धवन और राघव जुयाल ने कमेंट बॉक्स में फायर की इमोजी से रिएक्शन दिया है, अब्दु रोजिक ने भी भाईजान की मसल्स की तारीफ की है। रणवीर सिंह ने लिखा 'हार्ड हार्ड'। रणवीर इलाहाबादिया ने भी अपना रिएक्शन दिया है। सलमान खान इस समय अपने फार्म हाउस पर हैं और अपनी फिटनेस पर काम कर रहे हैं। हाल में उन्होंने अपने फार्म हाउस से पेड़ पर चढ़ने वाला वीडियो भी शेयर किया था। सलमान अब अधिकतर समय खुद को फिट रखने में दे रहे हैं। इन तस्वीरों और वीडियो से लग रहा है कि जब सलमान इंडस्ट्री में अपनी नई फिल्म से वापसी करेंगे तो उनका लुक और फिटनेस जबरदस्त होगी। वर्क फ्रंट की बात करें तो उनकी हाल में रिलीज हुई फिल्म सिकंदर को मिले खराब रिव्यू के बाद एक्टर ने फिल्मों के सिलेक्शन पर काम करने की बात कही है। ये बातचीत एक्टर ने अपने फैंस के एक ग्रुप के साथ की है। उन्होंने यकीन दिलाया है कि भविष्य में वो अपने फैंस को निराश नहीं करेंगे। रिपोर्ट्स हैं कि एक्टर अपना अगला प्रोजेक्ट किक 2 को बनाने वाले हैं। हालांकि, अभी कोई आधिकारिक एलान नहीं हुआ है।

उर्वशी को ओरी ने जान-बूझकर दिया था धक्का

बताया किस बात पर हुई थी चिढ़न

ओरी एक्टर नहीं लेकिन बॉलीवुड सिलेब्स से काफी अच्छी दोस्ती है। कुछ वक्त पहले वह उर्वशी रौतेला के साथ दिखाई कई बार दिए। फरवरी में उर्वशी की बर्थडे पार्टी में ओरी ने उनको ठुमका भी मारा था। अब ओरी ने एक इंटरव्यू में बताया है कि उर्वशी उस दिन लाइमलाइट ले रही थीं। इस वजह से उन्होंने बदला लिया था। ओरी काफी मिस्टीरियस पर्सनैलिटी हैं। उनको जानने वाले बोलते हैं कि वह काफी इंटेलिजेंट हैं। उन्होंने अपनी अलग तरह की इमेज एक सोशल मीडिया एक्सपेरिमेंट के तहत बना रखी है। ओरी को इंडस्ट्री के कई लोगों के साथ देखा जा चुका है। बीते दिनों वह उर्वशी रौतेला के साथ थे। अब उन्होंने स्क्रीन को बताया है कि कैसे उर्वशी अपने बर्थडे पार्टी की लाइमलाइट ले रही थीं जो उन्हें अच्छा नहीं लगा।

ओरी ने बताया कि पार्टी उन्होंने होस्ट की थी जिसमें उर्वशी की एंट्री काफी ड्रामैटिक थी। उन्होंने बताया कि वह होस्ट थे और उर्वशी की एंट्री काफी ड्रामैटिक हुई। वह अपने बर्थडे पर अपनी स्पॉटलाइट लेकर पहुंचीं, वह पल एकदम फिल्मी था। ओरी ने बताया कि कोई फोन टॉर्च या हाथ में पकड़ने वाली सेल्फी लाइट नहीं बल्कि पूरा स्पॉटलाइट मोमेंट था। उर्वशी के साथ एक आदमी वो लाइट लेकर चल रहा था। ओरी बोले कि एक सिलेब्रिटी और इवेंट के होस्ट के तौर पर उनका नैचुरल रिएक्शन ये था कि फोन निकालकर सीन को रिकॉर्ड कर लें। वह बोले, 'इससे फर्क नहीं पड़ता कि आप कौन हैं, डोनाल्ड ट्रम्प भी हो सकते हैं फिर भी आप फोन निकालकर उर्वशी की एंट्री को रिकॉर्ड कर लोगे।'

शर्मिला टैगौर ने पोते इब्राहिम की फिल्म नादानियां को बताया खराब

इब्राहिम अली खान ने फिल्म नादानियां के जरिए बड़े पर्दे पर डेब्यू किया था। फिल्म में उनके साथ खुशी कपूर थीं। खुशी भले ही पहले डेब्यू कर चुकी हैं, लेकिन थिएटर में उनकी भी पहली ही फिल्म थी जो रिलीज हुई थी। हालांकि फिल्म चली नहीं थी और बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप हो गई थी। वैसे तो अब तक कई सेलेब्स ने दोनों को सपोर्ट किया है। लेकिन अब इब्राहम की दादी और एक्ट्रेस शर्मिला टैगौर ने अपना सच्चा रिव्यू दिया है और माना कि फिल्म अच्छी नहीं थी। आनंदबाजार प्रतिका को दिए इंटरव्यू में शर्मिला ने कहा, 'सारा और इब्राहिम अच्छा काम कर रहे हैं। इब्राहिम की फिल्म अच्छी नहीं थी, लेकिन वह फिर भी हैंडसम लग रहे हैं। उन्होंने अपना बेस्ट दिया है। ये सब चीजें सबके सामने नहीं बोलनी चाहिए, लेकिन सच में फिल्म अच्छी नहीं थी। आखिर में फिल्म अच्छी ही होनी चाहिए।'शर्मिला फिर सारा के डेडिकेशन की तारीफ करती हैं और कहती हैं, 'सारा काफी अच्छी एक्ट्रेस हैं। वह काफी मेहनत करती हैं। वह आगे बढ़ने के लिए बहुत मेहनत करती हैं और मुझे पता है वह जल्द ही अपना गोल पूरा करेंगी।'बता दें कि इससे पहले इब्राहिम की बुआ सोहा से पूछा गया था कि वह अपने भतीजे इब्राहिम को क्या सलाह देंगी जो ट्रोल हो रहे हैं फिल्म को लेकर तो उन्होंने कहा कि आपको अगर इस इंडस्ट्री का हिस्सा बनना है तो आपको अपनी एक मोटी स्किन बनानी होगी।

दिव्यांका त्रिपाठी और विवेक दहिया का हो रहा तलाक?

दिव्यांका त्रिपाठी और विवेक दहिया टीवी के फेवरेट कपल में से एक हैं। दोनों कई साल के रिलेशन के बाद शादी के बंधन में बंधे थे और आज भी दोनों हर सुख-दुख में एक-दूसरे के साथ हैं। हालांकि कुछ दिनों से ऐसी खबर आ रही थी कि दोनों के रिश्ते में दरार आ रही है और दोनों 9 साल की शादी को खत्म करने वाले हैं तलाक लेकर। अब विवेक ने इन खबरों पर अपना रिएक्शन दिया है।

विवेक हाल ही में एक इवेंट में पहुंचे और जब उनसे सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, 'हम तो इन खबरों को सुनकर एंजॉय कर रहे हैं। दिव्यांका और मैं तो हंसते हैं। हम आइसक्रीम खाते हुए सोचते हैं कि और लंबा होगा तो पॉपकॉर्न भी मंगवा लेंगे।' विवेक ने फिर सोशल मीडिया पर गलत क्लिकबेट वीडियोज पर विश्वास ना करने को कहा है। वह बोले, 'मैं भी यूट्यूब वीडियोज बनाता हूं। मुझे पता है क्लिकबेट कैसे काम करता है। आप कुछ सेंसेशनल अपलोड करते हो और लोग आकर वो वीडियो देखते हैं। लेकिन हमें ऐसी झूठी बातों पर विश्वास नहीं करना चाहिए।' दिव्यांका और विवेक की लव स्टोरी की बात करें तो दोनों शो ये है मोहब्बतें के दौरान मिले जहां दिव्यांका तो लीड रोल में थीं, लेकिन विवेक साइड रोल कर रहे थे। दोनों फिर दोस्त बने और फिर धीरे-धीरे ये दोस्ती प्यार में बदल गई। दोनों ने फिर शादी की जिसकी फोटोज भी सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुई थी।

राधिका मदान ने मजाक उड़ाने वालों को दिया जवाब

राधिका मदान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर चर्चा में है। इसमें उनके बदले फीचर्स को देखकर लोग कॉस्मेटिक सर्जरी के कयास लगा रहे हैं। कुछ लोग उन्हें ट्रोल भी कर रहे हैं। अब राधिका ने इस वीडियो पर लोगों को जवाब दिया है। उन्होंने लिखा है कि वीडियो एडिटेट है और इससे भी बुरा बन सकता था। इंस्टाग्राम पर Slutty Gayatri नाम के पेज पर राधिका का वीडियो पोस्ट किया गया है। इसमें कैप्शन है, राधिका मदान ने मौनी रॉय से सीख ली है- नया चेहरा, नई वाइब।

इस पर राधिका ने जवाब दिया है, 'बस इतने ही आइब्रो ऊपर करे हैं एआई यूज करके? और कर लो यार... ये तो फिर भी नैचुरल लग रहा है।' इस पर कई लोग राधिका को ट्रोल कर रहे हैं। एक ने लिखा है, बहुत बुरी लग रही है, पहले प्यारी लगती थी। एक ने लिखा है, कृति सैनन, रवीना और चित्रांगदा की मिक्सचर लग रही है। कुछ लोग राधिका के सपोर्ट में भी हैं। एक ने लिखा है, ये एडिटेड वीडियो है प्लीज एक्ट्रेसस के वीडियोज ऐसे एडिट करना बंद कीजिए।इस क्लिप को कई लोग सही मान रहे हैं। कुछ लोगों ने लिखा है कि राधिका की चीकबोन्स और नाक भी बदली लग रही है। लोगों ने उनके कलर्स के टीवी सीरियल में ईशानी वाले लुक को भी याद किया है। इस पेज पर कई एडिटेड वीडियोज दिख रहे हैं। इसमें श्रद्धा कपूर की भी एक क्लिप है जिसमें उनके आइब्रोज काफी बदले दिख रहे हैं।

अंकित गुप्ता से ब्रेकअप के बीच प्रियंका चहर चौधरी का क्रिप्टिक पोस्ट

प्रियंका चहर चौधरी और अंकित गुप्ता की जोड़ी को काफी पसंद किया जाता था। लेकिन कुछ दिनों पहले दोनों की ब्रेकअप की खबरें आईं जिससे फैंस को काफी झटका लगा था। दरअसल, फैंस ने नोटिस किया कि दोनों ने एक-दूसरे को अनफॉलो कर दिया है।

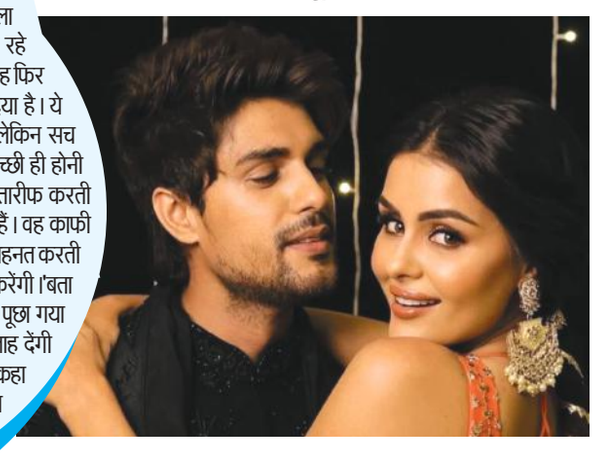

ब्रेकअप के बाद अंकित ने शो तेरे हो जाएं हम भी छोड़ दिया था जिसमें प्रियंका भी लीड रोल में थीं। अब प्रियंका ने हाल ही में एक क्रिप्टिक स्टेटमेंट दिया है। दरअसल, प्रियंका जो हाल ही में फैशन शो में स्पॉट हुईं उन्होंने कहा, मुझे लगता है इवॉल्व होना अच्छा होत है। बदलाव हमेशा अच्छे होते हैं। एक को आगे बढ़कर इवॉल्व होना होगा तो अच्छा है इवॉल्व हो हमेशा चाहे रिलेशनशिप हो या फैशन। वहीं शो छोड़ने पर अंकित ने बॉलीवुड बबल को दिए इंटरव्यू में कहा था, 'मैं रवि और सरगुन के शो से बाहर हो गया हूं। मुझे नहीं लगता कि मैं फिलहाल उस प्रोजेक्ट पर कमिट कर पाऊंगा। मुझे लगता है मुझे मेरे लिए टाइम चाहिए रिचार्ज होने के लिए। इसी वजह से मैंने इस साल खतरों के खिलाड़ी नहीं किया। मैं बस खुद के लिए टाइम ले रहा हूं तो फिलहाल काम के बारे में नहीं सोच रहा हूं।' प्रियंका और अंकित ने शो उड़ारियां से साथ काम करना शुरू किया था। दोनों की शो में ऑनस्क्रीन कैमेस्ट्री काफी पसंद की गई थी। इसके बाद से दोनों के रिलेशन की खबर आई। वहीं शो बिग बॉस में भी दोनों का क्लोज बॉन्ड दिखा। लेकिन अब तो दोनों के अलग होने की खबर ने सबको हैरान कर दिया है।

मुनमुन दत्ता ने बचाई बेजुबान की जान

टीवी सीरियल 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' की बबीता जी, यानि एक्ट्रेस मुनमुन दत्ता सोशल मीडिया पर एक्टिव हैं और अपनी इंस्टा पोस्ट के जरिए अपने फैंस और फॉलोअर्स को अपडेट रखती हैं। मुनमुन दत्ता ने हाल ही में एक बाइक एक्सीडेंट से जख्मी हुए डॉग की मदद की जिसका वीडियो उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपलोड भी किया। यह एक्सीडेंट मुंबई में हुआ जब एक बाइकर इस बेजुबान को रौंदते हुए निकल गया जिसके बाद उसे खून बहने लगा। डॉगी को तकलीफ में देखकर मुनमुन से रहा नहीं गया और उन्होंने इसकी मदद करने का फैसला किया। मुनमुन दत्ता ने बिना देर किए इस डॉगी को मेडिकल ट्रीटमेंट दिया। मुनमुन दत्ता ने अपनी इंस्टा पोस्ट में लिखा, ₹उसके अगले दोनों पैरों पर गहरी चोट लगी थी, क्योंकि उस कमीने ने इसके ऊपर बाइक चढ़ा दी, और इसे जख्मी छोड़कर भाग गया। मुझे यह देखकर खुशी है कि यह तेजी से रिकवर कर रही है। यह एक लंबी प्रक्रिया रहने वाली है, लेकिन शुक्र है कि वह (डॉगी) जिंदा है। मुनमुन दत्ता ने अपनी पोस्ट में लिखा- उसके जख्म अब पहले से कहीं बेहतर हैं। मुझे अच्छा लगता है कि वह मुझसे इतनी कंफर्टेबल हो गई है। मुनमुन दत्ता ने अपनी पोस्ट में बताया कि डॉगी उसे अपना इलाज करने देती है और उसे कुछ नहीं कहती है। वरना उसका इलाज करना बहुत मुश्किल हो जाता।

फिल्म जाट की दहाड़ सोमवार को हुई कम

बॉलीवुड एक्टर सनी देओल अपने कमबैक के बाद से कमाल कर रहे हैं। पहले उनकी फिल्म गदर 2 ने बॉक्स ऑफिस पर धमाका किया और अब जाट को भी ऑडियंस से अच्छा रिस्पोंस मिल रहा है। हाल में रिलीज हुई फिल्म जाट में सनी देओल अपने दमदार किरदार में नजर आए हैं। फिल्म में उन्हें टक्कर देने का काम राणातुंगा बने रणदीप हुड्डा ने जबरदस्त किया है। फिल्म को वीकेंड पर जबरदस्त फायदा हुआ था। लेकिन सोमवार को फिल्म की कमाई में थोड़ी गिरावट देखी गई। फिल्म ने अपने पांचवे दिन 7.50 करोड़ रुपए का बिजनेस किया। Sacnilk के मुताबिक फिल्म ने अपनी रिलीज के दिन 9.5 करोड़, दूसरे दिन 7, तीसरे दिन 9.75 करोड़ , चौथे दिन 14 करोड़ और पांचवे दिन 7.50 करोड़ की कमाई की है। अभी तक फिल्म कुल 47.75 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर चुकी है। आज की कमाई के बाद 50 करोड़ का आंकड़ा भी पार होने की उम्मीद है। 10 अप्रैल को रिलीज हुई सनी देओल की फिल्म जाट को हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों से अच्छा रिस्पोंस मिल रहा है। जाट की दहाड़ देखने लोग थिएटर तक जा रहे हैं। फिल्म में सनी देओल और रणदीप हुड्डा के बीच की जंग ऑडियंस को पसंद आ रही है। लीड एक्टर्स के आलावा फिल्म में सैयामी खेर, विनीत कुमार सिंह, रेजिना कैसेंड्रा और जगपति बाबू जैसे एक्टर्स हैं।